YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-15 | अंक-210 | सोमवार, 31 अगस्त 2026 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

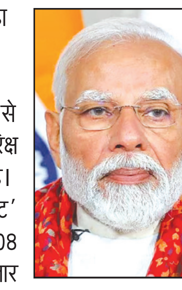

मोदी ने कहा कि भारत की बेटियों के सपनों की उड़ान धरती से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। 'मिशन शक्तिसैट' के माध्यम से 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट तकनीक सीखने और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। **नरेंद्र मोदी**

एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की फ्लाइट 18 घंटे लेट, यात्रियों का हंगामा 11

किसानों के समर्थन में उतरीं दिल्ली और हरियाणा की खाप पंचायतें 12

संक्षेप

कर्नाटक के मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा स्वीकार

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बी नागेंद्र का मंत्री पद से इस्तीफा मंजूर कर लिया है। राज्यपाल की ओर से इसकी जानकारी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कार्यालय को दी गई है। बी नागेंद्र ने 28 अगस्त को इस्तीफे की घोषणा की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री के आवास पर जाकर उन्हें इस्तीफा सौंप दिया था। उन्होंने राज्य के महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में अनियमितताओं को लेकर चल रहे विवाद के बीच इस्तीफा दिया था।

राजनीतिक दलों के नकद चंदे पर आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को राजनीतिक दलों को मिलने वाले नकद चंदे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका में आयकर अधिनियम के उस प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है जिसमें इन दलों को पहचान गुप्त रखते हुए 2,000 रुपये से कम का नकद चंदा दिया जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि यह प्रावधान मतदाताओं को चंदा देने वाले की अहम जानकारी से वंचित करता है। यह भी अनुरोध किया गया है कि वह निर्वाचन आयोग को निर्देश दिए जाएं कि वह शर्त तय की जाए कि कोई भी राजनीतिक दल नकद में कोई रकम नहीं ले सकता। कोर्ट ने इससे पहले केंद्र, निर्वाचन आयोग और अन्य को नोटिस जारी कर मामले में जवाब-तलब किया था।

लखनऊ में वकीलों के चैंबर पर चला बुलडोजर

लखनऊ। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आसपास बने वकीलों के अवैध चैंबर और दुकानों पर रविवार शाम नगर निगम ने बुलडोजर चला दिया। हाईकोर्ट के निर्देश पर की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस और प्रशासन की भारी फोर्स तैनात रही। वकीलों ने कार्रवाई का विरोध किया और अधिकारियों से निर्धारित संख्या से अधिक चैंबर नहीं तोड़ने की मांग की। रविवार शाम करीब 4:30 बजे पुलिस और प्रशासन के अधिकारी टीम के साथ जिला कोर्ट परिसर के आसपास पहुंचे। कुछ ही देर बाद नगर निगम की टीम आठ बुलडोजर और हाईवा लेकर मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद अवैध चैंबरों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर इलाके की बिजली भी काट दी गई। जिला अदालत के आसपास चल रही कार्रवाई के दौरान पुलिस बल ने लोगों को मौके से हटाकर जगह खाली कराई। कार्रवाई के दौरान वकीलों और अधिकारियों के बीच बहस भी हुई। वकीलों ने पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों से कहा कि अदालत ने 72 चैंबरों को तोड़ने का आदेश दिया है, इसलिए इससे अधिक निर्माणों पर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। विरोध के बावजूद नगर निगम की टीम ने अवैध निर्माण हटाने का अभियान जारी रखा। आपको बता दें नगर निगम ने वकीलों को 30 अगस्त तक अवैध चैंबर छोड़ने का नोटिस जारी किया था। इनमें नाले पर बने हुए अवैध चैंबर भी शामिल हैं।

सपा के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक है जेपीएनआईसी : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि लखनऊ में बना जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) समाजवादी पार्टी के भ्रष्टाचार का जीवंत स्मारक है। सपा ने इसे अपनी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का अड्डा जैसा बना दिया था। एक महापुरुष के नाम का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता। प्रदेश सरकार अपराध व अपराधियों के साथ-साथ बेईमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा का प्रेरणा स्थल पर लोकार्पण करने के बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित करने वाले जयप्रकाश नारायण के नाम पर सपा शासनकाल में शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट की लागत 200 करोड़ रुपये थी, लेकिन 864 करोड़ खर्च करने के बावजूद यह अधूरा रहा। जिस काम को 18 महीने में पूरा होना था, वह दो साल बाद भी अधूरा था। सेंटर पर सपा का कब्जा रखने के लिए एक कमेटी गठित की गई, जिसमें अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, अखिलेश के निजी सचिव और सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपीएनआईसी पर खर्च हुए 864 करोड़ रुपये सैफई सिंडिकेट के नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता के हैं। जनता के पैसे पर किसी राजनीतिक दल को डकैती डालने की छूट नहीं दी जा सकती। सरकार ने कमेटी भंग कर इस सेंटर को वापस लिया है। अब लखनऊ विकास प्राधिकरण के मार्गदर्शन में इसे संचालित कर जयप्रकाश नारायण की स्मृति को जीवंत किया जाएगा। साथ ही प्रदेश के खजाने से खर्च धनराशि की वसूली का प्रयास किया जाएगा। सरकार ने जिन लोगों के हाथ से खजाना छीन लिया, वे अब अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीए के नाम पर समाज को बांटने वाली सपा के लोगों ने कभी महापुरुषों का सम्मान तक नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर सपा नेताओं के मुंह से श्रद्धांजलि का एक शब्द नहीं निकला, एक ट्वीट तक नहीं किया। सपा दंगों की बादशाह है। कर्फ्यू उसकी पहचान और सरकारी खजाने में लूट-खसोट उसकी आदत रही है। खाली जमीनों पर सपाई गुंडों का कब्जा और महिलाओं- बेटियों में भय का माहौल पिछली सरकार की सबसे बड़ी पहचान रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डबल इंजन की भाजपा सरकार मातृशक्ति को सशक्त बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में शुरू हुआ मिशन शक्ति महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और स्वावलंबन से जुड़ा अभियान है। जब बेटी को सुरक्षा मिलती है तो उसमें संरक्षण का भाव पैदा होता है। सम्मान मिलने पर वह अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करती है और जब उसे स्वावलंबन के अवसर मिलते हैं तो वह अपनी गति को प्रगति में बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ती। आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई दे रहा बदलाव इसी सशक्तीकरण का परिणाम है। हम बीमारू छवि से निकल कर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति को समर्पित है, जिसका लोकार्पण पीएम मोदी ने किया। यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं देश की अखंडता, अंत्योदय और सुशासन की प्रेरणा देती हैं। ● शेष पेज 11 पर

- जयप्रकाश नारायण के नाम का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता, जनता के पैसे पर डकैती की छूट नहीं: मुख्यमंत्री
- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी ने किया वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य प्रतिमा का लोकार्पण, पुष्पांजलि भी अर्पित की
- जाति के नाम पर समाज को बांट रही सपा, हम बटेंगे नहीं, तो कटेंगे भी नहीं
- दंगों की बादशाह है सपा, कर्फ्यू उसकी पहचान और सरकारी खजाने में लूट
- लखनऊ, गोरखपुर व बदायूं में वीरांगनाओं के नाम पर गठित की गईं तीन महिला पीएसी बटालियन

डिजिटल अरेस्ट पर न्यायपालिका तुरंत हुए सक्रिय : सीजेआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायपालिका ने डिजिटल अरेस्ट जैसे नए तरह के धोखाधड़ी वाले मामलों पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रियता से कदम उठाए हैं। शनिवार को लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन भाषण में उन्होंने कहा कि अदालत ने केंद्र और राज्यों को इस समस्या के स्तर का आकलन करने का निर्देश दिया है। साथ ही अदालत ने इसे एक अलग अपराध बनाने और नुकसान की गंभीरता के अनुरूप सजा तय करने की मांग की है।

सीजेआई ने कहा, 'यह एक व्यापक व्यवस्था का उदाहरण है जिसमें भारतीय न्यायपालिका संसद के इस मामले में कदम उठाने का इंतजार करने के बजाय उभरती धोखाधड़ी की योजनाओं पर सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया देती है।' उन्होंने कहा कि भारत में आर्थिक अपराध से निपटने की आधुनिक व्यवस्था को किसी एक कानून के तौर पर समझना उचित नहीं होगा। यह कई दशकों में धीरे-धीरे तैयार की गई एक बहुस्तरीय व्यवस्था है।

सीजेआई ने मनी लॉन्ड्रिंग कानून और भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं। कई लोगों ने जांच एजेंसियों द्वारा इनकी प्रक्रिया के कथित दुरुपयोग की शिकायत की है। गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताए जाने के आरोप हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल बनाम सीबीआई मामले में अदालत ने गिरफ्तारी को कानूनी माना, लेकिन इसके बावजूद जमानत दे दी। इसका आधार यह सिद्धांत था कि मुकदमे से पहले लंबे समय तक हिरासत को किसी दूसरे रूप में सजा में नहीं बदला जा सकता।' ● शेष पेज 11 पर

जस्टिस सूर्यकांत बोले- कानून बनने का इंतजार नहीं किया

प्रख्यात कानूनविद सुप्रीम कोर्ट में जज बनाए जाएं : जस्टिस भुइयां

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने रविवार को शीर्ष अदालत में 'प्रख्यात कानूनविदों' को जज नियुक्त किए जाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि अब तक किसी कानूनी शिक्षाविद को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त नहीं किया गया है। देश में ऐसे कई प्रतिभाशाली लोग हैं, जो अगर पीठ का हिस्सा बनते तो न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते थे। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्रों के 13वें दीक्षांत समारोह में जस्टिस भुइयां ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 124 (3) (सी) में ऐसे व्यक्ति को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त करने का प्रावधान है, लेकिन पिछले 76 वर्षों में हाई कोर्ट के जजों या वकीलों के अलावा कोई अन्य व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट तक नहीं

जयपुर के दो सेंटर पर नीट-पीजी परीक्षा रद्द

एजेंसी

- कंप्यूटर हुए बंद, छात्रों का हंगामा, अब 5 सितंबर को दोबारा परीक्षा
- देशभर में 2.63 लाख से ज्यादा उम्मीदवार हुए शामिल

नई दिल्ली/जयपुर। देशभर में रविवार को 2.63 लाख से ज्यादा उम्मीदवारों के लिए नीट-पीजी 2026 की परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। हालांकि, राजस्थान के जयपुर में सीतापुरा स्थित दो केंद्रों पर बिजली की खराबी के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि परीक्षा के दौरान कंप्यूटर बार-बार बंद हो रहे थे। तकनीकी समस्या आ रही थी। अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र के बाहर प्रदर्शन भी किया। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर दोबारा शुरू होने के बाद कई सिस्टम पर केवल कुछ सवाल दिखाई दिए और फिर कंप्यूटर बंद हो गया।

इसके बाद नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशंस इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने बताया कि इन सेंटरों पर पंजीकृत सभी 2,445 अभ्यर्थियों की परीक्षा 5 सितंबर को दोपहर 3 बजे दोबारा होगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि खामी के लिए जिम्मेदार तकनीकी पार्टनर और एजेंसी के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने के लिए बैठक बुलाई है। तकनीकी गड़बड़ी के बीच कई अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से बाहर निकल आए और प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार आ रही तकनीकी समस्या को लेकर केंद्र के कर्मचारियों की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। सीसीटीवी से सभी सेंटरों पर लाइव नजर रही नीट-पीजी 2026 परीक्षा 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 339 शहरों में 1,111 परीक्षा केंद्रों पर 2,73,096 उम्मीदवारों के लिए आयोजित की गई थी। इसमें कुल 2,65,980 उम्मीदवार शामिल हुए। लगभग 2,63,535 उम्मीदवारों के ● शेष पेज 11 पर

डीएनए जांच के लिए भारतीय टीम नेपाल पहुंची

काठमांडू/नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रविवार को कहा कि भारत से राहत सामग्री लेकर चार विमान नेपाल पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ में बरामद 600 से अधिक शवों की पहचान के लिए नेपाल भारत से फोरेंसिक प्रयोगशालाओं और तेजी से डीएनए जांच में अतिरिक्त मदद की मांग की है। एक समाचार एजेंसी से बातचीत में खनाल ने कहा कि सरकार बचाव के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और अभियान अभी जारी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में हमने 4,000 से अधिक लोगों को बचाया है। उन्होंने भारत की मदद के लिए आभार जताते हुए कहा कि भारत सरकार ने हमें जो सहायता दी है, उसके लिए हम बेहद आभारी हैं। राहत सामग्री लेकर चार अलग-अलग विमान नेपाल पहुंचे हैं। खनाल ने बताया कि नेपाल ने सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए विशेषज्ञ सहायता भी मांगी थी। इसके तहत एक विशेषज्ञ दल पिछले दो दिनों में नेपाल पहुंचा है। ● शेष पेज 11 पर

भारत की नियति दुनिया को विविधता में एकता का बोध कराना : भागवत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज यहां कहा कि हर राष्ट्र का एक संदेश, मिशन और नियति होती है। भारत की नियति दुनिया को विविधता में एकता का बोध कराना है। विविधता एकता को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे सजाती है।

न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में 'एहेड फोरम' की ओर से आयोजित यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशन में मोहन भागवत ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि हर देश का एक संदेश होता है, हर देश का एक मिशन होता है और हर देश की एक नियति होती है जिसे उसे पूरा करना होता है। भारत की नियति क्या है? भारत का काम है 'विविधता में एकता' को खुद समझना और समय-समय पर दुनिया को भी इसका एहसास कराना। हम एक हैं, और विविधता के कारण ही वह एकता और भी सुंदर लगती है। इसलिए, विविधता का जश्न मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विविधता का उत्सव मनाया जाना चाहिए। उसका सम्मान होना चाहिए और उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही लोगों को एकता की भावना को भी अपने भीतर बनाए रखना चाहिए। उनके अनुसार अलग-अलग रूपों और पहचानों के बावजूद एकता का भाव वास्तविक है। मोहन भागवत ने भारतीयों से अपने आचरण के माध्यम से विविधता में एकता का संदेश देने की अपील की। भागवत ने कहा कि भारत को दुनिया के सामने 'विविधता में एकता' का संदेश केवल भाषण या उपदेश के माध्यम से नहीं रखना है। भारतीयों को अपने व्यवहार और आचरण से इसका उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने कहा कि यही वह दिशा है, जिसके माध्यम से भारत अपने दायित्व को पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि मनुष्यों के शरीर, पहनावे और उपासना पद्धतियां अलग हो सकती हैं। इसके बावजूद एक स्थायी तत्व सभी को जोड़ता है। उन्होंने इसकी तुलना एक ही धागे से जुड़े माला के अलग-अलग मोतियों से की। उनके अनुसार यही ● शेष पेज 11 पर

आईएएस दिव्या मित्तल ने 13 साल की सेवा को कहा अलविदा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

भावुक पोस्ट में लिखा- 'पद छूट गया, सपना नहीं'

लखनऊ। आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने 13 वर्षों की प्रशासनिक यात्रा को विराम देते हुए अपनी इच्छा से पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा कर अपने फैसले की जानकारी दी। पोस्ट में उन्होंने आईएएस बनने के सफर से लेकर प्रशासनिक सेवा के दौरान आम लोगों से मिले अनुभवों और सीख को साझा किया।

दिव्या मित्तल ने बताया कि साधारण परिवेश में पली-बढ़ी होने के बावजूद उन्होंने बेहतर और सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात मेहनत कर उन्होंने आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बेंगलुरु से पढ़ाई की। इसके बाद लंदन में नौकरी मिली। हालांकि, सब कुछ हासिल कर लेने के बाद भी उन्हें अपने देश से दूर होने का खालीपन महसूस होता रहा। उन्होंने लिखा कि उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताकत इसी देश की मिट्टी का कर्ज है। इसी कर्ज को चुकाने की इच्छा से वह भारत लौटीं और आईएएस अधिकारी बनने का अवसर मिला। अपने प्रशासनिक अनुभवों को याद करते हुए दिव्या मित्तल ने देवरिया और मीरजापुर की सेवा को खास तौर पर याद किया। लिखा कि देवरिया ने उन्हें सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना कोई विकल्प नहीं बल्कि कर्तव्य है। वहीं मीरजापुर ने सिखाया कि 'असंभव' कोई तथ्य नहीं, बल्कि सिर्फ एक राय है। मां विंध्यवासिनी के प्रति अपनी आस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके चरणों में बैठकर यह सीख मिली कि शक्ति किसी पद से नहीं, बल्कि उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है। जीवन की सबसे बड़ी सीख यह रही कि अपने लिए देखे गए सपने तो ● शेष पेज 11 पर

भारत-उज्बेकिस्तान अब समग्र रणनीतिक साझेदार

पांच अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य: मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और उज्बेकिस्तान ने अपनी रणनीतिक भागीदारी को समग्र रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देते हुए अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को एक अरब डॉलर तक पहुंचाने का निर्णय लिया है।

उज्बेकिस्तान की दो दिन की यात्रा पर गये श्री मोदी ने रविवार को राजधानी ताशकंद में राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है जिससे संबंधों की निकटता, करीबी समन्वय और गहरी मित्रता का पता चलता है।

राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ पिछले दशक में हुई अनेक मुलाकातों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा ,'' उनकी सकारात्मक और दूरदर्शी सोच, और निरंतर सीखते रहने की भावना वाकई बहुत ही प्रेरणादायक है। भारत के प्रति उनकी गहरी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता के लिए मैं उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं। श्री मोदी ने कहा कि जहां उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केन्द्र में है वहीं भारत के लिए भी वह इस क्षेत्र का केन्द्र बिन्दु है। भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानता है। '' यांगी उज्बेकिस्तान '' और ''विकसित भारत 2047'', दोनों के केंद्र में युवा, नवाचार, समावेशी विकास और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी है। इस साझा विजन पर चलते हुए हम दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस विशेष अवसर पर हमने संबंधों को समग्र रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा ,'' आज हमने हमारी साझेदारी के इस नए स्वरूप में तेज गति और ठोस परिणामों के साथ आगे बढ़ने का महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार किया है। हमारा द्विपक्षीय व्यापार एक अरब डॉलर पार कर चुका है। अब हमने 2030 तक पांच अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य रखा है। इसके लिए हम बाजार पहुंच, संपर्क, बैंकिंग और ● शेष पेज 11 पर

मोदी उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान, 'ओलिय दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित

नयी दिल्ली। उज्बेकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को देश के सर्वोच्च सम्मान 'ओलिय दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। उज्बेकिस्तान की दो दिन की यात्रा पर गये श्री मोदी को राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद सम्मानित किया। यह सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने और मित्रता को गहरा करने में उनके योगदान की मान्यता के रूप में दिया गया है। श्री मोदी ने इस सम्मान को दोनों देशों के बीच स्थायी संबंधों को समर्पित किया और इसे दोनों देशों के लोगों के बीच साझा गहरी जड़ें रखने वाली मित्रता का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने सम्मान लेने के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा ओलिय दाराजाली दोस्तलिक' सम्मान प्राप्त करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच स्थायी बंधन को समर्पित करता हूं 'ओलिय दाराजाली दोस्तलिक', या ओलिय दाराजाली दोस्तलिक पुरस्कार उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान है और इसे मित्रता तथा सहयोग में उत्कृष्ट योगदान की मान्यता में प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया जाना भारत और ताशकंद के बीच संबंधों में बढ़ती गर्मजोशी और रणनीतिक गहराई को रेखांकित करता है।

मायावती आज में करेंगी बसपा की अहम बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती 31 अगस्त को लखनऊ में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और सभी 75 जिलाध्यक्षों की अहम बैठक करेंगी। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन को मजबूत करने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

बसपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मायावती सोमवार को पार्टी के 12 माल एवेन्यू स्थित प्रदेश कार्यालय में सुबह 11 बजे से बैठक को संबोधित करेंगी। इसमें प्रदेश के सभी स्तरों के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा 75 जिलों के अध्यक्ष शामिल होंगे।

बैठक में पार्टी संगठन की जमीनी एवं आर्थिक मजबूती तथा पार्टी के जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के लिए पिछली बैठकों में दिए गए दिशा-निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट ली जाएगी। इसके साथ ही आगामी विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों और पार्टी प्रत्याशियों के चयन से संबंधित विषयों पर भी गहन समीक्षा की जाएगी। बसपा की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि बैठक के दौरान आगे की रणनीति को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा की संगठनात्मक तैयारियों के लिहाज से यह बैठक महत्वपूर्ण होगी। बसपा ने हाल में उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में आगामी चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है। ऐसे में मायावती की प्रदेश के शीर्ष संगठनात्मक पदाधिकारियों के साथ होने वाली यह बैठक चुनावी रणनीति के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

100 रेलवे एवं 100 बस स्टेशनों सहित पांच हवाई अड्डों पर खोलेंगे मुख्यमंत्री महिला उत्पाद विपणन केंद्र

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिला विपणन केंद्र के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

तीन करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और 1 करोड़ लखपति दीदियां बनाने के लक्ष्य को पूरा करें अधिकारी

543 प्रेरणा सरल स्टोर और 3000 से अधिक उत्पादों को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को मिशन निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी ली, धरातलीय आंकड़े नहीं मिले सन्तोष जनक दिए दूरभाष पर कड़े निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूह उत्पादों के वितरण एवं ब्रांडिंग के लिए विभाग द्वारा ब्लॉक स्तर पर 543 प्रेरणा सरल स्टोर स्थापित किए गए तथा तीन हजार से अधिक उत्पादों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन विपणन प्लेटफार्म से जोड़ा गया। इन उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, ताकि महिलाओं को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके और उनकी आय में वृद्धि हो। उन्होंने विकेंद्रीकृत ऊर्जा के क्षेत्र में महिला सहभागिता बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि लखपति दीदी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ग्रामीण स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर महिलाओं को सौर ऊर्जा आधारित गतिविधियों से जोड़ा जाए। उद्योगों एवं उद्यमियों को सौर ऊर्जा के लाभों की जानकारी देकर सौर ऊर्जा इंस्टॉलेशन कार्य को बढ़ावा दिया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने ड्रोन दीदी योजना की समीक्षा करते हुए बताया कि 75 जिलों में 11,81,660 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए ड्रोन सखियों का चयन किया गया है तथा प्रथम चरण में दीदीयों को 114 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि ड्रोन तकनीक से किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग घटाने और जैविक खेती को

बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने टेक होम राशन योजना को सभी 75 जनपदों तक शीघ्र विस्तारित करने के निर्देश दिए। वर्तमान में 43 जनपदों में 204 इकाइयां संचालित हैं, जिनमें लगभग 4,000 सदस्य कार्यरत हैं। उपमुखम्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन, मधुमक्खी पालन एवं मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों में भी अधिक से अधिक समूह की दीदियों को जोड़ने के निर्देश दिए। केशव प्रसाद मौर्य ने मिशन निदेशक को 03 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा 01 करोड़ लखपति दीदियां बनाने के लक्ष्य पर मिशन मोड में कार्य करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कि हम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में मुख्यमंत्री महिला उत्पादन विपणन योजना के तहत 75 जनपदों के 826 विकास खंडों, 100 रेलवे एवं 100 बस स्टेशनों तथा 05 हवाई अड्डों पर केंद्रों की स्थापित करेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनके परिवारों में खुशहाली लाना है।

बारिश को लेकर नगर निगम अलर्ट नगर आयुक्त ने संभाली कमान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। शहर में रुक-रुककर हो रही तेज बारिश को देखते हुए नगर निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर है। निचले और संवेदनशील इलाकों में जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने खुद मोर्चा संभालते हुए शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों और मार्गों का निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त ने छाता लेकर पैदल चलते हुए कचहरी चौराहा, पुलिस लाइन चौराहा, पांडेयपुर चौराहा, हुकुलगंज रोड, तारी खाना तिराहा, चौकाघाट, तेलियाबाग, मरी माता, मलदहिया चौराहा, साजन तिराहा, सिगरा चौराहा, रथयात्रा चौराहा, महमूरगंज, अंधरापुल और मकबूल आलम रोड का जायजा लिया। उन्होंने जल निकासी व्यवस्था, नालियों की स्थिति और संवेदनशील स्थानों पर निगम की तैयारियों को परखा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बारिश के कारण कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। निगम की टीमों ने पंपों और सफाई कर्मियों की मदद से प्रभावित क्षेत्रों में कुछ ही घंटों के भीतर जल निकासी करा दी। नगर निगम की तत्परता से जलभराव से राहत मिलने पर स्थानीय लोगों ने भी संतोष जताया। नागरिकों का कहना है कि भारी बारिश के बावजूद निगम की टीमें मौके पर पहुंचकर तत्काल जल निकासी करा रही हैं, जिससे लोगों को काफी राहत मिल रही है। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या से नागरिकों को तत्काल राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 24 घंटे मुस्तैद रहने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान किसी भी क्षेत्र से जलभराव की शिकायत मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मंत्री दयालु ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी 'मन की बात'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने रविवार को अपने सिगरा स्थित कैंप कार्यालय पर काशी के कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण को लाइव सुना।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. दयालु ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में देशवासियों से नशामुक्त भारत के संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया है। यह युवाओं के स्वस्थ जीवन, खुशहाल वर्तमान और उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। हम सभी को मिलकर इस संकल्प को सिद्ध करना है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' और 'हर घर तिरंगा' जैसे अभियानों के माध्यम से युवा शक्ति, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्रप्रेम को नई ऊर्जा देने का प्रेरक संदेश दिया है। युवा शक्ति ही आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की नींव है। कार्यक्रम में देवेंद्र प्रताप सिंह, चंद्रप्रकाश मिश्र (गुड्डू महाराज), गौरव राठी, श्रुति द्विवेदी, प्रमोद राय, सौरभ पाठक, अवधनारायण राय, दिनेश कुमार सिंह (दीनू), सौरभ राय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जनसंपर्क अधिकारी गौरव राठी ने बताया कि कार्यक्रम में काशी के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संदेश को आत्मसात करते हुए नशामुक्त भारत और स्वदेशी को अपनाने का संकल्प लिया।

पकड़ा 7 फीट लंबा अजगर

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रोफ़ेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय, नैनी में शनिवार को 7 फीट लंबा भारतीय रॉक अजगर पकड़ा गया। विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर डॉ. एनबी सिंह ने अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर वन विभाग को सौंप दिया। डॉ. सिंह इससे पहले भी कई बड़े अजगरों का रेस्क्यू कर चुके हैं। वन्यजीव संरक्षण के साथ ही वे पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जाने जाते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में 2021 से अब तक वे एक लाख से अधिक पौधे लगा चुके हैं। इनमें रुद्राक्ष, शीशम, सिरीस, कांजी जैसे लगभग 11 हजार पौधे शामिल हैं। हर वर्ष रक्षाबंधन पर वे पेड़ों की पूजा कर रक्षा सूत्र बांधते हैं। डॉ. सिंह की खास बात यह है कि उन्होंने आज तक प्लास्टिक की बोतल में पानी नहीं पिया है। पौधरोपण को वे सबसे पुनीत कार्य मानते हैं। उनके प्रयासों से ही विश्वविद्यालय परिसर आज पूरी तरह हरा-भरा हो गया है।

नगवा नाला में नहाने गया युवक तेज बहाव में डूबा, तलाश जारी

बंथरा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इलाके के खुरुमपुर-नगवा नाला पुल के पास रविवार दोपहर नहाने के दौरान लगभग 18 वर्षीय युवक तेज बहाव में बहकर नाले में डूब गया। हादसे के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने युवक की तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक युवक का पता नहीं चल सका था। जानकारी के अनुसार, कृष्णानगर के पंडित खेड़ा निवासी साहिल उर्फ शेरा (18) पुत्र जितेंद्र रविवार को भदोई गांव में अपनी रिश्तेदारी में आया था यहां से वह दोपहर अपने तीन दोस्तों के साथ खुरुमपुर-नगवा नाला पुल के पास नहाने आया। नाले में पानी का बहाव तेज था। नहाते समय साहिल अचानक तेज बहाव की चपेट में आ गया और पानी में डूबने लगा जिसके बाद उसके दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन बचा नहीं पाए किसी तरह वह बाहर आए और आसपास मौजूद ग्रामीणों का सूचना दी। मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई, साहिल को खोजने का प्रयास भी किया गया लेकिन सफल नहीं हो सके। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कराई। पुलिस ने घटना की जानकारी एसडीआरएफ को भी दी। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम नाले में युवक की तलाश कर रही है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। युवक के डूबने से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस की निगरानी में नाले में तलाश अभियान जारी है।

12.45 करोड़ रुपये से बदलेगी 223 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों की तस्वीर , बुनियादी सुविधाओं को होगा सुदृढ़ीकरण

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रदेश के राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने प्रदेश के सभी 223 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों के रखरखाव, मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 12.45 करोड़ रुपये की बजट स्वीकृति प्रदान की है। राज्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि छात्रावासों में रखरखाव और मरम्मत के सभी कार्य गुणवत्ता के साथ और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे कराए जाएं। छात्रावासों में विद्यार्थियों की क्षमता के आधार पर रखरखाव एवं मरम्मत के लिए धनराशि जारी की जाएगी। इसके तहत 50 विद्यार्थियों की क्षमता वाले छात्रावासों को प्रति छात्रावास 5 लाख रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। स्वीकृत बजट से पेयजल व्यवस्था, विद्युत उपकरणों की मरम्मत एवं सुधार, शौचालयों की मरम्मत, रंग-रोगन तथा सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और अध्ययन के अनुकूल आवासीय वातावरण उपलब्ध कराना है। राज्यमंत्री असीम अरुण ने कहा कि प्रदेश सरकार अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर और सम्मानजनक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, छात्रावास केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण के केंद्र हैं। इस बजट स्वीकृति से सभी 223 छात्रावासों की व्यवस्थाओं में व्यापक सुधार होगा।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद रामघाट पर दिखी तबाही की तस्वीर,दुकानों और प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान

चित्रकूट/बाँदा। मंदाकिनी नदी में आई भीषण बाढ़ का पानी उतरने के बाद चित्रकूट के रामघाट और आसपास के क्षेत्रों में तबाही का मंजर सामने आने लगा है।जिन स्थानों पर कुछ घंटे पहले तक पानी का सैलाब था,वहां अब कीचड़ मलबा और बाढ़ से खराब हुआ सामान दिखाई दे रहा है।रामघाट क्षेत्र में स्थित कई दुकानें धार्मिक प्रतिष्ठान और अन्य स्थान बाढ़ की चपेट में आ गए थे।पानी उतरने के बाद दुकानदार और स्थानीय लोग अपने प्रतिष्ठानों में पहुंचकर नुकसान का जायजा लेते नजर आ रहे हैं।कई स्थानों पर सामान खराब हो गया,जबकि कीचड़ और मलबे की सफाई का काम भी शुरू हो गया है।रामघाट की वर्तमान तस्वीरें बाढ़ की भयावहता को बयां कर रही हैं।

विवाहिता का पुलिस निगरानी में बैकुंठ धाम अल्हवा में हुआ अंतिम संस्कार

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम सभा अल्हवा में मृतका विवाहिता नीलाक्षी सिंह का अंतिम संस्कार शनिवार को पुलिस, ग्राम प्रधान और ससुराल पक्ष की मौजूदगी में बैकुंठ धाम अल्हवा में किया गया। दाह संस्कार के दौरान मायके पक्ष का कोई सदस्य शामिल नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि जितेंद्र सिंह की पत्नी नीलाक्षी सिंह ने 21 अगस्त 2026 को ऑपरेशन से एक बच्ची को जन्म दिया था। 27 अगस्त की रात उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर साड़ी के फंदे से आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर कोरांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। 29 अगस्त को पोस्टमार्टम के बाद मायके वाले शव को अपने गांव ले जाकर पति से ही दाह संस्कार कराने की मांग पर अड़ गए। नामजद रिपोर्ट के आधार पर पति जितेंद्र सिंह को पुलिस ने हिरासत में रखा था, लेकिन अंतिम संस्कार और रीति-रिवाज निभाने के लिए पुलिस अभिरक्षा में मुचलके पर छोड़ा गया और दाह संस्कार कराया गया। मायके पक्ष ने दहेज अधिनियम के तहत हत्या का आरोप लगाया है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि जितेंद्र सिंह सीधे-साधे स्वभाव के हैं। ग्रामीणों के अनुसार विवाहिता अक्सर पति और सास को परेशान करती थी और धमकी देती थी, जिसकी जानकारी पति द्वारा मायके वालों को पहले भी दी जाती रही है। सबसे बड़ा सवाल 6 दिन की दूधमुंही बच्ची के पालन-पोषण को लेकर है। ग्रामीणों का कहना है कि न तो मृतका ने बच्ची के भविष्य के बारे में सोचा और न ही मायके पक्ष इस ओर ध्यान दे रहा है। फिलहाल कुछ रिश्तेदार सुलह-समझौते का प्रयास कर रहे हैं। मृतका के पति जितेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना थाना कोरांव और सीएम हेल्पलाइन पर दे दी गई थी। उसने बताया कि कुछ सप्ताह पूर्व पत्नी की इच्छा पर उसे दिल्ली, आगरा, मथुरा भी घुमाया था। उसकी जिद पूरी न होने पर वह कई बार फांसी लगाने का प्रयास करती थी। सारे नखरे बर्दाश्त करने के बावजूद यह घटना हो गई। उधर मायके पक्ष के कुछ रिश्तेदारों द्वारा सास-दामाद के अलावा परिवार के अन्य सदस्यों को भी फंसाने की धमकी दिए जाने की सूचना कोरांव पुलिस और एसीपी मेजा को दी गई है। ग्रामीणों और पीड़ित परिजनों ने मुख्यमंत्री और पुलिस आयुक्त प्रयागराज से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि निर्दोष न फंसे और यदि कोई दोषी है तो साक्ष्य के आधार पर विधिक कार्रवाई हो। लोगों ने इस संबंध में विधायक कोरांव को भी अवगत कराया है।

बहनों ने कांग्रेस नेता हसीब खान की कलाई पर बांधी राखी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उतरौला। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर उतरौला विधानसभा क्षेत्र में भाई-बहन के स्नेह और आपसी भाईचारे की अनूठी मिसाल देखने को मिली। लगातार तीसरे दिन भी हजारों महिलाओं और बच्चियों ने कंग्रेस नेता हसीब खान की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं। कंग्रेस नेता हसीब खान ने उतरौला विधानसभा क्षेत्र के शाहपुर टप्पा बाक सहित अन्य गांवों का दौरा कर बड़ी संख्या में बहनों से राखी बंधवाई। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को साड़ी तथा बच्चियों को कपड़े भेंट किए। उपहार पाकर महिलाओं और बच्चियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कंग्रेस नेता हसीब खान का जोरदार स्वागत भी किया। इस मौके पर कंग्रेस नेता हसीब खान ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, स्नेह और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उतरौला की सभी बहनें उनके लिए परिवार का हिस्सा हैं। उनका स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चियां और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

सरकार के दावों की पोल खोलता भोगन पुल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। एक तरफ सरकार सड़क और पुलों का जाल बिछाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं प्रयागराज जनपद के कोरांव तहसील के अंतर्गत भोगन बेलन नदी का पुल इन दावों की हकीकत बयां कर रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह पुल लाल बहादुर शास्त्री के समय में बनाया गया था। तब से लेकर आज तक हर साल बारिश के महीने में पुल डूब जाता है। पुल डूबने से बडोखर, मानपुर, हंडिया, जियापुर, छनना, चंदापुर, अमिलिया, भोगन, लौवाकोन, टूडियार आदि दर्जनों गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। आम जनता को अस्पताल, स्कूल, कचहरी जाने के लिए 20 किलोमीटर की दूरी तय करने के बजाय 70 किलोमीटर का चक्कर काटकर सोनारी, चाकघाट, नारीबारी, खीरी, लेडियारी होते हुए कोरांव बाजार आना-जाना पड़ रहा है।

देवघाट पुल भी बाढ़ के कारण डूब गया था और अब जर्जर हालत में है। लोक निर्माण विभाग ने इसके मरम्मत के लिए करीब 88 लाख रुपये का स्टीमेट बनाकर राज्य सेतु निगम को भेजा है। धनराशि स्वीकृत न होने तक आवागमन बंद रहेगा। एक साथ देवघाट पुल बंद होने और भोगन पुल में बाढ़ आ जाने से क्षेत्रीय जनता को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।

कई लोगों की जान भी इस पुल पर जा चुकी है। लोगों ने धरना-प्रदर्शन और शिकायत सब कुछ किया, लेकिन कई वर्ष पूर्व बना पुल आज भी वैसा ही है। क्षेत्रीय नेताओं ने इस पर कभी विशेष रुचि नहीं दिखाई। यदि निष्ठा के साथ प्रयास किया होता तो आज यह पुल ऊंचा बन गया होता और जनता को न जान गंवानी पड़ती, न चक्कर काटना पड़ता। यही हाल सड़कों का भी है। धूस मोड़ से हनुमानगंज पैतिहा गांव को जाने वाली मुख्य पीडब्ल्यूडी सड़क पूरी तरह टूट कर उखड़ गई है, जिससे वाहनों के पुर्जे खराब हो रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि हनुमानगंज पैतिहा में मध्य प्रदेश कैडर के एक आईएएस, उत्तर प्रदेश कैडर के एक आईएएस और कई पीसीएस अधिकारी रिटायर हो चुके हैं, फिर भी सड़क की दुर्दशा बनी हुई है। इसी तरह बडोखर से चिरांव मार्ग जो मध्य प्रदेश को जाता है, बंद पड़ा है। बडोखर से मानपुर मार्ग भी पूरी तरह टूट कर उखड़ गया है। जियापुर मानपुर पाल बस्ती में लोगों ने मवेशियों के खूंटे गाड़कर पटरी तक खत्म कर दी है। इस संबंध में मानपुर गांव के विकास सिंह और राहुल सिंह ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत भी की थी, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ।

गोरखपुर में लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

परेशान मत हों, हर समस्या का कराएंगे प्रभावी समाधान : योगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित अनुष्ठान 'जनता दर्शन' का क्रम जारी रखा। रविवार को भी उन्होंने करीब दो सौ लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का आत्मीय भरोसा दिया। उन्होंने लोगों से कहा कि परेशान मत हों, हर शिकायत का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं का समाधान शीघ्रता और पारदर्शिता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रविवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा। उन्हें खूब पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रविवार सुबह जनता दर्शन लगाकर जनसेवा करने के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पारंपरिक दिनचर्या के अनुसार मंदिर की गोशाला में जाकर गोसेवा भी की। मंदिर की गोशाला में रूठे से नजर आ रहे भोलू नाम के एक नंदी को मुख्यमंत्री योगी ने स्नेहिल भाव से खास तौर पर दुलारा। उन्होंने हाथ मे गुड़-रोटी लेकर भोलू को पुकारा और बोले, कैसा हमेशा गुस्से में रहता है। गोसेवा के दौरान मुख्यमंत्री ने भोलू सहित अन्य गोवंश और गायों को रोटी-गुड़ खिलाया।

सीमावर्ती गांवों के बच्चों ने देखा नया भारत

जाना देश का इतिहास, सैन्य परंपरा और तकनीकी प्रगति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारतीय सेना की 'सद्भावना' पहल के तहत कुमाऊं क्षेत्र के सीमावर्ती गांवों के बच्चों के लिए आयोजित पहला 'राष्ट्रीय एकता दौरा' सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 15 दिवसीय दौरे में कुमाऊं के दूर-दराज सीमावर्ती क्षेत्रों से 20 छात्र और दो शिक्षक शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों को देश की सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक संस्थाओं, सैन्य परंपराओं और तकनीकी प्रगति को करीब से जानने-समझने का अवसर मिला।

दल को पिथौरागढ़ से पंचशूल ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर गौतम पठानिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने विद्यार्थियों को इस अनूठे शैक्षिक एवं अनुभवात्मक अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। दौरे का सबसे महत्वपूर्ण अवसर 17 अगस्त को भारत के राष्ट्रपति से विद्यार्थियों की मुलाकात और संवाद रहा। गांवों से पहली बार बाहर निकले कई विद्यार्थियों के लिए यह अनुभव बेहद यादगार रहा। इसके बाद दल ने राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, कर्तव्य पथ, लाल किला सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों और संग्रहालयों का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने नेहरू तारामंडल का भी दौरा किया तथा नेशनल वॉर मेमोरियल में देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इन यात्राओं के माध्यम से उन्हें भारत के इतिहास, संस्कृति, विरासत और सशस्त्र बलों के बलिदान को समझने का अवसर मिला। देहरादून में विद्यार्थियों ने 24 अगस्त को उत्तराखंड के राज्यपाल से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने इंडियन मिलिट्री एकेडमी, राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज और फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट का भ्रमण किया। यहां उन्हें शिक्षा, नेतृत्व, अनुशासन और भारतीय सशस्त्र बलों की कार्यसंस्कृति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

इसके बाद दल बरेली पहुंचा, जहां 25 अगस्त को हेडक्वार्टर उत्तर भारत एरिया के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा, AVSM से मुलाकात कर विद्यार्थियों ने दौरे के अपने अनुभव और सीख साझा की। इसके बाद दल लखनऊ पहुंचा, जहां 27 अगस्त को हेडक्वार्टर सूर्या कमांड में उनका स्वागत किया गया। लखनऊ भ्रमण के बाद दल मुनस्यारी के लिए रवाना हुआ और इसी के साथ राष्ट्रीय एकता दौरे का समापन हुआ। सेना के अनुसार, कई प्रतिभागियों के लिए यह उनके गांवों से बाहर की पहली यात्रा थी। दौरे ने विद्यार्थियों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के साथ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया तथा उनमें देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत किया।

श्री श्री रविशंकर से मिला लखनऊ का प्रतिनिधिमंडल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

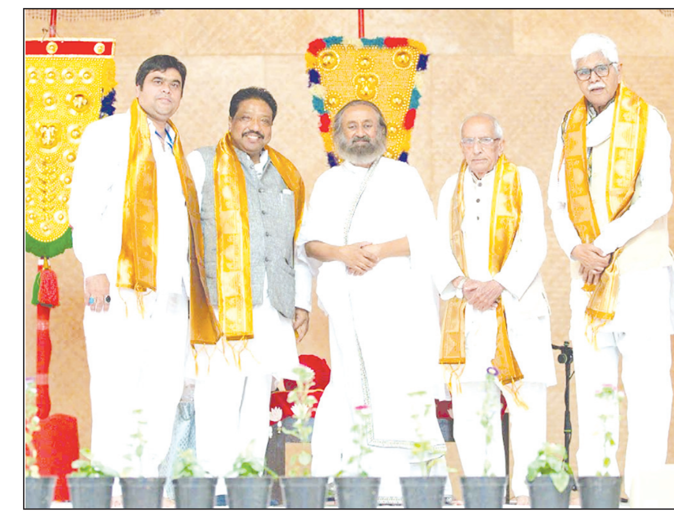

लखनऊ। बैंगलोर स्थित आश्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर से लखनऊ से मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने आत्मीय मुलाकात की। गुरुदेव के आमंत्रण पर पहुंचे प्रतिनिधिमंडल का श्री श्री रविशंकर ने आत्मीय स्वागत करते हुए सभी सदस्यों से संवाद किया।

मुलाकात के दौरान समाज में प्रेम, भाईचारे, आपसी सौहार्द और सद्भाव को मजबूत करने पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल की ओर से श्री श्री रविशंकर को लखनऊ में आयोजित होने वाले एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होने का स्नेहपूर्ण निमंत्रण दिया गया। गुरुदेव ने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए लखनऊ आने की सहमति दी।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर सामाजिक एकता और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देने की दिशा में भी चर्चा हुई।

इस दौरान समाजसेवी अमीर हैदर चाचा, पूर्व विधायक मोईद अहमद, एडवोकेट वसीम सिद्दीकी, एडवोकेट शिकोह मोहम्मद आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

घर में घुसकर नाबालिग किशोरी से दुराचार का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

माता-पिता रक्षाबंधन पर गए थे मायके, किशोरी को अकेला पाकर युवक ने की वारदात; परिजन ने पुलिस पर दो दिन टरकाने का लगाया आरोप

बख्शी का तालाब,लखनऊ : इटौंजा थाना क्षेत्र के एक गांव में रक्षाबंधन के दिन घर में अकेली 14 वर्षीय किशोरी के साथ गांव के ही एक युवक द्वारा जबरन दुराचार किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि किशोरी के माता-पिता रक्षाबंधन पर रिश्तेदारी में गए थे। इसी दौरान मौका पाकर युवक घर में घुस गया और किशोरी को धमकाकर उसके साथ जबरदस्ती की। घटना के दौरान परिवार की एक महिला के पहुंचने पर आरोपी मौके से भाग निकला। पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता के पिता के मुताबिक, वह अपनी पत्नी के साथ रक्षाबंधन के त्योहार पर ससुराल गया था। घर पर उसकी 14 वर्षीय बेटी अकेली थी। आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर गांव का युवक घर में घुस आया और किशोरी को धमकाकर उसके साथ जबरन दुराचार किया। इसी दौरान परिवार की एक महिला वहां पहुंच गई। उसने आरोपी को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया और शोर मचाया। शोर सुनकर आरोपी किशोरी को छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर किशोरी के पिता पत्नी के साथ घर पहुंचे और बेटी से घटना की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने शनिवार सुबह इटौंजा थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पिता का आरोप है कि आरोपी इससे पहले भी उनकी बेटी के साथ कई बार छेड़छाड़ कर चुका था, जिसे लेकर उसे समझाया गया था।

पीड़िता के पिता का आरोप है कि शनिवार को थाने पहुंचने पर उन्होंने हल्का दरोगा से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें वापस भेज दिया गया। रविवार को दोबारा थाने पहुंचने पर अस्पताल में छुट्टी होने का हवाला देकर मेडिकल के लिए अगले दिन आने को कहा गया। बाद में उन्होंने थाना प्रभारी निरीक्षक से शिकायत की, जिस पर कार्रवाई का भरोसा दिया गया।थाना प्रभारी निरीक्षक सोबरन सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खोले जाएंगे बंद विद्यालय : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार बनने पर महाराजा खेत सिंह खंगार के समाज के लोगों को राजनीतिक सम्मान और उचित स्थान देकर उनका मनोबल बढ़ाने का काम किया जाएगा। उन्होंने एक फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार द्वारा प्रदेश में बंद किए जा रहे परिषदीय विद्यालयों का दावा किया और कहा कि सपा सरकार बनने पर बंद स्कूलों को फिर से चालू कराया जाएगा। अखिलेश यादव रविवार को राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ह्लमहाराजा खेत सिंह खंगार जी के समाज के लोगों को मैं भरोसा दिलाता हूं कि जब कभी भी समाजवादी सरकार बनेगी, उन्हें राजनीतिक सम्मान और स्थान देकर उनका मनोबल बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोगों की मांग रही है कि जातीय जनगणना कराई जाए और आबादी के अनुपात में सभी वर्गों को उनका हक और सम्मान मिले। अखिलेश ने कहा उप्र में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही तीन महीने के भीतर जातीय जनगणना कराने का काम किया जाएगा। सपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में लूट और ह्लमहा डकैतीङ्क हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार में हो रही इस लूट को रोककर जो पैसा बचेगा, उसे गरीबों के हित में खर्च किया जाएगा। अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ह्लपूरा देश जानता है कि सीता मां को चुराने वाला भेष बदलकर आया था, इसलिए ऐसे (भाजपा) के लोगों से सावधान रहिए। उन्होंने प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों को बंद किए जाने का भी आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जिन 26 हजार प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने की तैयारी कर रही है, समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर उन्हें फिर से चालू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों के बंद होने से गरीब, ग्रामीण और वंचित परिवारों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी तथा उन्हें शिक्षा के लिए दूर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के बच्चे बड़ी संख्या में पढ़ते हैं।

क्रेडिट कार्ड से 2.97 लाख रुपये की साइबर ठगी, मुकदमा दर्ज

चिनहट लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से करीब 2.98 लाख रुपये पार कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर चिनहट पुलिस ने साइबर क्राइम से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र के अनुसार, धावा स्टेट, देवा रोड चिनहट निवासी अनूप कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने मोबाइल नंबर से संबंधित ऑनलाइन सेवा के लिए प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान साइबर जालसाजों ने उनके क्रेडिट कार्ड से जुड़ी जानकारी का दुरुपयोग करते हुए 28 अगस्त 2026 की रात करीब 9:01 बजे 2,97,730 रुपये निकाल लिए। रकम कटने की जानकारी मिलने पर पीड़ित ने तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 29 अगस्त को उनके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से भी 1,000 रुपये कटने की जानकारी सामने आई। पीड़ित ने पुलिस से रकम वापस दिलाने और साइबर ठगी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चिनहट पुलिस ने मामला रिपोर्ट दर्ज कर, बैंक खातों, लेनदेन और साइबर ठगी से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है

ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर समेत चेन-मोबाइल लूट में नाबालिग गिरफ्तार

मोहनलालगंज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज कस्बे में एक होटल एक समारोह में शामिल होने गए ज्वेलर्स से लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन और गले की चेन लूटने के मामले में फरार चल रहे 17 वर्षीय नाबालिग को मोहनलालगंज पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से नाबालिग को पकड़ा। मामले में पुलिस पूर्व में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज चुकी है।पुलिस के मुताबिक, बीते सात अप्रैल को ज्वेलर्स हेमंत कुमार सोनी ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल फोन और गले की चेन लूट ली गई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह, आर्यन सिंह, विशेष त्रिवेदी उर्फ राज पंडित और निखिल सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। वहीं घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में रविवार को मोहनलालगंज पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से 17 वर्षीय नाबालिग को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, नाबालिग के खिलाफ किशोर न्याय प्रक्रिया के तहत आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एनओसी की मांग को लेकर किसानों का हल्ला बोल, एक सितंबर को वन विभाग कार्यालय का घेराव

नगराम लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के बैनर तले किसानों ने रविवार को कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर बैठक कर 1 सितंबर को वन विभाग कार्यालय मोहनलालगंज के घेराव का ऐलान किया। मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे किसान माताओं-बहनों के साथ कुबहरा में एकत्र होकर वन विभाग कार्यालय पहुंचेंगे। किसानों की मांग गांव सभा की सड़कों के लिए वन विभाग से एनओसी जारी कराने की है। किसानों ने चेतावनी दी कि एनओसी जारी होने तक कार्यालय पर धरना जारी रहेगा। जनसंपर्क अभियान में प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव, जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गाली-गलौज के बाद मारपीट, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। न्यायालय के आदेश पर नगराम पुलिस ने कल्याणखेड़ा गांव में गाली-गलौज और मारपीट के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार घटना 4 मार्च 2026 की है, जब हवलदार शुक्ला पुत्र रामकुमार निवासी कल्याणखेड़ा के साथ विवाद के दौरान गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई। पीड़ित की शिकायत पर न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय, लखनऊ के आदेश के क्रम में नगराम थाने में एनसीआर-13/2026 को तरमीम करते हुए मुकदमा संख्या 133/2026 धारा 115(2)/352 बीएनएस के तहत अरविन्द, वेवी और नन्हू पुत्रगण रामगनेश, निवासी कल्याणखेड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक हिमांशु पाण्डेय को सौंपी गई है। पुलिस ने मुकदमे से संबंधित अभिलेख विवेचक को उपलब्ध करा दिए हैं और अग्रिम विवेचनात्मक कार्रवाई जारी है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना राष्ट्र निर्माण का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा बख्शी का तालाब क्षेत्र के खरगापुर स्थित बूथ संख्या 454 पर रविवार को भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक रूप से श्रवण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण, जनसेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और देश के विकास से जुड़े विचारों को कार्यकर्ताओं ने ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं चिनहट मंडल प्रवासी अमरेन्द्र भारद्वाज, मंडल अध्यक्ष विनोद चौबे, मंडल उपाध्यक्ष ताराचंद रावत, सुखदेव विश्वकर्मा, आलोक रावत, हर्ष रावत, राम प्रकाश रावत, लाल बहादुर रावत और सुनील श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। इससे जनभागीदारी और समाजहित में किए जा रहे सकारात्मक कार्यों को भी बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के अंत में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने, जनसेवा को प्राथमिकता देने और बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सपा सरकार बनी तो खुलेगा 100 बेड का अस्पताल और गर्ल्स डिग्री कॉलेज : रोमेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी लखनऊ। मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और बेटियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता रोमेश कुमार गौतम ने बड़ा विकास संकल्प सामने रखा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर मलिहाबाद क्षेत्र में 100 बेड का आधुनिक अस्पताल और गर्ल्स डिग्री कॉलेज खोलने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। रोमेश कुमार गौतम ने कहा कि मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र की बड़ी आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है। स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं के समय लोगों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे क्षेत्रों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में क्षेत्र में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस 100 बेड का अस्पताल स्थापित होना आम जनता के लिए बड़ी राहत साबित होगा। उनका प्रयास होगा कि अस्पताल में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के साथ शिक्षा भी क्षेत्र के विकास की सबसे बड़ी जरूरत है। विशेष रूप से बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए कई बार अपने गांव और क्षेत्र से दूर जाना पड़ता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए मलिहाबाद में गर्ल्स डिग्री कॉलेज स्थापित कराने का संकल्प लिया गया है। कॉलेज खुलने से क्षेत्र की छात्राओं को अपने आसपास ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और अभिभावकों पर भी अतिरिक्त आर्थिक एवं सामाजिक दबाव कम होगा। बेटियों की शिक्षा को विकास की प्राथमिकता बताया रोमेश कुमार गौतम ने कहा कि किसी भी क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है। जब वहां की बेटियों और युवाओं को शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि बेटियों को उच्च शिक्षा मिलने से परिवार के साथ-साथ पूरा समाज मजबूत होता है। इसलिए मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र में छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर पैदा करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना, ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना और आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे। 2027 को विकास की नई शुरुआत का वर्ष बनाने की अपील रोमेश कुमार गौतम ने क्षेत्र की जनता से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा कि आने वाला समय मलिहाबाद के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मऊ में गूंजी 'संविधान बचाओ आरक्षण बचाओ' की हुंकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विधानसभा मोहनलालगंज के ग्रामसभा मऊ स्थित कोहिनूर लॉन में रविवार को समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर वाहिनी की ओर से 'संविधान बचाओ, आरक्षण बचाओ' पीडीए पंचायत का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर के नेतृत्व में हुई पंचायत में मुख्य अतिथि अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। मिठाई लाल भारती ने कहा कि बाबा साहब का संविधान हर नागरिक को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की ताकत देता है। संविधान बचेगा तो आरक्षण भी बचेगा। उन्होंने कहा कि सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं से 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा को मजबूत करने का आह्वान किया। पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि किसान, मजदूर, नौजवान, छात्र, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समेत हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का आह्वान किया। पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत ने की और संचालन राष्ट्रीय सचिव संतोष रावत ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष राज किशोर रावत उर्फ राजू, देवकली प्रसाद रावत, उमाशंकर वर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ रेलवे स्टेशन ने पूरे किए 100 गौरवशाली वर्ष

लखनऊ मंडल ने भव्य समारोह के साथ मनाया 'स्टेशन महोत्सव'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने रविवार को ऐतिहासिक एवं प्रतिष्ठित लखनऊ रेलवे स्टेशन के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'स्टेशन महोत्सव' का आयोजन किया। चारबाग रेलवे स्टेशन ने गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण करते हुए भारतीय रेल की समृद्ध विरासत, विशिष्ट स्थापत्य कला तथा राष्ट्र की सेवा में अपने योगदान की गौरवपूर्ण यात्रा को रेखांकित किया।

रेलवे बोर्ड द्वारा भारतीय रेल के चयनित विरासत स्टेशनों पर उनकी स्थापना/प्रारंभ की तिथि के अनुरूप 'स्टेशन महोत्सव ऽ Birthday Celebrations of Stations' आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत विभिन्न रेलवे जोनों/राज्यों में 103 विरासत स्टेशनों को चिन्हित किया गया इन स्टेशनों पर स्थानीय इतिहास, संस्कृति एवं जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

समारोह का आयोजन लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक सुनील कुमार वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के दौरान चारबाग रेलवे स्टेशन की वर्ष 1926 से अब तक की ऐतिहासिक यात्रा, विशिष्ट स्थापत्य विरासत एवं भारतीय रेल में इसके महत्व को प्रदर्शित करने वाली लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसके उपरांत लखनऊ मंडल के समर्पित एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को विरासत संरक्षण, स्वच्छता एवं यात्री सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

समारोह के अगले क्रम में मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीयों द्वारा महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत 'जन गण मन' की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को और प्रबल किया। स्टेशन परिसर में रैली का आयोजित भी किया गया। गांधी पार्क में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी आयोजित किया गया। शताब्दी समारोह के अवसर पर गांधी पार्क में हीलियम गुब्बारा स्थापित किया गया। यात्रियों एवं आमजन को चारबाग स्टेशन की ऐतिहासिक विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से प्लेटफार्म संख्या एक पर ऐतिहासिक छायाचित्रों एवं विरासत उपकरणों की विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी में स्टेशन के विभिन्न ऐतिहासिक पड़ावों एवं भारतीय रेल की गौरवशाली यात्रा को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर चारबाग रेलवे स्टेशन के प्रथम पोर्टिको एवं अन्य प्रमुख क्षेत्रों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। स्टेशन के ऐतिहासिक भवन की विशेष स्थापत्य एवं फसाड लाइटिंग, फ़ेयरी लाइट्स, गांधी पार्क का सौंदर्यीकरण तथा वहां स्थापित विंटेज/स्टीम इंजन की लाइटिंग की गई, जिससे स्टेशन का ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप और अधिक आकर्षक दिखाई दिया। लखनऊ रेलवे स्टेशन की 100 वर्षों की यह गौरवशाली यात्रा केवल एक भवन या स्टेशन की यात्रा नहीं, बल्कि लखनऊ की ऐतिहासिक पहचान और भारतीय रेल की समृद्ध विरासत का अभिन्न अध्याय है।

कानूनगो की पैमाइश पर उठे सवाल रकबे से अधिक भूमि देने का आरोप

कानूनगो की पैमाइश पर उठे सवाल, रकबे से अधिक भूमि देने व खेत में धान की लगी फसल नष्ट कर मेड़ बांधने का आरोप

डीएम को प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तंबौर/लहरपुर, सीतापुर। ग्राम बसंतापुर में भूमि की पैमाइश को लेकर राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए हैं। गांव निवासी चंद्र कुमार ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कानूनगो सुंदरलाल पर गलत पैमाइश कर अभिलेखीय रकबे से अधिक भूमि दिए जाने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार ग्राम बसंतापुर स्थित गाटा संख्या 453 राजस्व अभिलेखों में राकेश कुमार पुत्र नंद कुमार आदि के नाम दर्ज है, जिसका रकबा 0.1430 हेक्टेयर अंकित बताया गया है। आरोप है कि पैमाइश के दौरान कानूनगो द्वारा मौके पर 0.1748 रकबा भूमि दिया गया जो अभिलेख में अंकित रकबा से ज्यादा है

शिकायतकर्ता के मुताबिक पैमाइश में दक्षिण मेड़ 28 मीटर, उत्तर मेड़ 18 मीटर तथा पूरब और पश्चिम मेड़ 76-76 मीटर नापी गई। चंद्र कुमार का आरोप है कि उनकी गैरमौजूदगी में पैमाइश की गई, जिससे प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह उत्पन्न हो रहा है।

शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से राजस्व अभिलेखों के आधार पर दोबारा निष्पक्ष पैमाइश कराए जाने तथा मामले की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की मांग की है। अब देखना है कि प्रशासन शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

बारिश ने खोली विकास के दावों की पोल जलभराव से घरों में घुसा पानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। थोड़ी सी बारिश ने सीतापुर नगर में विकास कार्यों और जल निकासी की व्यवस्थाओं के दावों की हकीकत सामने ला दी। नगर के कई मोहल्लों में जलभराव की समस्या से स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मोहल्ला पूर्णागिरि समेत अन्य इलाकों में भी जलभराव की शिकायतें सामने आती रही हैं।

सबसे चिंताजनक स्थिति मोहल्ला आजाद नगर-बिजवार में देखने को मिली, जहां बारिश के बाद पानी घरों में भर गया। घरों में पानी पहुंचने से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना रहा और लोग मदद की उम्मीद में जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से संपर्क करते रहे।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह नगरपालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नमीन्द्र अवस्थी को जलभराव की समस्या से अवगत कराया गया। उन्होंने स्थिति की

तस्वीरें व्हाट्सऐप पर भेजने को कहा। तस्वीरों के माध्यम से स्थिति से अवगत कराने के बाद भी स्थानीय लोगों का आरोप है कि मौके पर किसी प्रकार की तत्काल मदद नहीं पहुंची। शाम को दोबारा फोन के माध्यम से समस्या बताई गई तो कथित तौर पर अभिषेक सेठ का नंबर उपलब्ध कराया गया, लेकिन स्थानीय लोगों के अनुसार फोन पर संपर्क नहीं हो सका। वहीं, स्थानीय सभासद से बात करने पर उन्होंने अपनी मजबूरी बताते हुए कहा कि वे प्रयास कर रहे हैं, लेकिन ठेकेदार उनका फोन नहीं उठा रहा है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि जब

आजाद नगर-बिजवार में बारिश के बाद दहशत, मदद के लिए जिम्मेदारों को फोन करते रहे लोग

बारिश के दौरान नाले-नालियों और जल निकासी की व्यवस्था इस तरह जवाब दे देती है, तो आम नागरिक अपनी समस्या लेकर आखिर किसके पास जाए?

नगर में सड़क, नाला-नाली और जल निकासी के कार्यों पर हर वर्ष बड़े बजट खर्च होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन बारिश के दौरान सामने आने वाली तस्वीरें इन दावों पर सवाल खड़े कर रही हैं। अब जरूरत सिर्फ कागजों पर विकास दिखाने की नहीं, बल्कि धरातल पर ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करने की है जिससे बारिश में लोगों के घर जलमग्न न हों।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और नगरपालिका प्रशासन से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने तथा प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

आकाशवाणी लखनऊ पर गूंजेगा बिसवां के साहित्यकार संदीप मिश्र 'सरस' का अवधी काव्यपाठ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रतिष्ठित आकाशवाणी केंद्र लखनऊ में गत दिवस 'लोकायतन' कार्यक्रम में ''लोकभाषा कवि गोष्ठी'' की रिकॉर्डिंग हुई। जिसमें साहित्यकार सन्दीप मिश्र ''सरस'' के साथ बाराबंकी के जगन्नाथ दीक्षित निर्दोष और लखीमपुर की कवयित्री उपासना भी सम्मिलित रहीं। काव्य गोष्ठी का संचालन संदीप मिश्र सरस ने किया। रेडियो के लोकप्रिय कार्यक्रम 'लोकातयन' में 30 अगस्त 2026 दिन रविवार को शाम 6 बजकर 30 मिनट से आकाशवाणी लखनऊ पर इस कार्यक्रम का प्रसारण होगा। इसे मीडियम वेव 747 किलो हर्टज या द्वदृबप धद्ब थद्ब- ऐप पर सुना जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 'साहित्य सृजन संस्थान' के संस्थापक/अध्यक्ष संदीप मिश्र 'सरस', साहित्य की विभिन्न विधाओं में अपने लेखन से निरंतर सक्रिय अवदान देते रहे हैं और अपने चर्चित कॉलम

विमर्श, संवाद, बेबाक, कलमकार, रचनाकर, सृजन के सारथी, आदि के माध्यम से तमाम प्रतिष्ठित साहित्यकारों, नवोदित प्रतिभाओं से संवाद करते रहते हैं। उन्होंने बिसवां क्षेत्र की बौद्धिक समृद्धता के लिए ''साहित्य सृजन संस्थान'' द्वारा ''सृजन पुस्तकालय'' की स्थापना की है। उनके लेखन में एकता और राष्ट्रवादी चेतना के समसामयिक स्वर हैं वहीं दूसरी ओर घर आंगन के रिश्तो की

आकाशवाणी लखनऊ के लोकप्रिय कार्यक्रम लोकायतन में होगा बिसवां के साहित्यकार सन्दीप मिश्र 'सरस' के अवधी काव्यपाठ का प्रसारण

आत्मीयता और सभ्यता संस्कृति की संवेदना से जुड़ा प्रभावी सृजन है। वे अपनी रचनाधर्मिता में जन सरोकारों से सीधा संवाद करते हैं और उनकी रचनाओं में ग्राम्य संस्कृति, पर्यावरण, जन जागरूकता के संदर्भों की चेतना सदैव जीवंत रहती है। उनकी पुस्तक 'कुछ गजलें कुछ गीत हमारे' बेहद सराही गयी और कई महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशन के क्रम में हैं। देश की तमाम प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में उनकी रचनाएं प्रकाशित होती रहती है। न्यूज18, आकाशवाणी व दूरदर्शन लखनऊ से उनके काव्य पाठ का प्रसारण होता रहता है।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद्र की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया गया।कॉलेज के प्रबंधक आमिर रिजवी साहब विद्यार्थी जीवन में हॉकी के अच्छे खिलाड़ी होने के अनुभव की चर्चा करते हुए मेजर ध्यान चंद्र के बारे में बहुत सारे संस्मरण सुनाए,इसी के साथ कॉलेज के छात्र छात्राओं ने भी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद्र के जुड़े इतिहास पर छात्रों को विस्तृत जानकारी दी।उक्त कार्यक्रम कॉलेज के राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक एवं कॉलेज के प्रशासक होने के नाते कार्यक्रम का सफल संचालन किया।कार्यक्रम में कॉलेज की सह प्रबंधक श्रीमती लुबना रिजवी,प्रधानाचार्य अवस्थी जी,एवं श्वेता मेम तथा उप प्रधानाचार्य के बी श्रीवास्तव कोआर्डिनेटर ज्योति मेम,अलका मेम एवं रेहान जी का सराहनीय योगदान रहा।

राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में अमेठी की दो बालिकाएं करेंगी प्रतिभाग

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद अमेठी की कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय अमेठी एवं संग्रामपुर की दो प्रतिभाशाली छात्राओं ने शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिये चयनित होकर जनपद का गौरव बढ़ाया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय अमेठी की छात्रा श्रेया अंडर चौदह वर्ग एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय संग्रामपुर की छात्रा नीतू अंडर वर्ग सत्रह ने जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं चयन ट्रायल में प्रथम स्थान प्राप्त कर दोनों बालिकाओं ने राज्य स्तर पर अपनी जगह सुनिश्चित की है। बीएसए संजय तिवारी ने बताया कि आगामी इकतीस अगस्त से सात सितम्बर तक राज्य स्तरीय ट्रायल तथा आठ से ग्यारह सितम्बर तक राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता जनपद अलीगढ़ में प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि यह दोनों छात्राएं अपनी वार्डन कम शिक्षिका सीमा मिश्रा के साथ अलीगढ़ के लिये रवाना हो गई है।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय तिवारी एवं जिला समन्वयक बालिका शिक्षा श्याम सुंदर श्रीवास्तव सहित शिक्षा विभाग एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय परिवार ने दोनों बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुये उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की। उन्होंने बताया कि शिक्षा के साथ खेलों में भी बेटियां अमेठी का मान बढ़ा रही है।

मुरादाबाद में निकली अखंड भारत संकल्प यात्रा बाइक रैली

मुरादाबाद । अखंड भारत संकल्प समिति के तत्वावधान में रविवार को मुरादाबाद महानगर में अखंड भारत संकल्प यात्रा बाइक रैली का आयोजन हुआ। समिति के अध्यक्ष रचित शर्मा ने बताया कि अखंड भारत संकल्प यात्रा बाइक रैली का का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता, देशभक्ति और नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। इसमें नशा मुक्ति, शिक्षा, साइबर अपराध को लेकर जागरूकता, स्वच्छता, यातायात अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों का संदेश दिया गया। अखंड भारत संकल्प यात्रा बाइक रैली का खुशहालपुर रोड स्थित च्वाइस बैंक्विट हॉल से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई स्टेशन रोड स्थित इंपीरियल तिराहे पर जाकर संपन्न हुई। इस मौके पर रचित शर्मा, इंग्लेश शर्मा, डॉक्टर विशेष गुप्ता, ओम प्रकाश शास्त्री आदि सैकड़ों युवा उपस्थित रहे।

12 सितंबर को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत सुलह-समझौते से निस्तारित होंगे वाद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश आशीष जैन के आदेशानुसार एवं सचिव अलोक यादव के निर्देशन मे 12 सितंबर 2026, शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में कोतवाली लहरपुर में पीएलवी रहमत अंसारी ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य एवं लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय परिसर के साथ-साथ जनपद के समस्त बाह्य न्यायालयों एवं तहसील स्तर पर भी किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम के मामले, बैंक वसूली, मोटर दुर्घटना

प्रतिकर, पारिवारिक एवं श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जल बिल, राजस्व, किराया, सुखाधिकार, विशिष्ट अनुतोष तथा बैंकों के प्री-लिटिगेशन मामलों सहित विभिन्न सुलह योग्य मामलों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर किया जाएगा।

पीएलवी रहमत अंसारी ने आम जनमानस एवं वादकारियों से अपील की कि वे अपने सुलह योग्य मामलों को संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रस्तुत कर राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से समय, धन और ऊर्जा की बचत के साथ त्वरित एवं सरल न्याय प्राप्त किया जा सकता है।

मितौली के पिपरझला क्षेत्र में Airtel-जियो नेटवर्क ध्वस्त, उपभोक्ता परेशान

लखीमपुर खीरी । मितौली क्षेत्र के पिपरझला और आसपास के गांवों में इद्बन्द्द्य और ख्द्धध मोबाइल नेटवर्क की खराब स्थिति से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि महंगे रिचार्ज कराने के बावजूद मोबाइल नेटवर्क ठीक से काम नहीं कर रहा है। कई बार स्थिति ऐसी बन जाती है कि एक-दो घंटे तक कॉलिंग और इंटरनेट सेवा भी सुचारु रूप से नहीं चलती। ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल कंपनियां लगातार रिचार्ज की कीमत वसूल रही हैं, लेकिन इसके बावजूद नेटवर्क सेवा में सुधार नहीं हो रहा है। इंटरनेट चलाने के लिए उपभोक्ताओं को बार-बार स्थान बदलना पड़ता है, जबकि जरूरी फोन कॉल करने में भी दिक्कत होती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नेटवर्क की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित कंपनियों की ओर से इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। ग्रामीणों ने इद्बन्द्द्य और ख्द्धध के अधिकारियों से क्षेत्र में नेटवर्क की तकनीकी जांच कराकर टावर एवं नेटवर्क क्षमता बढ़ाने की मांग की है। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब कंपनियां रिचार्ज का पूरा पैसा ले रही हैं तो उन्हें बेहतर और भरोसेमंद सेवा भी मिलनी चाहिए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द नेटवर्क व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो उपभोक्ता सामूहिक रूप से शिकायत दर्ज कराने को मजबूर होंगे। द्वटइक्र के अनुसार, नेटवर्क संबंधी शिकायत पहले संबंधित टेलीकॉम कंपनी के शिकायत केंद्र में दर्ज करानी होती है। शिकायत का समाधान संतोषजनक न होने पर कंपनी की अपीलीय प्राधिकरण व्यवस्था में अपील की जा सकती

सीढ़ी पर बैठा युवक अचानक गंगा में समाया, एसडीआरएफ ने चलाया तलाशी अभियान

मीरजापुर । विंध्याचल थाना क्षेत्र के कंतित गांव स्थित फुटही सीढ़ी घाट पर रविवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब सीढ़ी पर बैठे एक युवक का अचानक पैर फिसला और वह गंगा की तेज धारा में समा गया। सूचना मिलते ही विंध्याचल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कर दी। देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।

मान्यता पर सवाल, तीन दिन में दस्तावेज तलब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जेल रोड स्थित छावनी सरकार के ज्योति विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल की मान्यता अब प्रशासनिक जांच के घेरे में है।विद्यालय की मान्य ता से जुड़े मानकों और अभिलेखों पर उठे सवालों को जिलाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए तीन सद स्यीय जांच समिति गठित कर दी है।समिति विद्या लय में मान्यता की निर्धारित शर्तों का मौके पर सत्यापन कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी।

मामले में अपर उप जिलाधिकारी (द्वितीय) बृजेश वर्मा ने विद्यालय के प्रधानाचार्य और प्रबंधक को नोटिस जारी कर महज तीन दिन के भीतर मान्य ता से संबंधित सभी अभिलेखीय साक्ष्य पेश करने के निर्देश दिए हैं।कार्रवाई जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पत्र के आधार पर शुरू हुई है।जांच समिति में अपर उप जिलाधिकारी (द्वितीय),जिला विकास अधिकारी और राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य को शामिल किया गया है।समिति यह भी परखेगी कि विद्यालय मान्यता के लिए निर्धा रित मानकों और शर्तों को वास्तव में पूरा करता है या नहीं।

नजूल भूमि का मामला पहले से न्यायिक पेंच में

विद्यालय के नजूल भूमि पर संचालित होने को लेकर मामला पहले से विवादों में रहा है।बीते दिनों इस प्रकरण में देवीपाटन मंडल की आयुक्त दुर्गा श क्ति नागपाल के खिलाफ हाईकोर्ट द्वारा आपराधि क अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की बात सामने आई थी।ऐसे में अब विद्यालय की मान्यता की प्रशासनिक जांच ने पूरे प्रकरण को और गंभीर बना दिया है।

नोटिस पहुंचाने में भी प्रशासन सख्त

जिला प्रशासन ने नोटिस की तामीली को भी औपचारिकता तक सीमित नहीं रखा है।तहसील दार सदर को निर्देश दिया गया है कि विद्यालय प्रबं धन को व्यक्तिगत रूप से नोटिस तामील करा कर हस्ताक्षरयुक्त तामीला आख्या उपलब्ध कराई जाए अब नजर इस बात पर है कि विद्यालय प्रबंधन ती न दिन की समय-सीमा में मान्यता से जुड़े कौन-कौ न से दस्तावेज प्रस्तुत करता है और जांच समिति के सत्यापन में विद्यालय निर्धारित मानकों पर कि तना खरा उतरता है।

ज्योति विद्या मंदिर की मान्यता की जांच करेगी तीन सदस्यीय कमेटी

नजूल भूमि पर विद्यालय को लेकर पहले से उठ रहे सवाल

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने किया कृषि विज्ञान केंद्र कटिया का दौरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, उप महानिदेशक डॉ. राजर्षि कुमार गौड एवं वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. रिन्नी सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र, कटिया का विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों की टीम ने केंद्र पर प्रदर्शित विभिन्न आधुनिक कृषि तकनीकियों का गहन अवलोकन किया और कार्यरत वैज्ञानिकों व वहां मौजूद कृषि छात्रों से सीधा संवाद कर उनके कार्यों की प्रगति जानी। दौरे के दौरान महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने केंद्र के क्रॉप कैफिटेरिया का विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने वहां प्रदर्शित धान की फोर्टिफाइड प्रजातियों के प्रदर्शन को किसानों की आय संवर्धन और पोषण सुरक्षा के लिए बेहद सहायक मानते हुए उसकी सराहना की। इसके साथ ही, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में केंद्र द्वारा धान की फसल में मीथेन गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए किए जा रहे विशेष अनुसंधान कार्यों की भी खुलकर प्रशंसा की।इसके उपरांत, ठग्एइट की उच्चस्तरीय

टीम ने केंद्र पर संचालित अन्य तकनीकी इकाइयों का भी जायजा लिया। इस क्रम में अधिकारियों ने मोटे अनाजों की प्रसंस्करण इकाई, मखाना उत्पादन, मत्स्य बीज बैंक, एकीकृत फसल प्रणाली मॉडल, मदर ऑर्चर्ड, अमरूद में 'इस्पैलियर सिस्टम' तथा छत पर बागवानी (रूफटॉप गार्डनिंग) तकनीक का बारीकी से अवलोकन किया। इन सभी मॉडलों को स्थानीय किसानों के लिए बेहद उपयोगी और व्यावहारिक पाया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, कटिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दया एस. श्रीवास्तव, वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह एवं डॉ. शुभम सिंह राठौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही, केंद्र पर व्यावहारिक प्रशिक्षण ले रहे इंटीग्रल विश्वविद्यालय के कृषि स्नातक के 'रावे' (- ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव) कार्यक्रम के विद्यार्थी भी मौजूद रहे, जिनसे अधिकारियों ने कृषि क्षेत्र में उनके अनुभवों को लेकर चर्चा की।

साइबर सेल ने ऑनलाइन ठगी के पीड़ित को वापस कराई 02 लाख से अधिक की धनराशि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना साइबर क्राइम टीम ने ऑनलाइन ठगी के पीड़ित को 02 लाख 18 हजार 53 रूपए की धनराशि वापस कराई है। दरअसल, थाना सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला रामनगर कालोनी निवासी हिमांशु मोंगा के वाट्सएप पर आनलाइन धोखाधड़ी एपीके फाइल का मैसेज आया था। जिसको हिमांशु ने इंस्टाल कर लिया। इसके बाद हिमांशु को मोबाइल फोन हैक हो गया और उसके एकाउंट से 06 लाख 54 हजार 233 रूपये कट गए। हिमांशु ने ऑनलाइन धोखाधड़ी की सूचना पुलिस को दी। हिमांशु की तहरीर पर थाना साइबर क्राइम पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। साइबर क्राइम टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रश्नगत घटना में प्रयुक्त दो क्रेडिट कार्ड को होल्ड कराया और हिमांशु के कुल 02 लाख 18 हजार 53 रूपये वापस कराए। साइबर टीम आगे की कार्रवाई रही है, ताकि पीड़ित के बाकी रूपए भी जल्द वापस कराए जा सकें। वहीं, आनलाइन ठगी के 02 लाख से अधिक रूपए वापस मिलने पर पीड़ित हिमांश मोंगा ने पुलिस की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। शाहजहांपुर पुलिस की लोगों से अपील है कि जागरूक और सतर्क रहें, ताकि साइबर अपराध से सुरक्षित रहें। साइबर अपराध होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल करें अथवा अपनी शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज कराएं।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला 24 घंटे में दो आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में लगी गोली

इंस्पेक्टर क्राइम भी बाल-बाल बचे एक आरोपी फरार

सुल्तानपुर। पुरानी रंजिश के चलते युवक को गोली मारकर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। शनिवार देर रात रामपुर नहर तिराहे के पास हुई मुठभेड़ में पुलिस की जवाबी कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी मोतिगरपुर में भर्ती कराया गया है। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर एक आरोपी मौके से फरार हो गया। मुठभेड़ के दौरान बदमाशों की ओर से की गई फायरिंग में मोतिगरपुर थाने के इंस्पेक्टर क्राइम चंद्रभान वर्मा के बाएं कंधे को छूते हुए गोली निकल गई। वह बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार, मोतिगरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात पुरानी रंजिश को लेकर विपिन सिंह पुत्र इंद्रसेन सिंह पर गोली मारकर जानलेवा हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल विपिन को प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर किया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में विपिन के चाचा दान बहादुर सिंह की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी सहित दो अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को निर्देश दिए थे। पुलिस के मुताबिक शनिवार रात सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी दो बाइकों से कहीं जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने रामपुर नहर तिराहे के पास घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुड़हा निवासी शिवम सिंह पुत्र स्व. अवधेश सिंह के दाहिने पैर और रतन निषाद पुत्र श्रीराम निषाद के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने इनके साथ सत्यम गौतम पुत्र पंकज कुमार निवासी मुड़हा को भी गिरफ्तार किया है। वहीं बरियापुर, दोस्तपुर निवासी रमन पुत्र भगवान दीन अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुड़हा निवासी शिवम सिंह और इंद्रसेन सिंह के परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद और रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते विपिन सिंह को निशाना बनाए जाने की बात सामने आई है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश के साथ ही हमले में शामिल अन्य लोगों और वारदात के पीछे की पूरी वजह की जांच कर रही है। घायल आरोपियों का सीएचसी मोतिगरपुर में उपचार कराया जा रहा है।

अजय प्रताप सिंह का सिंधौली दौरा, सुनी समस्याएं, समाधान करने का दिलाया भरोसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव ने आज तिलहर विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड सिंधौली के ग्रामों का दौरा किया। इस दौरान उन्हें सिंधौली क्षेत्र के गांव महाऊ दुर्ग निवासी राम सेवक की नदी में डूबकर हुई मौत की सूचना मिली। वो मृतक के परिजनों से मिले और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया तथा उनकी हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया। इसके अलावा सिंधौली में गफूर अहमद के मकान के पास पीडब्ल्यूडी द्वारा कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य के कारण मकान गिर गया था, वहां पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और मौके पर ही एसडीएम और एडीएम से फोन पर वार्ता कर पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता और सहयोग करने के लिए कहा। जिस पर अधिकारियों ने पीड़ित की सहायता करने का आश्वासन दिया। इसके बाद अजय प्रताप सिंह यादव विकासखंड सिधौली क्षेत्र के गांव बबौरी स्थित पंचायत घर, ग्राम पिलखना में ग्राम प्रधान अमर सिंह यादव के आवास पर, मुड़िया पमार गांव में राहुल गुप्ता के आवास पर और भुड़िया गांव में आयोजित चौपाल में शामिल हुए। जहां उन्होंने ग्रामीणों से सीधे वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं का निस्तारण तथा पात्रों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का भरोसा दिलाया। इस दौरान नियामतपुर ग्राम प्रधान अभय यादव, भटपुरा रसूलपुर ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता सहित अन्य संबंधित ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे।

निषाद बस्ती में 'मिशन ज्ञानदीप' की लौ, 44वें सप्ताह बच्चों को मिला ज्ञान का पाठ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। निषाद बस्ती, बल्लीपुर में शिक्षा की अलख जगाने के उद्देश्य से घर सुल्तानपुर फाउंडेशन की ओर से चलाए जा रहे मिशन ज्ञानदीप का 44वां सप्ताह उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। अभियान के तहत बच्चों को पढ़ाई के साथ नैतिक और व्यवहारिक ज्ञान भी दिया जा रहा है। सत्र में बच्चों को महीनों और दिनों के नाम, वर्ष व ऋतुओं की जानकारी के साथ गुणा-भाग का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा अच्छे व्यवहार, अनुशासन, आपसी सम्मान और दैनिक जीवन में उपयोगी नैतिक मूल्यों की सीख दी गई।शैक्षिक गतिविधियों में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया और सीखी गई बातों का अभ्यास किया। फाउंडेशन का उद्देश्य ऐसे बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाना है, जिन्हें नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक संसाधन सहज उपलब्ध नहीं हो पाते।कार्यक्रम में सचिन सिंह,आकाश रंजन सिंह, नितिन मिश्रा और राघवेंद्र सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने का प्रयास किया।

जानलेवा हमले का वांछित अभियुक्त तमंचा-कारतूस समेत गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना तिलहर पुलिस टीम ने मारपीट और फायरिंग करने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त देशी तमंचा और कारतूस भी बरामद किया।

बीती 02 जून 2026 को थाना तिलहर क्षेत्र के मोहल्ला केलरगंज निवासी सुमन गंगवार ने तहरीर देकर मोहल्ले के ही रेशू गुप्ता पर मारपीट और हत्या का प्रयास आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सुमन का आरोप था कि रेशू गुप्ता ने पुरानी रंजिश के चलते उसके पुत्र देव गंगवार को रास्ते में रोका, उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की तथा हवाई फायर किया। इसके बाद आरोपी रेशू गुप्ता उसके घर पर आया और जान से मारने की नीयत से सीधा फायर किया। इस मामले में रेशू गुप्ता उर्फ रिशु गुप्ता वांछित चल रहा था। आज थाना तिलहर पुलिस ने मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त रेशू गुप्ता को उसके घर से गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने घटना में प्रयुक्त एक देशी तमंचा और एक जिन्दा कारतूस बरामद किया। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेशकर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए अभियुक्त रेशू गुप्ता पर पूर्व में थाना तिलहर में कई अपराधिक मामले दर्ज है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना तिलहर के प्रभारी निरीक्षक प्रभाष चन्द्र, एसआई देवेश कुमार, कांस्टेबल अनिल कुमार और तुषान्त चौधरी शामिल रहे।

पुलिस अभिरक्षा से अभियुक्त फरार मामले में बड़ी कार्रवाई, नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

एसपी विनीत जायसवाल के निर्देश पर कई टीमें तलाश में जुटीं

सुल्तानपुर। बीती शाम पुलिस अभिरक्षा से अभियुक्त के फरार होने के मामले में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने तत्काल सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। मामले में नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार अभियुक्त की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर सघन अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि धनपतगंज से लाया गया अभियुक्त वसीक बीती शाम जेल ले जाते समय गभड़िया जेल रोड के पास पुलिस को चकमा देकर अभिरक्षा से फरार हो गया था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और वरिष्ठ अधिकारियों ने तत्काल मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए। सूत्रों के अनुसार देर शाम ही पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए थे। इसके बाद पुलिस ने फरार अभियुक्त की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ ही विभिन्न स्थानों पर सघन चेकिंग और तलाश अभियान शुरू कर दिया है।

लापरवाही पर गिर सकती है गाज -मामले में पुलिस अभिरक्षा की जिम्मेदारी निभा रहे कर्मियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही या कर्तव्य में चूक सामने आती है तो संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई हो सकती है। एसपी की त्वरित कार्रवाई के बाद माना जा रहा है कि आज शाम तक मामले में बड़ी कार्रवाई सामने आ सकती है। फिलहाल पुलिस की कई टीमें फरार अभियुक्त को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, जिम्मेदारों के मौके पर न पहुंचने को लेकर चर्चाएं

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । घुंघचाई थाना गेट पर साले और बहनोई के बीच मारपीट का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया वीडियो में एक महिला दोनों पक्षों के बीच हाथ जोड़कर विवाद शांत कराने का प्रयास करती नजर आ रही है बताया जा रहा है कि तीन-चार दिन पुराने इस मामले में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद पति ने पत्नी के साथ मारपीट कर दी बहन को पिटता देख वहां से गुजर रहे उसके भाई ने विरोध किया, जिसके बाद साले-बहनोई में कहासुनी और मारपीट शुरू हो गई महिला कभी भाई तो कभी पति के सामने हाथ जोड़कर झगड़ा रोकने का प्रयास करती रही थाना गेट पर काफी देर तक विवाद होने के बावजूद जिम्मेदारों के मौके पर न पहुंचने की चर्चा क्षेत्र में बनी हुई है वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं

धार्मिक जुलूस पर टिप्पणी मामले में पुलिस ने किशोर को समझाकर छोड़ा शिकायत के बाद कोतवाली बुलाकर हुई पूछताछ, पुलिस की पहल से टला संभावित विवाद

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर में निकाले गए धार्मिक जुलूस को लेकर सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए किशोर को कोतवाली बुलाकर पूछताछ की मामले में पुलिस ने संवेदनशीलता बरतते हुए किशोर को समझाया और भविष्य में ऐसी टिप्पणी न करने की हिदायत देकर छोड़ दिया पुलिस की पहल को क्षेत्र में शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है बताया गया कि करीब एक सप्ताह पहले कस्बे में धार्मिक जुलूस निकाला गया था इसी को लेकर एक किशोर द्वारा टिप्पणी किए जाने की शिकायत कुछ लोगों ने कोतवाली में की थी शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए टिप्पणी करने वाले किशोर की पहचान की और उसे पूछताछ के लिए कोतवाली बुलाया पूछताछ में किशोर ने अपनी उम्र 18 वर्ष से कम बताई मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने किसी तरह का तनाव बढ़ने देने के बजाय किशोर और उसके परिजनों को समझाया साथ ही भविष्य में सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को प्रभावित करने वाली टिप्पणी से बचने की हिदायत दी पुलिस की तत्परता से मामले को समय रहते संभाल लिया गया वहीं, क्षेत्र के लोगों से भी आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी अफवाह या विवादित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने के बजाय पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर क्षत-विक्षत महिला का शव मिलने से सनसनी

बल्दीराय/सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार भोर उस समय सनसनी फैल गई, जब धनपतगंज थाना क्षेत्र के मझवारा गांव के पास सड़क पर करीब 40 वर्षीय अज्ञात महिला का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। शव की हालत इतनी खराब थी कि तत्काल उसकी पहचान नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व सुरक्षा दल मौके पर पहुंच गया और जांच शुरू कर दी। बताया जाता है कि जयपुर से लखनऊ की ओर जा रही टाटा टियागो कार में रविशंकर अपनी पत्नी नेहा कुमारी (32) और दो वर्षीय बेटे कार्तिक के साथ सफर कर रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर उन्हें सड़क पर महिला का शव दिखाई पड़ा। शव को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सुरक्षा रेलिंग से जा टकराई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि उसमें सवार दंपती और मासूम बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही यूपी सुरक्षा दल तथा धनपतगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क किनारे कराकर यातायात को सामान्य कराया और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अंजू मिश्रा के अनुसार, प्रारंभिक जांच में महिला की मौत किसी वाहन की टक्कर से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। महिला की पहचान के लिए आसपास के थानों को भी सूचना भेजी गई है तथा उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि महिला एक्सप्रेसवे पर कैसे पहुंची और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। घटना ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रात और भोर के समय सड़क सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से मारपीट

शाहजहांपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना पुवायां पुलिस ने रक्षाबंधन के त्योहार पर लाठी-डंडों व लोहे की रॉड से मारपीट करने के मामले 02 महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। रक्षाबंधन पर्व पर थाना पुवायां क्षेत्र के गांव सबलापुर निवासी सरजू पुत्र पप्पू ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बरेली के रहने वाले मुनेन्द्र की पत्नी रीना, उसकी बहन रोशनी और रोशनी के पति कमल ने आक्रामक होकर लाठी-डण्डों एवं लोहे की रॉड से उसके पिता पप्पू पुत्र फकीरे के साथ मारपीट की। जिससे वह बेहोश हो गए, वो और उसकी बहन व बुआ ने बीच-बचाव किया, तो उक्त लोगों ने उनके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की।

असनी कांड के मुख्य आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार देर रात सेल्समैन के पुत्रों द्वारा गांव के ही एक अधेड़ व्यक्ति की गोली मारकर हत्या के मामले में रविवार को पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने फरार दो मुख्य आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये के ईनाम की घोषणा की है। थाना हुसैनगंज के ग्राम असनी में शराब के ठेके के सामने कल देर रात विवाद के बाद मनीष दुबे (52) की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार मुख्य दो आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मुख्य अभियुक्त अमन सिंह व इंद्रेश विक्रम उर्फ मनू सिंह की गिरफ्तारी पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। प्रकरण में अब तक 07 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें देशी शराब की दुकान का सेल्समैन गोवर्धन निषाद और मुख्य आरोपियों के अन्य सहयोगी शामिल हैं। एसपी ने कहा कि आरोपियों को शरण देने, छिपाने या किसी भी प्रकार से सहयोग करने वालों को भी चिन्हित किया जा रहा है ।

नेपाल में हुई त्रासदी पर चीन सरकार दे मुआवजा : शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देव तीर्थ

मथुरा। पूर्वाम्नाय गोवर्धन मठ पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज ने मथुरा में रविवार को नेपाल में आई भयानक प्राकृतिक आपदा पर गहरा शोक और चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि नेपाल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से गोवर्धन पीठ का विशेष संरक्षित एवं धर्म-शासित अधीनस्थ क्षेत्र है। इस संकट की घड़ी में गोवर्धन मठ पीड़ित नागरिकों और श्रद्धालुओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।

मृतकों की शांति और लापता लोगों के लिए महायज्ञ

शंकराचार्य जी ने आपदा में असमय काल-ग्रसित हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की याचना की। साथ ही, देश-विदेश के हजारों लापता श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की सुरक्षित वापसी के लिए मां भगवती से प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि मृत आत्माओं की शांति और लापता लोगों के सकुशल मिलने की कामना को लेकर गोवर्धन पीठ में विशेष महायज्ञ का आयोजन किया गया है। नेपाल में आकलन से अधिक नुकसान, तत्काल सहायता की अपील आपदा की विभीषिका पर प्रकाश डालते हुए शंकराचार्य जी ने कहा कि नेपाल में हुआ नुकसान आकलन से कहीं ज्यादा है। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और लाखों लोग प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल सरकार के विभिन्न अंग जैसे पुलिस, अर्द्धसैनिक बल, सेना और राहतकर्मी पूरी तत्परता से खोज व बचाव कार्य में लगे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि इन सभी राहतकर्मियों को अपने मिशन में पूर्ण सफलता मिलेगी। उन्होंने भारत सरकार एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय सरकारों से अपील की कि वहां तत्काल प्रभाव से अधिक से अधिक राहत सामग्री और आवश्यक सहायता भेजी जाए।

चीन की लापरवाही पर सवाल, क्षतिपूर्ति और घर बनवाने की मांग

चीन की भूमिका पर कड़ा रुख अपनाते हुए शंकराचार्य जी ने कहा कि चीन ने जिस प्रकार दूसरी बार आपदा का संकेत दिया, यदि पहली बार भी ऐसी ही सूचना समय पर दे दी होती तो इतने बड़े महासंकट और तबाही से बचा जा सकता था। उन्होंने चीन सरकार से मांग की कि वह नेपाल में हुए नुकसान की पूरी क्षतिपूर्ति (मुआवजा) करे और बेघर हुए लोगों के लिए नए मकान बनवाए। उन्होंने कहा कि चीन सीमाओं पर बांध संबंधी कोई भी कार्य शुरू करने से पहले पड़ोसी देशों की सुरक्षा का ध्यान रखे और उनसे सलाह-मशविरा करे। भारत-चीन संबंधों पर टिप्पणी- शंकराचार्य जी ने कहा कि चीन तेजी से महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, इसलिए उसका दायित्व भी अधिक बढ़ जाता है। भारत और चीन के रिश्तों में हो रहे सुधार का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन इसके साथ ही पड़ोसी देशों के हितों व सुरक्षा का ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है।

वारंटियों पर धानेपुर पुलिस का शिकंजा,आठ गिरफ्तार

अलग-अलग मुकदमों में लंबे समय से चल रहे थे फरार,गिरफ्तार आरोपित न्यायालय भेजे गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । अपराधियों और वांछित-वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में धानेपुर पुलिस ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की।थानाध्यक्ष विपुल कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अलग-अलग मुकदमों में कार्रवाई करते हुए आठ वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय रवाना किया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में महेश कुमार निवासी हरिहर पुर, नान्हू और पवन कुमार निवासी पूरे मुसद्दी शामिल हैं।इनके अलावा सुबराती शाह,खजुन्ना उर्फ साबि रा,बिट्टन उर्फ नूरजहां निवासी अलावल देवरिया तथा

पेशकार वर्मा और छोटका निवासी परौती लाल,उज्जैनीकला के खिलाफ भी वारंट के आधार पर कार्रवाई की गई।पुलिस का कहना है कि न्या यालय से जारी वारंटों के अनुपालन के लिए अभि यान लगातार जारी रहेगा।

कीर्तिवर्धन सिंह के गढ़ में सपा की सेंध बसपा के छह बड़े चेहरे अखिलेश के साथ

अखिलेश की मौजूदगी में छह बड़े चेहरे सपा में, 194 कार्यकर्ताओं ने भी पकड़ा लाल झंडा मनकापुर - गौरा में बदले सियासी समीकरण के संकेत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के गृह जिले में शनिवार को सियासी हलचल तेज हो गई।बसपा और आजाद समाज पार्टी के छह प्रमुख नेताओं समेत 194 कार्यकर्ताओं ने लख नऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली।इनमें मनका पुर के पूर्व बसपा प्रत्याशी श्याम नारायण कोरी, गौरा के पूर्व बसपा प्रत्याशी निगार उस्मानी और देवीपाटन मंडल के पूर्व बसपा मुख्य कोऑर्डिनेटर राजिक उस्मानी जैसे चेहरे शामिल हैं। सपा में शामिल होने वालों में बसपा मंडल संयोजक गंगा प्रसाद चौधरी,काजीपुर प्रधान मोहम्मद जिया

और आजाद समाज पार्टी के मनकापुर विधानसभा अध्यक्ष विनोद कोरी भी शामिल रहे।सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव लाल चंद्र गौतम के नेतृत्व में हुई इस जॉइनिंग को मनकापुर और गौरा की राजनीति में सपा की बड़ी सेंध के तौर पर देखा जा रहा है।

महीनों से चल रही थी अंदरखाने तैयारी

लाल चंद्र गौतम के मुताबिक, नेताओं से कई महीनों से बातचीत चल रही थी।अखिलेश यादव को पत्र भेजकर अनुमति मांगी गई थी।अनुमति मिलने के बाद शनिवार को राजधानी में सभी ने सपा का दामन थामा।

लाल चंद गौतम का दावा अभी तो शुरुआत है

लाल चंद गौतम ने दावा किया कि बसपा के नेता पार्टी से ऊब चुके थे।उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में दूसरे दलों के कई और नेता सपा में शामिल हो सकते हैं।ऐसे में विधानसभा चुनाव से पहले मनकापुर-गौरा की सियासत में नए ध्रुवी करण के संकेत दिखाई देने लगे हैं।

ट्रेन-प्लेटफार्म के बीच फंसा युवक,बेहोश होने तक मची रही अफरा-तफरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । आदर्श रेलवे जंक्शन पर रविवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते बचा। प्लेटफार्म नंबर एक पर लखनऊ-बरौनी एक्सप्रे स (15203) के चलने के दौरान एक यात्री ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच जा गिरा,करीब बीस मिनट तक फंसे रहने के बाद युव क बेहोश हो गया। आरपीएफ और रेलकर्मियों ने यात्रियों की मदद से कड़ी मशक्कत कर उसे बाहर निकाला। रेलवे चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।हादसा सुबह करीब 9 बजकर बीस मिनट पर हु आ।बताया गया कि यात्री प्लेटफार्म नंबर दो से उतरकर प्लेटफार्म नंबर एक की ओर जा रहा था।इसी दौरान ट्रेन और प्लेट फार्म के बीच गिर गया।घटना की

जानकारी मिलते ही आरपीएफ और रेलकर्मी मौके पर पहुंच गए। ट्रेन का इंजन उस समय प्लेटफार्म के करीब आधे हिस्से तक ही पहुंचा था।यात्री को निकालने तक ट्रेन प्लेटफार्म पर रुकी रही।प्रत्यक्षदर्शियों

गोंडा जंक्शन पर हादसा : आरपीएफ व यात्रियों ने मशक्कत कर निकाला, मेडिकल कॉलेज रेफर

के मुता बिक,युवक को बाहर निकालने में करीब बीस मिनट का समय लगा।इसी दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया।रेलवे चिकित्स कों ने मौके पर प्राथमिक उपचार दिया,लेकिन होश न आने पर तत्काल मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।आरपीएफ प्रभारी अनिरुद्ध राय ने बताया कि ट्रेन रुकते ही रेस्क्यू शुरू कर दिया गया था।यात्री को निकालने में जितना समय लगा,उतने ही समय तक ट्रेन रुकी रही।यात्री की पहचान अ भी नहीं हो सकी है।होश आने के बाद ही उसके नाम, पते और यात्रा के संबंध में जानकारी मिल सकेगी।

गोंडा में कागजों में बंट गया तीन महीने का राशन बच्चों तक नहीं पहुंची दाल-तेल-दलिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । करनैलगंज आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों, गर्भ वती और धात्री महिलाओं के हिस्से का ड्राई राशन कागजों में ही बंट गया।करनैलगंज तहसील के कं जेमऊ गांव में तीन महीने के दाल, सरसों के तेल और दलिया के वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमि तता के आरोप लगे हैं।...शिकायत पर कार्रवाई न होने के बाद मामला न्यायालय पहुंचा।..न्यायालय के आदेश पर

उठान व वितरण कागजों में,लाभार्थी रहे खाली हाथ

आरोप है कि राशन गोदाम से उठान और आंगन बाड़ी केंद्रों तक वितरण अभिलेखों में दर्शा दिया गया, लेकिन वास्तविकता में राशन लाभार्थियों तक नहीं पहुंचा।शिकायतकर्ता ने अधिकारियों और राशन वितरण से जुड़े स्वयं सहायता समूह की मिलीभगत से राशन के गबन का आरोप लगा या है।

आरटीआई से मांगा हिसाब,फिर पहुंचा मामला अदालत

शिकायतकर्ता के अनुसार जुलाई 2024 में राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायत की गई थी। कार्र वाई न होने पर आरटीआई के जरिए राशन के उ ठान गोदाम से निकासी और केंद्रों पर वितरण से जुड़े अभिलेख मांगे गए।आरोप है कि स्पष्ट सूचना देने के बजाय अतिरिक्त शुल्क की मांग कर माम ला टालने की कोशिश हुई।इसके बाद शिकायतक र्ता ने न्यायालय की शरण ली।

डीपीओ समेत पांच नामजद

न्यायालय के आदेश पर दर्ज एफआईआर में वर्त मान डीपीओ संजय कुमार, तत्कालीन डीपीओ मनोज कुमार मौर्य,सीडीपीओ महेंद्र वर्मा, प्रभारी गोदाम कृष्णदेव और गुलाब स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष आरती वर्मा को नामजद किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।अब जांच में यह सामने आएगा कि राशन की वास्तविक मात्रा कितनी थी,उसका उठा न और वितरण किस स्तर पर दर्ज हुआ और ला भार्थियों तक वह क्यों नहीं पहुंचा।

करनैलगंज पुलिस ने जिला कार्यक्र म अधिकारी समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकद मा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

वजीरगंज में सड़क हादसा : बेकाबू फॉर्च्यूनर से बाइक सवार आचार्य छात्र की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । वजीरगंज गोंडा - अयोध्या हाईवे सड़क मार्ग पर हादसा एक 18 वर्षीय युवक मुकेश की गई जा न चौदह वर्षीय साथी गंभीर रूप से घायल हो गया है। गोंडा-अयोध्या हाईवे पर रविवार दोपहर करीब एक बजे रफ्तार ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। वजीरगंज ब्लॉक के सामने मवेशी को बचाने के प्रयास में बेकाबू हुई फॉर्च्यूनर सामने से आ रही बाइक से जा भिड़ी,हादसे में बाइक सवार एक 18 वर्षीय आचार्य छात्र मुकेश पांडेय की मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार चौदह वर्षीय आदित्य सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।स्थानीय लो गों ने दोनों को सीएचसी

वजीरगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मुकेश को मृत घोषित कर दिया। घायल आदित्य का उपचार चल रहा है।मुकेश पां डेय मोतीगंज थाना क्षेत्र के सोठिया गांव का निवा सी था और अयोध्या में संस्कृत की पढ़ाई कर रहा था।रविवार को वह अपने साथी आदित्य सिंह पुत्र कोदू सिंह, निवासी जबलपुर (मध्य प्रदेश) के साथ बाइक से घर लौट रहा था।..इसी दौरान वजीरगंज ब्लॉक के सामने हादसा हो गया।मवेशी से टकराने के बाद बाइक से भिड़ी फॉर्च्यूनर पुलिस के अनुसा र फॉर्च्यूनर गोंडा से अयोध्या की ओर जा रही थी। ब्लॉक के सामने अचानक सड़क पर मवेशी आ ग या। चालक ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वाहन मवेशी से टकरा गया।टक्कर के बाद एयरबै ग खुलने से फॉर्च्यूनर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही मुकेश की बाइक से जा भिड़ी। शव पोस्ट मार्टम को,वाहन पुलिस के कब्जे में सूचना पर पहुंची वजीरगंज पुलिस ने शव को क ब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे में शामिल फॉर्च्यूनर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि एक युवक की मौत हुई है और दूसरा घायल है।परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।मुकेश के बारे में बताया गया कि वह अयोध्या में आचार्य की पढ़ाई के साथ हनुमानगढ़ी में पुजारी के रूप में भी सेवा करता था।उसे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का सहयोगी आचार्य भी बताया जा रहा है।

युवाओं को हुनर दिखाने का अवसर प्रदान करेगी भारत कौशल प्रतियोगिता

बहराइच । युवाओं को अपनी तकनीकी और व्यावसायिक दक्षता दिखाने का सुनहरा अवसर मिलने जा रहा है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की ओर से भारत कौशल प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के लिए इच्छुक और पात्र युवा 15 सितंबर 2026 तक पंजीकरण करा सकते हैं। प्रतियोगिता में 15 से 35 वर्ष की आयु के युवा प्रतिभाग कर सकेंगे। इस बार विभिन्न तकनीकी और व्यावसायिक कौशल से जुड़े 63 क्षेत्रों को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। प्रतिभागियों को अपने-अपने कौशल में दक्षता का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता को चार चरणों में आयोजित किया जाएगा। सबसे पहले जनपद स्तर, इसके बाद मंडल स्तर, राज्य स्तर और अंत में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता होगी। प्रत्येक चरण में सफल प्रतिभागी ही अगले स्तर की प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। उप्र कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक श्रीमती स्मृति शर्मा व जिला प्रबन्धक रवि पाठक ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक युवा स्किल इंडिया पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं।

ग्राम बहादुरिया की घटना हिंसक वन्य जीव द्वारा कारित नहीं: डीएफओ

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रभागीय वनाधिकारी बहराइच द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्राम बहादुरिया, पुरवा-खोजोवा, थाना-हरदी, विकास खण्ड व तहसील-महसी, जिला-बहराइच के निवासी वीरेन्द्र की पुत्री जानवी, उम्र लगभग 01 वर्ष दिनांक 29 अगस्त 2026 की रात्रि लगभग 9.00 बजे घर के बाहर ऑगन में खुले में चारपाई पर सो रही थी (आसपास बाउड्री व घर में दरवाजा नहीं था)। बच्ची की मॉ कुछ दूर पर खाना बना रही थी तभी बच्ची के रोने की आवाज सुनकर वह पास गयी तो देखा कि बच्ची के सर से खून आ रहा है। बच्ची की माँ द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा मौके पर किसी जानवर को नहीं देखा गया और न ही मौके पर किसी जानवर के पगमार्क मिले। उन्होनें बताया कि मॉ के कथनानुसार कुत्तों के भौकने की आवाजे आ रही थी। बच्ची का प्राथमिक इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, महसी में कराया गया। तदोपरान्त चिकित्सक द्वारा बच्ची को जिला चिकित्सालय, बहराइच भेजा गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुँची तथा पगमार्क की खोजबीन प्रारम्भ किया। खोजबीन के पश्चात वन विभाग की टीम को भी आस-पास किसी हिंसक वन्य जीव के पगमार्क नहीं दिखाई दिये। पूर्व में उक्त क्षेत्र भेड़िया के हमले से प्रभावित रहा है जिसके दृष्टिगत क्षेत्र में लगातार गठित गश्ती टीमों द्वारा दिवारात्रि गश्त करते हुए निगरानी की जा रही है। इससे पूर्णतः स्पष्ट है कि उक्त घटना हिंसक वन्य जीव द्वारा कारित नहीं की गयी है।

लेखपाल की गृह ब्लाक में तैनाती चर्चा का विषय बनी

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील तिलोई के एक दर्जन लेखपालों के तबादले में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं देखी जा सकती है। उपजिलाधिकारी द्वारा जारी की गई तबादला सूची में एक लेखपाल को गृह ब्लाक में ही तैनात कर दिया गया है। आला अधिकारियों के इस कारनामे की चहुंओर चर्चा हो रही है। बताते चलें कि तिलोई की एसडीएम अरुणिमा श्रीवास्तव ने शनिवार को एक दर्जन से अधिक लेखपालों का तबादला किया है लेकिन उपजिलाधिकारी द्वारा जो लेखपालों की तबादला सूची जारी की गई है उसमें तिलोई विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत अकबरपुर फर्शी में तैनात लेखपाल दीपक को सिंहपुर विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत कोटवा का लेखपाल बनाया गया है जबकि उक्त लेखपाल मूल रूप से सिंहपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत भवानीपुर का निवासी बताया जा रहा है।

31 अगस्त को होगी ऐतिहासिक शुरुआत, ट्रेन संचालन से पहले डीएम-एसपी ने परखी तैयारियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन रूपईडीहा से 31 अगस्त 2026 को बहराइच से नवनिर्मित, विद्युतीकृ त बहराइच-नानपारा-नेपालगंज रोड ब्रॉड गेज रेल लाइन तथा गाड़ी संख्या 14213/14 वाराणसी-बहराइच एक्सप्रेस ट्रेन, गाड़ी संख्या 15131/32 वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन और गोंडा-बहराइच के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 75109/10 एवं 75111/75112 डेमू ट्रेनों का नेपालगंज रोड तक के विस्तार कार्य के उद्घाटन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने विधायक नानपारा राम निवास वर्मा, अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद व अन्य अधिकारियों के साथ रेलवे

स्टेशन रुपईडीहा, जनसभा स्थल, हेलीपैड एवं पार्किंग स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी ने रेलवे स्टेशन के पूरे परिसर एवं प्लेटफार्म का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, पार्किंग, जनसभा स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली। इसके साथ ही ट्रेन संचालन के दौरान यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी पुलिस एवं रेलवे अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। डीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम से पूर्व सभी तैयारियां प्रत्येक स्तर पर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यवस्था में कमी नहीं रहनी चाहिए और सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें।

वहीं पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम स्थल एवं रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आने-जाने वाले लोगों, वीआईपी मूवमेंट, पार्किंग तथा यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस बल की तैनाती एवं अन्य सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूर्ण करने तथा कार्यक्रम के दौरान यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता और जनसुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान रेलवे, प्रशासन एवं पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मंत्री रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार अश्विनी वैष्णव द्वारा वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से उदघाटन किया जायेगा।

दो सगे भाइयों की एक साथ उठी अर्थियों से फफक कर रो पड़ा गांव

सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल बहन ने भी देर रात अस्पताल मे दम तोड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी । थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के गांव ख़रगपुर के दो सगे भाइयों की शनिवार को सड़क हादसे मे दर्दनाक मौत के बाद गम्भीर रुप से घायल बहन ने भी देर रात अस्पताल मे दम तोड़ दिया। रविवार की सुबह पैतृक गांव खरगपुर मे शव पहुंचने पर चीख पुकार मच गई। हर तरफ केवल करुण क्रन्दन ही सुनाई दे रहा था और एक साथ उठी दो अर्थियों से सबकी आंखे नम हो गई और दो चितायें देखकर सबकी आंखों से आंसू छलक पड़े और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही सम्भ्रांत नागरिकों ने नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया है।थाना क्षेत्र के गांव खरगपुर निवासी अखिलेश मौर्य व अवधेश मौर्य हरियाणा के फरीदाबाद मे रहकर एक प्राइवेट कम्पनी मे नौकरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे।रक्षाबंधन के दिन दिल्ली मे रह रही बहन सरोज कुमारी एवं राजकुमारी राखी बांधने गई थी।शनिवार की सुबह दोनों

भाई बहनो को बस पर बैठाने के लिये मागर मोड़ पर बस का इंतजार कर रहे थे तभी तेज रफ़्तार अनियंत्रित फॉर्चूनर कार ने जोरदार टक्कर मार दी थी जिसमें दोनों सगे भाइयों की मौक़े पर ही मौत हो गई थी वहीं दोनों बहने गंभीर रूप से घायल हो गई थी जिनका दिल्ली के एक निजी अस्पताल मे इलाज चल रहा था और शनिवार की देर रात इलाज के दौरान एक बहन सरोज कुमारी उम्र तीस वर्ष की भी मौत हो गई। रविवार को पैतृक गांव खरगपुर शव पहुंचने पर हर तरफ चीख पुकार मच गई। हर तरफ केवल एक ही आवाज सुनाई दे रही थी हे भगवान कैसा गजब कर दिया। पत्नी विनीता दहाड़े मारकर रों रही थी वहीं छह वर्षीय बेटी काव्या एवं एक वर्षीय कनक गुमशुम बैठी थी उन्हें तो पता ही नहीं है की उनके पिता अब कभी नहीं उठ पाएंगे। गांव खरगपुर के दो सगे भाइयों की मौत के बाद बहन की मौत से उसकी ससुराल मोहनगंज थाना क्षेत्र के फूला गांव मे भी गम का माहौल है। सरोज की ससुराल फूला गांव मे सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही परिजन दिल्ली के लिये रवाना हो गये थे।

राज्यमंत्री के साथ ही जनप्रतिनिधियों ने शोक जताया

तिलोई अमेठी,थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के गांव खरगपुर में दो सगे भाइयो की मौत की सूचना पर प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री राजा मयंकेश्वर शरण सिंह,ब्लाक प्रमुख तिलोई कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सिंहपुर के ब्लाक प्रमुख अंकित पासी,भाजपा नेता राकेश त्रिपाठी,आशीष मिश्रा, माता प्रसाद जायसवाल, सत्य प्रकाश साहू सहित बड़ी संख्या मे जनप्रतिनिधियो ने शोक संवेदना व्यक्त कर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया है।

महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज प्रबंध समिति का चुनाव संपन्न

डॉ. विनोद कुमार सिंह एमजीएस के दूसरी बार बने प्रबंधक

विश्वास टूटने नहीं देंगे-डॉ. विनोद सिंह प्रबंधक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। राजकीय इंटर कॉलेज बुआपुर के प्रधानाचार्य आनंद मौर्य के पर्यवेक्षण में महात्मा गांधी स्मारक इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर की प्रबंध समिति का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। क्षत्रिय शिक्षा समिति के अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह ने नई प्रबंध समिति के लिए प्रबंधक के पद पर डॉ. विनोद कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के सदस्य), उपाध्यक्ष पद पर धनंजय सिंह (एडवोकेट, रामनगर) उपप्रबंधक के पद पर अवधेश सिंह, कोषाध्यक्ष के पद पर बृजभान सिंह के नाम का प्रस्ताव दिया, जिसे सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया। अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह ने प्रबंध समिति के निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए नए कार्यकाल के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई समिति के नेतृत्व में यह शिक्षण संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में एक नया प्रतिमान स्थापित करेगा, जो जिले के अन्य विद्यालयों के लिए एक आदर्श बनेगा। प्रबंधक पद पर लगातार दूसरी बार चुने जाने पर डॉ. विनोद कुमार सिंह ने अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह और क्षत्रिय शिक्षा समिति को अपने मनोनयन पर धन्यवाद देते हुए कहा कि हम अध्यक्ष और समिति के विश्वास को खंडित नहीं होने देंगे। पूरी निष्ठा के साथ विद्यालय में उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लागू की जाएगी और समाज के सामने एक बेहतर उदाहरण पेश किया जाएगा। प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह के साथ विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने बधाई दी।

70 साल पुराने किराये के मकान की चांदी की प्लेट में लौटाई चाबी पूरनपुर में ईमानदारी की मिसाल बने विजय पाल सिंह 'विक्की'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।आज के दौर में जमीन और मकान को लेकर जहां रिश्तों में भी दरार पड़ते देर नहीं लगती, वहीं पूरनपुर में समाजसेवी एवं व्यापार मंडल के प्रांतीय मंत्री विजय पाल सिंह 'विक्की' ने ईमानदारी, साफ नीयत और इंसानियत की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी क्षेत्र में खूब चर्चा हो रही है करीब 70 वर्षों तक जिस किराये के मकान में उनका परिवार रहा, उसी मकान को अपना आशियाना बन जाने के बाद उन्होंने बिना किसी दावे या अधिकार के सम्मानपूर्वक खाली कर चाबी वापस सौंप दी बताया गया कि विजय पाल सिंह 'विक्की' के पिता स्वर्गीय बूटा सिंह ने नवाब शमसुल हसन की भांजी कैसर जहां का रजागंज स्थित बैंड वाली गली का मकान किराये पर लिया था यही मकान परिवार की कई पीढ़ियों की यादों का गवाह रहा विजय पाल सिंह 'विक्की' और उनकी बहनों का जन्म भी इसी घर में हुआ और परिवार की परवरिश इसी मकान में हुई करीब सात दशक तक परिवार का जीवन इस घर से जुड़ा रहा समय के साथ परिस्थितियां बदलीं और विजय पाल सिंह 'विक्की' ने प्रदीप कॉलोनी में अपना मकान बना लिया अपना घर बनने के बाद उन्होंने किराये के पुराने मकान को लेकर किसी तरह का दावा करने के बजाय उसे सम्मानपूर्वक खाली करने का निर्णय लिया उन्होंने मकान को खाली कर उसकी चाबी संबंधित परिवार को वापस सौंप दी मकान की चाबी लौटाने के लिए बाकायदा सम्मानजनक तरीके से कार्यक्रम आयोजित किया गया समाज के गणमान्य लोगों की मौजूदगी में अशोक खंडेलवाल के आवास पर नवाब शमसुल हसन के भांजे खुशनुद मियां एवं उनके साथी बब्बू खां को मकान की चाबी सौंपी गई खास बात यह रही कि चाबी को चांदी की प्लेट में रखकर सम्मानपूर्वक वापस किया गया इस दौरान अशोक खंडेलवाल, शैलेंद्र गुप्ता, नवीन अग्रवाल, जाहिद खान, बलजीत सिंह खैरा, सचिन गुप्ता 'चोटी वाले', सरफराज अहमद, सरफराज खान, रौनक बाबा समेत कई सम्मानित लोग मौजूद रहे विजय पाल सिंह 'विक्की' का यह कदम महज एक किराये का मकान खाली करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नीयत और संस्कारों की मिसाल बन गया जिस मकान से परिवार की करीब सात दशक पुरानी यादें जुड़ी रहीं, उसे अपना अधिकार मानकर कब्जा बनाए रखने के बजाय उन्होंने समय आने पर सम्मान के साथ वापस कर दिया समाज के लोगों का कहना है कि संपत्ति को लेकर बढ़ते विवादों के दौर में ऐसा उदाहरण लोगों को यह संदेश देता है कि रिश्ते, भरोसा और ईमानदारी किसी भी संपत्ति से अधिक मूल्यवान होते हैं विजय पाल सिंह 'विक्की' का यह कदम पूरनपुर में सकारात्मक चर्चा का विषय बना हुआ है यह घटना आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक संदेश छोड़ती है कि हक से बढ़कर ईमानदारी और संपत्ति से बढ़कर साफ नीयत होती है।

नि:शुल्क चर्म रोग शिविर में करीब 300 मरीजों ने लिया विशेषज्ञ परामर्श

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। पन्ना मेडिकल हॉल, एमजीएस चौराहा पर रविवार को निःशुल्क चर्म रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक अग्रवाल ने करीब 300 मरीजों की जांच कर उन्हें त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए निरूशुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक उपचार संबंधी सुझाव दिए।

शिविर में त्वचा रोग, एलर्जी, खुजली, दाद, मुंहासे, बाल एवं अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं से पीड़ित मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर डॉ. दीपक अग्रवाल ने उमस और नमी वाले मौसम में त्वचा की विशेष देखभाल करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस मौसम में पसीने और नमी के कारण फंगल इंफ़ेक्शन, खुजली एवं अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। शरीर को साफ एवं सूखा रखने, अधिक पसीना आने पर कपड़े बदलने तथा तौलिया और कपड़े साझा न करने की सलाह दी। उन्होंने बिना चिकित्सकीय सलाह के स्टेरॉयड युक्त क्रीम अथवा अन्य दवाओं के इस्तेमाल से बचने की अपील की। सुशील जायसवाल ने बताया कि शिविर का उद्देश्य आमजन को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ त्वचा रोगों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। दीपक जायसवाल ने कहा कि शिविर में करीब 300 मरीजों का पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि लोगों में अपने स्वास्थ्य एवं त्वचा संबंधी समस्याओं को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। उन्होंने शिविर में पहुंचे सभी मरीजों, चिकित्सकीय टीम एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सुधीर गुप्ता के याचिका समिति सभापति बनने पर हुआ भव्य अभिनंदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने किया स्वागत, बोले– जनसमस्याओं को सदन तक पहुंचाने में मिलेगी मजबूती

पूरनपुर।उत्तर प्रदेश विधान परिषद की महत्वपूर्ण याचिका समिति का सभापति बनाए जाने पर विधान परिषद सदस्य सुधीर गुप्ता का नगर पालिका परिषद सभागार में भव्य अभिनंदन किया गया कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता की ओर से किया गया इस दौरान समाज के पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि सुधीर गुप्ता को याचिका समिति का सभापति बनाया जाना क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं और जनहित से जुड़े मुद्दों को विधान परिषद के स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का अवसर मिलेगा उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास और अन्य जनसमस्याओं के मामलों को उचित माध्यम से उठाकर उनके समाधान की दिशा में प्रभावी पैरवी की जा सकती है उन्होंने कहा कि सुधीर गुप्ता के अनुभव और नई जिम्मेदारी का लाभ समाज के साथ-साथ क्षेत्रवासियों को भी मिलेगा जनहित से जुड़े मामलों को शासन और संबंधित विभागों के संज्ञान में लाने तथा उनके निस्तारण के लिए प्रयास और मजबूत होंगे कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सुधीर गुप्ता को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की समारोह में माहौर वैश्य समाज के पदाधिकारियों एवं सम्मानित सदस्यों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही हैं।

सहमति के बिना सहखातेदार ने कटवा दिए सागौन के चार पेड़, लकड़ी भी ले जाने का आरोप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कलां में जमीन के बंटवारे और पेड़ों को लेकर सहखातेदारों के बीच विवाद सामने आया है गांव निवासी रेहान पुत्र इबादत नूर खान ने अपने सहखातेदार पर बिना अनुमति खेत में खड़े सागौन के चार पेड़ कटवाकर उनकी लकड़ी ले जाने का आरोप लगाया है पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से करते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की है रेहान के मुताबिक, गांव शेरपुर कलां में उनके परिवार को पिता और दादा की विरासत से भूमि प्राप्त हुई है इसी भूमि में सागौन के चार पेड़ काफी समय से खड़े थे आरोप है कि 29 अगस्त की सुबह सहखातेदार इशारत नूर खां पुत्र शहादत नूर खां ने प्रार्थी और अन्य सहखातेदारों की सहमति लिए बिना चारों सागौन के पेड़ कटवा दिए इसके बाद पेड़ों की लकड़ी भी मौके से उठा ले जाने का आरोप लगाया गया है घटना की जानकारी होने पर जब रेहान ने इस संबंध में आरोपी से बात की तो दोनों पक्षों में कहासुनी होने की बात सामने आई पीड़ित का आरोप है कि आरोपी कथित रूप से विवाद पर आमादा हो गया और कार्रवाई करने पर देख लेने की धमकी दी रेहान का कहना है कि चार सागौन के पेड़ काटे जाने से उसे आर्थिक नुकसान हुआ है मामले को लेकर उसने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर पूरे प्रकरण की जांच कराने तथा दोषी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी

शेरपुर में पुरानी रंजिश में युवक को घेरकर बेल्ट से पीटा, मुकदमा दर्ज सात-आठ युवकों पर हमला करने का आरोप

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर गांव के पास पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक को घेरकर लात-घूंसों और बेल्ट से पीटने का मामला सामने आया है घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है वायरल वीडियो में कई युवक एक युवक को जमीन पर गिराकर बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं जानकारी के मुताबिक, थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के जहूरगंज गांव निवासी युवक शनिवार को किसी निजी काम से पूरनपुर आया था। काम निपटाने के बाद वह वापस अपने गांव लौट रहा था आरोप है कि शेरपुर गांव के पास पहले से घात लगाए बैठे सात-आठ युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी के बाद आरोपियों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी वायरल वीडियो में युवक को जमीन पर गिराकर कई लोग लात-घूंसों से पीटते दिखाई दे रहे हैं इसी दौरान एक युवक बेल्ट से उसके ऊपर लगातार वार करता नजर आ रहा है पीड़ित खुद को बचाने के लिए गुहार लगाता रहा, लेकिन हमलावर उसकी पिटाई करते रहे किसी राहगीर ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है कोतवाली प्रभारी पवन पांडेय ने बताया कि मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कराई जा रही है। जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी

पुलिस ने युवती को जंगल से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बाजार शुकुल पुलिस ने आपरेशन मुस्कान अभियान के तहत घर से नाराज होकर चली गयी बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। थाना शुकुल बाजार पुलिस को पीआरवी के माध्यम से उनतीस अगस्त को सूचना प्राप्त हुई कि कॉलर की पुत्री उम्र करीब सोलह वर्ष घर से बिना बताये कहीं चली गयी है।पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देश पर आपरेशन मुस्कान के तहत थाना बाजार शुकुल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर जानकारी की गई तो ज्ञात हुआ कि उक्त बालिका हरखूमऊ के जंगल की तरफ जाने की बात कह रही थी। प्राप्त जानकारी के आधार पर स्थानीय पुलिस द्वारा दो टीमों का गठन कर तथा सर्विलांस टीम की सहायता लेकर जंगल में उक्त बालिका को खोजने का प्रयास किया गया काफी देर तलाश करने के उपरान्त कॉलर की पुत्री एक पेड़ के पास सकुशल छिपी हुई मिली।

तहसील रोड पर सांसद से जवाब मांगते पर्चे मिले, चर्चाओं का बाजार गर्म

गौरीगंज/अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। गौरीगंज तहसील रोड पर रविवार सुबह सांसद किशोरी लाल शर्मा से जवाब मांगने वाले कुछ पर्चे सड़क किनारे पड़े मिले। पर्चों में सांसद निधि के उपयोग को लेकर सवाल उठाए गए हैं, जिससे क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। पर्चों में बड़े अक्षरों में ळसांसद जी जवाब दीजिएङ्क लिखा गया है। साथ ही सांसद निधि में कथित अनियमितताओं और कुछ लंबित विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए जवाब मांगा गया है। हालांकि पर्चों में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार सांसद किशोरी लाल शर्मा शनिवार रात अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे हैं और रविवार को उन्हें विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होना है। ऐसे में उनके आगमन के तुरंत बाद सार्वजनिक स्थान पर इस तरह के पर्चे मिलने को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पर्चे किस व्यक्ति अथवा संगठन की ओर से वितरित या फेंके गए हैं। इस संबंध में सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि यह विपक्ष द्वारा जनता को गुमराह करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों और सांसद निधि से संबंधित सभी जानकारियां अब ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिन्हें कोई भी नागरिक देख सकता है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश सफल नहीं होगी और उनके कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किए गए हैं।

रामलीला मैदान को कूड़ाघर नहीं बनने देंगे : महेश सोनी

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। रामलीला मैदान को कूड़ा डंपिंग स्थल बनाए जाने के विरोध में नगरवासियों ने कड़ा एतराज जताया है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल जनपद अमेठी के जिलाध्यक्ष महेश सोनी ने कहा कि रामलीला मैदान नगर की सार्वजनिक धरोहर होने के साथ ही लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऐसे स्थल पर कूड़ा डाले जाने से इसकी गरिमा प्रभावित हो रही है और जनभावनाएं आहत हो रही हैं। महेश सोनी ने प्रशासन और नगर पंचायत से रामलीला मैदान में कूड़ा डंपिंग तत्काल बंद कराने तथा वहां जमा कूड़े को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत को कूड़ा निस्तारण के लिए स्थायी डंपिंग स्थल की व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित न हो और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता भी बनी रहे। उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर बनाए रखने की आवश्यकता है। यदि मैदान में कूड़ा डालने का सिलसिला जारी रहा तो नगरवासी एकजुट होकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। महेश सोनी ने कहा कि रामलीला मैदान अमेठी की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक है। इसे किसी भी कीमत पर कूड़ाघर नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने इसे जनभावनाओं से जुड़ा मुद्दा बताते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

राजीव गांधी निबंध प्रतियोगिता में नूपुर शुक्ला हुई पुरस्कृत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती पर बीती बीस अगस्त को आयोजित राजीव गांधी निबंध प्रतियोगिता में नूपुर शुक्ला पुत्री अजीत शुक्ला ने शानदार प्रदर्शन करते हुये पुरस्कार प्राप्त किया।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये नूपुर शुक्ला को अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव वरुण चौधरी द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मान मिलने पर नूपुर के परिजनों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। परिजनों ने कहा कि नूपुर ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने नूपुर को बधाई देते हुये उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परिजनों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में लेखन प्रतिभा, रचनात्मक सोच और देश के महापुरुषों के विचारों को समझने की प्रेरणा मिलती है। नूपुर की उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिये भी प्रेरणादायक है।

लगातार बारिश से चारों तरफ कीचड़ व गंदगी का अम्बार, गोमती मित्रों के श्रमदान ने पकड़ी रफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। लगातार हो रही बारिश के कारण श्री सीताकुण्ड धाम सहित आसपास के क्षेत्रों में फैले कीचड़ और गंदगी को साफ करने के लिए गोमती मित्र मण्डल के सदस्यों ने रविवार को विशेष श्रमदान किया। हर रविवार की भांति 30 अगस्त को प्रातः 6 बजे शुरू हुआ श्रमदान लगातार चार घंटे तक चला। गोमती मित्रों ने विशेष रूप से बारिश के कारण मार्गों और परिसर में फैले कीचड़ की सफाई की, ताकि धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं को फिसलन से बचाया जा सके और किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। इस दौरान कुण्ड, श्राद्ध स्थल, सीता उपवन तथा शनि देव नवग्रह मंदिर परिसर की व्यापक सफाई कर धुलाई भी की गई। श्रमदान के उपरांत आरती की तैयारियां की गईं। साथ ही नेपाल में हुई भीषण प्राकृतिक त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए मां गोमती से प्रार्थना की गई तथा सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। श्रमदान में प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह 'मदन', प्रबंधक राजेंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता रमेश माहेश्वारी, मुन्ना सोनी, राजेश पाठक, राम किंवचल मौर्य, डॉ. कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, आलोक कुमार तिवारी, सच्चिदानन्द सिंह 'सोनू', श्याम मौर्य, आयुष सोनी, अरुण अग्रहरि, आभास शर्मा, आशू उपाध्याय सहित अन्य गोमती मित्र उपस्थित रहे।

तिरहुत बाजार में कूड़े के ढेर पर चली जेसीबी, शुरू हुई सफाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। हिंदी दैनिक अखबारों में तिरहुत बाजार की बदहाल सफाई व्यवस्था को लेकर प्रकाशित खबर का असर आखिरकार दिखाई देने लगा। जमा कूड़ा-कचरा और गंदगी की समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद रविवार को जेसीबी मशीन लगाकर कूड़े के ढेर की सफाई कराई गई। सफाई कार्य शुरू होने से स्थानीय ग्रामीणों और दुकानदारों ने राहत की सांस ली है।

गौरतलब है कि तिरहुत बाजार में आबादी और प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास लंबे समय से कूड़ा-कचरा जमा होने की शिकायतें सामने आ रही थीं। 30 अगस्त के अंक में तिरहुत बाजार में 'स्वच्छता मिशन' की खुली पोल, कूड़े के ढेर में दम तोड़ती सफाई व्यवस्था शीर्षक से खबर प्रकाशित कर जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। खबर में दो मंदिरों के बीच कूड़े के जमाव, गंदगी और संक्रमण के संभावित खतरे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। खबर प्रकाशित होने के बाद रविवार को जेसीबी मशीन से कूड़ा-कचरा हटाने का काम शुरू कराया गया। मौके की तस्वीरों में जेसीबी मशीन से कचरे और गंदगी को हटाते हुए देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट है कि लंबे समय से बनी समस्या पर अब प्रशासनिक स्तर पर सफाई की कार्रवाई शुरू हुई है। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ एक बार जेसीबी चलाने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बाजार में नियमित कूड़ा उठान, निर्धारित स्थान पर कचरा निस्तारण और सफाईकर्मियों की नियमित निगरानी जरूरी है। यदि सफाई व्यवस्था निरंतर बनी रहे तो बाजार को गंदगी से निजात मिल सकती है। ग्रामीणों ने अखबार की खबर के बाद हुई कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि मीडिया द्वारा जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाए जाने से जिम्मेदार विभागों तक लोगों की आवाज पहुंचती है। अब लोगों की नजर इस बात पर रहेगी कि सफाई अभियान के बाद तिरहुत बाजार में स्वच्छता व्यवस्था कितने दिनों तक कायम रहती है।

सत्ताइस करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क एक साल में ही धंस गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । प्रदेश सरकार द्वारा लगातार गुणवत्ता पूर्ण कार्यों के लिये निर्देश जारी किये जा रहे हैं लेकिन प्रशासनिक उदासीनता के चलते कार्यदायी संस्थाएं मनमाना रवैया अपनाते हुये मानक की अनदेखी कर निर्माण कार्य को अंजाम दे रही हैं। क्षेत्र के इन्हौना से सेमरौता मार्ग के निर्माण के लिये सरकार द्वारा सत्ताइस करोड़ उन्नीस लाख रुपया निर्गत किया गया था किन्तु इतनी बड़ी लागत से बनी सड़क एक साल में ही धंसने लगी जिससे उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजिमी हैं। सड़क निर्माण के दौरान भी गुणवत्ता विहीन निर्माण की शिकायत भी उच्चाधिकारियों से की गयी थी किन्तु उच्चाधिकारियों की उदासीनता के चलते कार्यदायी संस्था ने मानक विहीन सड़क निर्माण कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली।सड़क निर्माण में मानक की अनदेखी का आलम यह था कि बिना डिसमेन्टलिंग के ही सड़क पर बड़ी सफ़ेद गिट्टी डाल दी गयी।गिट्टी डालने के बाद बिना अच्छी तरह कुटाई किये ही उस पर कार्यदायी संस्था ने डामर डाल दिया जिसका परिणाम यह निकला कि सत्ताइस करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क एक साल में ही धंसने लगी जिस पर कार्यदायी संस्था के साथ ही उच्चाधिकारी भी चुप्पी साधे हुये हैं जिससे साफ जाहिर हो रहा है कि कहीं न कहीं सड़क निर्माण में मानक के साथ खिलवाड़ किया गया है। सेमरौता से इन्हौना मार्ग पर स्थित गुमिया ड्रेन के पास परसौना मार्ग के निकट करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित सड़क कई जगहों पर धंसी देखी जा सकती है जो कि दुर्घटना को दावत भी दे रही है लेकिन किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को यह नज़र नही आ रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों की मानें तो पटरी भराई में हीलाहवाली बरतने के कारण सड़क धंसने लगी है।गुमिया ड्रेन पुल के पास सड़क धंसने और बड़ा गडढ़ा होने के कारण आये दिन राहगीर चोटहिल होते रहते हैं लेकिन लोक निर्माण विभाग शायद किसी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। अब देखना यह है कि इस विशालकाय गड्ढे को कब तक दुरुस्त किया जाता है फिलहाल यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ नागरिकों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगाया है।

सम्पादकीय

नेपाल की त्रासदी और प्रकृति का रौद्र रूप

नेपाल में अचानक आई भयानक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने आधुनिक व्यवस्थाएं कितनी तैयार हैं। मृतकों की संख्या का 750 तक पहुंचना और करीब ढाई हजार लोगों का अब भी लापता होना इस त्रासदी की भयावहता को दर्शाता है। पहाड़ों से घिरे नेपाल में जब भारी बारिश के साथ नदियां उफान पर आती हैं और बड़े पैमाने पर भूस्खलन होता है, तो जनजीवन कुछ ही घंटों में अस्त-व्यस्त हो जाता है। सड़कें टूट जाती हैं, पुल बह जाते हैं और कई गांवों तथा बस्तियों का संपर्क देश के बाकी हिस्सों से कट जाता है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि बचाव दल अभी भी कीचड़ और मलबे के बीच जीवन की तलाश कर रहे हैं। ऐसे समय में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। मलबे के नीचे दबे लोगों को सुरक्षित निकालने की संभावना समय बीतने के साथ कम होती जाती है। इसलिए राहत और बचाव कार्यों में किसी भी तरह की देरी भारी पड़ सकती है। नेपाल में करीब 20 हजार सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और हेलीकॉप्टरों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने का अभियान राहत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले सैकड़ों कर्मचारियों और विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाला जाना इस अभियान की कठिनाई को भी सामने लाता है। दुर्गम पहाड़ी इलाकों में राहत पहुंचाना अपने आप में बड़ी चुनौती है। इस आपदा का प्रभाव केवल नेपाल तक सीमित नहीं है। तिब्बत में भी जनहानि और बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने की खबरें सामने आई हैं। हिमालयी क्षेत्र की भौगोलिक संरचना और साझा नदी प्रणालियों को देखते हुए ऐसी आपदाएं सीमाओं से बंधी नहीं रहतीं। इसलिए पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए आपदा प्रबंधन की साझा रणनीति विकसित करना समय की मांग है। प्राकृतिक आपदा को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं है, लेकिन उसके कारण होने वाली जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए केवल आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। उससे पहले चेतावनी, तैयारी और सुरक्षित निकासी की मजबूत प्रणाली विकसित करनी होगी। नेपाल जैसे पर्वतीय देश में मौसम की सटीक निगरानी, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की पहचान और स्थानीय स्तर पर त्वरित चेतावनी व्यवस्था को मजबूत किया जाना चाहिए। आधुनिक उपग्रह तकनीक, रडार और नदी जलस्तर की निगरानी के माध्यम से संभावित खतरे का पहले पता लगाया जा सकता है। यदि संवेदनशील गांवों तक समय रहते चेतावनी पहुंच जाए और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था हो, तो बड़ी संख्या में जानें बचाई जा सकती हैं। जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण और संचालन में भी पर्यावरणीय तथा भूगर्भीय जोखिमों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्राकृतिक परिस्थितियों की अनदेखी करे, भविष्य में आपदा का कारण बन सकता है। पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण, वनों की कटाई और कमजोर ढलानों पर सड़क एवं अन्य परियोजनाओं का दबाव प्राकृतिक जोखिम को बढ़ा सकता है। इसलिए विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। इस त्रासदी से भारत सहित पूरे दक्षिण एशिया को भी सबक लेना चाहिए। हिमालयी क्षेत्र भूकंप, भूस्खलन, बादल फटने और अचानक आने वाली बाढ़ के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। सीमापार नदियों और साझा पर्वतीय पारिस्थितिकी को देखते हुए नेपाल, भारत, भूटान और तिब्बत क्षेत्र के बीच बेहतर मौसम सूचना, जलस्तर संबंधी आंकड़ों और आपदा चेतावनी का आदान-प्रदान आवश्यक है।

नेपाल की त्रासदी से भारत को सबक लेने की जरूरत

29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है। इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है।

नेपाल में 26 अगस्त 2026 को आई विनाशकारी बाढ़ और हिमस्खलन ने एक बार फिर यह कठोर सत्य सामने ला दिया है कि प्रकृति के साथ खिलवाड़ और पहाड़ों की संवेदनशीलता की अनदेखी मानव सभ्यता के लिए कितनी भारी पड़ सकती है। भोटेकोशी नदी तंत्र में ग्लेशियर के बड़े हिस्से के टूटने, बर्फ-पत्थरों के विशाल मलबे के नीचे आने और नदी के प्रवाह में अस्थायी अवरोध बनने के बाद अचानक बाढ़ का जो रौद्र एवं भयावह रूप सामने आया, उसने नेपाल और चीन के तिब्बती क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। 29 अगस्त तक उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार नेपाल में 579 और तिब्बत में 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा लगभग 2,482 लोग लापता बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को बचाया गया है, लेकिन दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार बने नए खतरे के कारण राहत एवं बचाव कार्य अभी भी चुनौतीपूर्ण हैं। यह घटना केवल नेपाल की प्राकृतिक त्रासदी नहीं है, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए भविष्य का भयावह संकेत है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलन बताते हैं कि ग्लेशियर का हिस्सा टूटकर नीचे गिरा, जिससे बर्फ, चट्टान, मिट्टी और मलबे का विशाल प्रवाह पैदा हुआ। इसने नदी के प्रवाह को अवरुद्ध किया और बाद में जमा पानी तथा मलबे के दबाव से अचानक विनाशकारी बाढ़ आई। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे घटनाक्रम को केवल सामान्य बाढ़ कहना भूल होगी, यह ग्लेशियर, भूस्खलन, मलबा-प्रवाह और नदी-बाढ़ जैसे अनेक खतरों के एक साथ सक्रिय होने वाली 'बहु-आपदा' का उदाहरण है। इस त्रासदी का सबसे बड़ा संदेश जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वतमाला नहीं, बल्कि एशिया की जल-सुरक्षा का आधार है। तापमान बढ़ने के साथ ग्लेशियर तेजी से पीछे हट रहे हैं और अनेक नई ग्लेशियर झीलें बन रही हैं। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अनुसार हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में लगभग 25,000 ग्लेशियर झीलें हैं और बढ़ता तापमान ग्लेशियर झीलों के फटने यानी (जीएलओएफ) के जोखिम को बढ़ा रहा है। नेपाल में 1920 के दशक से अब तक 90 से अधिक ग्लेशियर झील विस्फोट बाढ़ दर्ज की जा चुकी हैं। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि नेपाल की घटना का एकमात्र कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। भूकंपीय गतिविधियां, भूगर्भीय अस्थिरता, अत्यधिक वर्षा, हिमस्खलन और प्राकृतिक ढलानों की कमजोरी भी महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन इन जोखिमों को बढ़ाने वाली पृष्ठभूमि अवश्य तैयार कर रहा है। गर्म होता हिमालय ग्लेशियरों और पर्वतीय भूभाग को अस्थिर कर रहा है, जिससे ऐसी घटनाओं की संभावित तीव्रता और व्यापकता बढ़ सकती है। वैज्ञानिकों ने भी इस बात पर सावधानी बरती है कि किसी एक घटना को सीधे जलवायु परिवर्तन का परिणाम घोषित करने के बजाय दीर्घकालिक जलवायु और भूगर्भीय बदलावों को साथ देखकर समझना चाहिए। नेपाल की घटना भारत के लिए भी गहरी चेतावनी है। इस चेतावनी से सीख लेने की जरूरत है। उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की ऋषिगंगा आपदा और हिमालयी राज्यों में बार-बार आने वाली बाढ़, भूस्खलन एवं बादल फटने की घटनाएं पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों की सहनशीलता असीमित नहीं है। हिमालय में सड़कें, सुरंगें, जलविद्युत परियोजनाएं, होटल, बस्तियां और अन्य निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के नाम पर तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए पर्वतीय पर्यावरण की वहन क्षमता का पर्याप्त आकलन हो रहा है? विकास जरूरी है, मगर ऐसा विकास जो पहाड़ों को खोखला करके ही संभव हो, अंततः मानव जीवन और स्वयं विकास दोनों के लिए संकट बन सकता है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता 'आपदा के बाद राहत' से आगे बढ़कर 'आपदा से पहले तैयारी' की है। अत्याधुनिक सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन, रडार, नदी सेंसर, ग्लेशियर और ग्लेशियर झीलों की निरंतर निगरानी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पूर्वानुमान प्रणालियों को हिमालयी क्षेत्र में व्यापक स्तर पर विकसित करना होगा। शुरुआती चेतावनी प्रणाली केवल राजधानी या प्रशासनिक केंद्र तक सीमित न रहे, बल्कि पहाड़ के अंतिम गांव तक मोबाइल संदेश, सायरन, रेडियो और स्थानीय स्वयंसेवी तंत्र के माध्यम से पहुंचे। नेपाल में वर्तमान त्रासदी के बाद भी एक और संभावित झील के फटने की आशंका ने स्पष्ट कर दिया है कि एक आपदा समाप्त होते ही दूसरी आपदा का खतरा पैदा हो सकता है। नदियां राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भोटेकोशी जैसी सीमापार नदी प्रणालियों के लिए नेपाल, चीन, भारत और अन्य हिमालयी देशों के बीच वास्तविक समय में जल-प्रवाह, वर्षा, भूस्खलन, ग्लेशियर झील और हिमस्खलन संबंधी सूचनाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। किसी एक देश के पास उपलब्ध महत्वपूर्ण चेतावनी दूसरे देश के नागरिकों की जान बचा सकती है। अतः हिमालय के लिए एक साझा क्षेत्रीय आपदा-पूर्व चेतावनी नेटवर्क विकसित किया जाना चाहिए। भारत को इस दिशा में अपने हिमालयी राज्यों के लिए अलग 'माउंटेन सेफ्टी पॉलिसी' पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क या सुरंग बनाने से पहले भूगर्भीय जोखिम, जलधाराओं के प्राकृतिक मार्ग, भूस्खलन की संभावना और स्थानीय पारिस्थितिकी का वैज्ञानिक मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। अंधाधुंध वृक्ष कटाई, नदी किनारे अनियोजित निर्माण, पहाड़ों की अनावश्यक कटाई और पर्यटन के नाम पर अत्यधिक दबाव को नियंत्रित करना होगा। स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति बनाना होगा, क्योंकि किसी भी संकट में सबसे पहले वही लोग प्रभावित होते हैं और वही सबसे पहले सहायता भी कर सकते हैं। दुनिया को जापान, स्विट्जरलैंड और अन्य पर्वतीय देशों से आपदा-प्रबंधन, भवन सुरक्षा, पूर्व चेतावनी और स्थानीय प्रशिक्षण की तकनीक सीखनी चाहिए। हिमालय को केवल पर्यटन और आर्थिक विकास का क्षेत्र मानना अब पर्याप्त नहीं है इसे एक जीवित, संवेदनशील और अत्यंत नाजुक पारिस्थितिक तंत्र के रूप में देखना होगा। प्रकृति को नियंत्रित करने की मनुष्य की महत्वाकांक्षा जितनी बढ़ेगी, प्रकृति का प्रतिरोध भी उतना ही भयावह हो सकता है। नेपाल की त्रासदी इसलिए केवल शोक मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का क्षण है। हमें यह समझना होगा कि पहाड़ों को जीतना नहीं, उनके साथ जीना सीखना होगा। विकास की गति को प्रकृति की क्षमता के अनुरूप करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना और सीमापार सहयोग बढ़ाना ही भविष्य की राह है। यदि इस त्रासदी से भारत और दुनिया ने समय रहते सबक ले लिया, तो नेपाल में बहा हुआ पानी केवल विनाश की कहानी नहीं रहेगा, वह आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखने की चेतावनी और नई पर्यावरणीय चेतना का संदेश भी बनेगा। -ललित गर्ग

अमेरिका में एकबार फिर हिंदुत्व का जयघोष

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

न्यूयॉर्क में 29 अगस्त को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का संबोधन भारतीय चिंतन की उस व्यापक दृष्टि को सामने लाता है, जिसमें विविधता के बीच मानवता की एकता को आधार माना गया है। 'वन वर्ल्ड, वन ह्यूमैनिटी' अंतरधार्मिक संवाद में भागवत ने धर्म, हिंदुत्व, सामाजिक समरसता, सेवा, राजनीति और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उनके संबोधन की खास बात यह रही कि उन्होंने हिंदुत्व को किसी समुदाय के विरोध अथवा बहिष्कार के विचार से अलग करते हुए मानव गरिमा और सभी पंथों के सम्मान से जोड़ने का प्रयास किया। भागवत ने कहा कि दुनिया में धर्म और संस्कृतियां अनेक हैं। उनकी पूजा पद्धतियां, मान्यताएं और कर्मकांड अलग हो सकते हैं, मगर मनुष्य की मूल पहचान एक है। उन्होंने विविधता को समाप्त करने के बजाय उसे स्वीकार करने, उसका सम्मान करने और उसकी रक्षा करने की बात कही। धर्म के बाहरी स्वरूप और उसके मूल उद्देश्य के अंतर को समझाने के लिए उन्होंने प्रकाश की ओर संकेत करती उंगली का उदाहरण दिया। उनका आशय था कि कर्मकांड व्यक्ति को दिशा देने का माध्यम हैं। यदि मनुष्य माध्यम को ही लक्ष्य मान लेता है, तो धर्म के वास्तविक उद्देश्य से दूर हो जाता है। धर्म का अंतिम उद्देश्य मनुष्य को बेहतर जीवन, उच्च चेतना और मानवीयता की ओर ले जाना है। भागवत के संबोधन में हिंदुत्व को लेकर कही गई बात विशेष ध्यान आकर्षित करती है। उन्होंने 2018 में दिल्ली में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ हुई चर्चा का उल्लेख किया। वहां उनसे पूछा गया था कि आरएसएस हिंदू संगठन है और हिंदू राष्ट्र की बात करता है, तो भारत के मुसलमानों का क्या होगा? क्या उन्हें बाहर कर दिया जाएगा? भागवत ने बताया कि उनका उत्तर था कि ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं है। यह कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है जिसे भागवत भारतीय समाज की व्यापक सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हैं। उनके अनुसार भारत की परंपरा में अलग अलग संप्रदायों के लिए स्थान रहा है और जिन्हें कहीं सुरक्षित आश्रय नहीं मिला, भारत ने उन्हें भी स्थान दिया। भागवत ने सामाजिक और राजनीतिक जीवन में बढ़ते स्वार्थ को बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि जहां 'मैं' और 'मेरा' की भावना है, वहां समाधान नहीं है। 'हम' और 'हमारा' ही समाधान का रास्ता है। राजनीति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति स्वार्थ का खेल बनती जा रही है। ऐसे में परिवर्तन की शुरुआत राजनीति से पहले समाज से होनी चाहिए। लोकतंत्र में राजनीति जनमत पर निर्भर होती है। यदि समाज किसी विचार पर मजबूती से खड़ा हो जाए, तो राजनीतिक नेतृत्व भी उस जनभावना की उपेक्षा नहीं कर सकता। वस्तुतः यह विचार भागवत के संबोधन को एक राजनीतिक भाषण के बजाय सामाजिक परिवर्तन की दिशा में दिए गए आह्वान के रूप में भी स्थापित करता है। सामाजिक समरसता के लिए भागवत ने दो महत्वपूर्ण रास्ते बताए, संवाद और सेवा। उन्होंने कहा कि 2018 के बाद भारत में मुस्लिम और ईसाई समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। संवाद के माध्यम से एक दूसरे को समझने और पूर्वाग्रहों को कम करने का अवसर मिलता है। इसके बाद सेवा की भूमिका आती है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद व्यक्ति की सेवा करते समय स्वयंसेवक उसकी धार्मिक पहचान नहीं देखते। उनके अनुसार समाज के सहयोग से लगभग एक लाख तीस हजार सेवा प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। हरियाणा के दादरी में विमान दुर्घटना का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि मुस्लिम देशों के विमानों से जुड़ी उस दुर्घटना के बाद आरएसएस के स्वयंसेवक राहत और अंतिम संस्कार के कार्यों में जुटे थे। उन्होंने मृतकों की पहचान और उनके परिजनों की सहायता में भी सहयोग किया। भागवत ने इसे सेवा की उस भावना का उदाहरण बताया जिसमें सामने व्यक्ति की धार्मिक पहचान नहीं, उसकी पीड़ा और आवश्यकता होती है। भागवत ने अपने विचारों को भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के उदाहरणों से भी जोड़ा। उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस का उल्लेख किया, जिन्होंने विभिन्न धार्मिक मार्गों का अनुभव किया था। भागवत के अनुसार रामकृष्ण परमहंस ने अलग-अलग रास्तों के अनुभव के बाद यह विचार रखा कि सत्य तक पहुंचने के मार्ग अनेक हो सकते हैं।

सेहत मंत्र

जौ का पानी पीने से खत्म हो जाती है पेट की चर्बी, तेजी से कम होता है शरीर का वजन

हेल्दी और फिट रहने के लिए शरीर का अतिरिक्त वजन कम करना महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त शरीर के वजन से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे मोटापा, हृदय और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। लेकिन वजन कम करना आसान नहीं है, लोग वजन कम करने के लिए विभिन्न तरीकों और तकनीक का पालन करते हैं। वे अतिरिक्त वजन कम करने के लिए कठिन कसरत दिनचर्या और आहार योजना का पालन करते हैं। दुर्भाग्य से, बहुत से लोग ऊब गए या निराश हो गए क्योंकि इन विधियों और तकनीकों का पालन करना काफी कठिन है। अगर आप आसानी से वजन कम करना चाहते हैं तो जौ का पानी आपके लिए फायदेमंद है। यह फाइबर का समृद्ध स्त्रोत है जो आपको अधिक समय तक भरा रखता है। शरीर से अत्यधिक वजन कम करने के लिए एक गिलास जौ का पानी फायदेमंद होता है। जौ का पानी फाइबर का अच्छा स्त्रोत है। पर्याप्त फाइबर आपके पेट को अधिक समय तक भरा-भरा रखता है और जंक फूड की क्रेविंग को कम करता है। इसलिए, लंबे समय तक भरा हुआ पेट आपको वजन कम करने में मदद करता है। बेहतर परिणामों के लिए नियमित रूप से एक गिलास जौ के पानी का सेवन करें। जौ के पानी का सेवन आसानी से मल त्याग सुनिश्चित करता है और पाचन तंत्र को मजबूत करता है। इसके अलावा, यह कब्ज और दस्त जैसे पेट की बीमारी को भी रोकता है। जौ के पानी में कुछ कैलोरी होती हैं। जब जौ को पानी में भिगोया जाता है, तो कैलोरी की गिनती अपने आप गिर जाती है। बेहतर परिणामों के लिए, सॉफ्ट ड्रिंक्स के बजाय एक गिलास जौ के पानी का सेवन करें। कुछ जौ उबालें जब तक कि वे नरम न हो जाएं। अब, इसे निचोड़ कर पानी इकट्ठा कर लें। आपको बता दें, वजन कम करने के लिए जौ का पानी फायदेमंद है क्योंकि यह फाइबर का अच्छा स्त्रोत है और इसमें बहुत कम कैलोरी होती है।

धर्म मंत्र

अपार धन और जीवन की समस्त खुशियां देता है श्रीगणेश का यह चमत्कारी स्तोत्र

भगवान श्रीगणेश की आराधना सर्वदा फलदायी मानी गई है। प्रथम पूज्य देव को प्रिय यह संतान गणपति स्तोत्र लक्ष्मी और संतान दोनों देता है, साथ ही सभी कार्यों को सिद्ध करने वाला माना गया है। इस स्तोत्र को प्रतिदिन अथवा बुधवार को जपने से जीवन में सर्वसुख संपदा के साथ ही जिन्हें संतान न हो, उन्हें संतान देकर समस्त खुशियों को उनकी झोली में डाल देता है। यह स्त्रोत इतना चमत्कारी हैं कि मनुष्य का भाग्य बदलते देर नहीं लगती।

नमोस्तु
गणनाथाय सिद्धी बुद्धि युताय च।
सर्वप्रदाय देवाय पुत्र वृद्धि प्रदाय च।।
गुरु दराय गुरवे गोप्त्रे गुह्यासिताय ते।
गोप्याय गोपिताशेष भुवनाय चिदात्मनें।।
विश्व मूलाय भव्याय विश्वसृष्टि करायते।
नमो नमस्ते सत्याय सत्य पूर्णाय शुण्डिनें।।
एकदन्ताय शुद्धाय सुमुखाय नमो नमः।
प्रपन्न जन पालाय प्रणतार्ति विनाशिने।।
शरणं भव देवेश सन्तति सुदृढ़ां कुरु।
भविष्यन्ति च ये पुत्रा मत्कुले गण नायक।।
ते सर्वे तव पूजार्थ विरताः स्युः वरो मतः।
पुत्रप्रदमिदं स्तोत्रं सर्व सिद्धि प्रदायकम्।।

पर्यटन

मणिशंकर की वापसी के निहितार्थ पिथौरागढ़ आये हैं तो चौकोरी जरूर जाएं, खूबसूरती आपका मनमोह लेगी

दिल्ली से 530 किमी दूर उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले की बेरीनाग तहसील में स्थित चौकोरी एक छोटा सा पहाड़ी नगर है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 2010 मीटर है। चौकोरी के उत्तर में तिब्बत और दक्षिण में तराई क्षेत्र है। यह जगह भी पश्चिमी हिमालय की पर्वत श्रृंखला के पास स्थित है। कहते हैं देखने में सभी हिल स्टेशन एक जैसा होता है लेकिन हर पहाड़ की अपनी खूबसूरती होती है अगर बात चौकोरी की जाए तो उनकी बात ही अलग है एक तरफ जहां हरियाली से लकदक ऊंचे पहाड़ है तो दूसरी ओर बर्फ से ढकी पहाड़ियां। सूरज की लालिमा इन बर्फ से ढके पहाड़ों पर पड़ती है तो लगता है मानों हम स्वर्ण देश में आ गए हैं। यहां का हर नजारा दिल को सुकून पहुंचाता है। शांत शीतल हवा शरीर में नई सुफूर्ति का संचार करती है। चौकारी की खूबसूरती को बयां करती। चौकोरी की सुंदरता में मक्के के खेत और फल चार चांद लगाते हैं। चौकोरी में आने वाले यात्री उल्का देवी मंदिर में आकर नतमस्त हो सकते हैं। पिथौरागढ़-चंडक मोटर मार्ग पर टूरिस्ट रेस्टहाउस के पास यह मंदिर स्थित है। इसी तरह घनसेरा देवी मंदिर में विभिन्न भगवानों की पत्थर पर बनी सुंदर नक्काशी देखी जा सकती है। पटल भुवनेश्वर : पास के गाँव भुवनेश्वर में समुद्रतल से 1350मी. ऊपर स्थित पटल भुवनेश्वर, एक गुफा में बना हुआ मंदिर है। चूंकि प्राथमिक रूप से यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है, लेकिन ऐसा माना जाता है कि इस गुफा में 33करोड़ देवी-देवताओं का निवास है। गंगोलीहाट : गंगोलीहाट जगह हाट कलिका मंदिर नामक सिद्धपीठ के लिये प्रसिद्ध है। इस सिद्ध पीठ की स्थापना आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा की गयी। हाट कलिका देवी रणभूमि में गए जवानों की रक्षक मानी जाती है। धरमघरः धरमघर चौकोरी से 9 किमी दूर है। गांधी जी के पगचिन्हों पर चलने वाली सरला बहन ने अपनी जिन्दगी के अन्तिम कुछ पल यहां पर ही गुजारे थे। धरमनगर में हिमदर्शन के नाम सरला बहन का एक कुटीर है। यहां से हिमालय पर्वत के चोटियों का नजारा दिखाई देता है।

भवन खड़े, बजट खर्च, फिर भी आरआरसी और अन्नपूर्णा भवनों पर जड़ा ताला!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा, बाराबंकी। सरकारी योजनाओं में पैसा खर्च हुआ, भवन तैयार हुए और कहीं-कहीं उद्घाटन की औपचारिकता भी पूरी हो गई, लेकिन जिन सुविधाओं के लिए ये भवन बनाए गए थे, उनका लाभ ग्रामीणों को कब मिलेगा–इसका जवाब किसी के पास नहीं है। विकासखंड निंदूरा की 88 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता और ग्रामीण सुविधाओं को मजबूत करने के लिए बनाए गए आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) और अन्नपूर्णा भवन अब संचालन की बाट जोह रहे हैं। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इन परिसंपत्तियों का समुचित उपयोग न होने से सरकारी धन की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कूड़ा उठाने के वाहन खरीदे, फिर भी घरों तक नहीं पहुंच रही व्यवस्था

ग्राम पंचायत मोहसंड, अनवारी और घूंघटेर समेत कई पंचायतों में कूड़ा संग्रह के लिए वाहन भी खरीदे गए हैं। इसके बावजूद ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश स्थानों पर घर-घर से नियमित कूड़ा उठाने की व्यवस्था अब भी प्रभावी नहीं है। ऐसे में कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए बनाए गए आरआरसी केंद्र अपने उद्देश्य से दूर नजर आ रहे हैं।

निंदूरा की 88 ग्राम पंचायतों में सरकारी योजनाओं की हकीकत पर सवाल, संचालन के अभाव में बेकार हो रहे लाखों-करोड़ों के संसाधन

आरआरसी केंद्रों का मकसद गांवों से निकलने वाले कचरे को एकत्र कर उसका व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना है। प्रत्येक केंद्र पर लाखों रुपये खर्च किए गए हैं। विकासखंड की 88 ग्राम पंचायतों में इस तरह की व्यवस्था खड़ी करने में बड़ी सरकारी धनराशि लगी है, लेकिन कई केंद्रों का नियमित संचालन न होना सवाल खड़े करता है कि आखिर इनका लाभ ग्रामीणों को कब मिलेगा?

कहीं औपचारिकता तो कहीं रखरखाव का संकट

स्थानीय स्तर पर कुछ आरआरसी केंद्रों के नियमित उपयोग न होने और जरूरत के समय कूड़ा एकत्र कर केवल फोटो खींचकर औपचारिकता पूरी किए जाने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। हालांकि इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। वहीं लंबे समय तक उपयोग और देखरेख के अभाव में कुछ केंद्रों की हालत बिगड़ने की बात भी कही जा रही है। कई कूड़ा घरों के गेट तक गायब होने की चर्चा है।

सवाल सीधा है–जब करोड़ों रुपये खर्च कर संसाधन तैयार कर दिए गए तो उनका नियमित संचालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?

अन्नपूर्णा भवन बने, लेकिन जरूरतमंदों तक सुविधा नहीं पहुंची

आरआरसी केंद्रों की कहानी यहीं खत्म नहीं होती। ग्राम पंचायत मोहसंड, बहरौली, महोलिया और सैंदर समेत अन्य स्थानों पर लाखों रुपये की लागत से बनाए गए अन्नपूर्णा भवन भी लंबे समय से संचालन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कुछ भवनों का उद्घाटन हुए एक वर्ष से अधिक और कुछ को बने करीब दो वर्ष तक का समय होने की बात सामने आ रही है, लेकिन कई जगह नियमित संचालन शुरू नहीं हो सका है।

उपयोग के अभाव में भवनों की हालत पर भी असर पड़ने लगा है। कहीं फर्श खराब होने की शिकायत है तो कहीं रखरखाव का अभाव नजर आ रहा है। यानी सरकारी धन से भवन तो खड़े हो गए, लेकिन उनका उद्देश्य अभी भी अधूरा है।

बाबू जी बोले–संचालन नहीं हुआ तो टूटेगा जनता का भरोसा

क्षेत्र के 74 वर्षीय रामस्वरूप चौहान उर्फ बाबू जी कहते हैं, ञ्आरआरसी केंद्र और अन्नपूर्णा भवन की योजना बहुत अच्छी है, लेकिन इसका लाभ तभी मिलेगा जब जमीन पर इनका संचालन हो। यदि इसी तरह संचालन ठप रहा तो जनता का भरोसा भी सरकार से डगमगा सकता है।ङ्क

अब जांच नहीं, जवाबदेही की जरूरत

सरकारी योजनाओं की सफलता भवन बनाने में नहीं, बल्कि उनके नियमित संचालन और जनता तक लाभ पहुंचाने में है। ऐसे में अब जरूरत है कि विकासखंड की सभी 88 ग्राम पंचायतों में बने आरआरसी केंद्रों और अन्नपूर्णा भवनों की भौतिक एवं संचालन संबंधी समीक्षा कराई जाए। प्रशासन यह स्पष्ट करे कि कितने केंद्र और भवन नियमित संचालित हैं, कितने बंद पड़े हैं, उन पर कितना सरकारी धन खर्च हुआ और बंद पड़े केंद्रों को चालू करने की समयसीमा क्या है।

क्योंकि सवाल सिर्फ बंद पड़े भवनों का नहीं, बल्कि उस सरकारी धन का है जो जनता की सुविधा के लिए खर्च किया गया था।

चार दिन से स्कूल के तालाब में मगरमच्छ, दहशत में नौनिहाल, जिम्मेदारों की लापरवाही पर सवाल

बाउंड्रीवॉल के लिए बार-बार मांग के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई, अब बैनर लगाकर बच्चों की सुरक्षा का दावा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा, बाराबंकी। विकासखंड निंदूरा की ग्राम पंचायत खरिहानी के सेमरी गांव स्थित परिषदीय विद्यालय के पास तालाब में चार दिनों से मगरमच्छ की मौजूदगी ने नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारों की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विद्यालय की बाउंड्रीवॉल नहीं होने से तालाब का पानी स्कूल के बिल्कुल करीब तक पहुंचा हुआ है। मगरमच्छ की मौजूदगी के बावजूद बच्चे विद्यालय आने को मजबूर हैं, जबकि कई अभिभावक डर के कारण बच्चों को स्कूल भेजने से कतरा रहे हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक तालाब में मगरमच्छ दिखाई देने की सूचना वन विभाग, पुलिस और प्रशासन को दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन तालाब में पानी और गहराई अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिली। टीम निगरानी कर रही है, लेकिन चार दिन बाद भी मगरमच्छ पकड़ा नहीं जा सका है।

सवाल यह है कि अगर मगरमच्छ स्कूल की ओर बढ़ा तो जिम्मेदारी किसकी होगी?

विद्यालय में छोटे-छोटे बच्चे पढ़ते हैं और स्कूल के पास ही मगरमच्छ की मौजूदगी बनी हुई है। ऐसे में किसी अनहोनी का इंतजार करने के बजाय तत्काल सुरक्षा उपाय किए जाने की जरूरत है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विद्यालय में बाउंड्रीवॉल होती तो बच्चों का तालाब की ओर पहुंचना काफी हद तक रोका जा सकता था।

बार-बार मांग, फिर भी बाउंड्रीवॉल नहीं

ग्राम प्रधान उदयराज सिंह ने बताया कि विद्यालय की बाउंड्रीवॉल बनवाने के लिए ब्लॉक और जिला स्तर पर कई बार मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक निर्माण नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी मांग पर आखिर अब तक जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान क्यों नहीं दिया।

प्रधानाध्यापिका शालिनी सिंह ने बताया कि बाउंड्रीवॉल न होने के कारण तालाब का पानी स्कूल के पास तक भरा है। मगरमच्छ की वजह से बच्चों और अभिभावकों में भय का माहौल है और कई बच्चे स्कूल आने से कतरा रहे हैं।

बैनर लगा दिया, मगर खतरा जस का तस

मगरमच्छ की मौजूदगी के बाद विद्यालय की दीवार पर चेतावनी बैनर लगा दिया गया है। इसमें बच्चों और ग्रामीणों को तालाब से दूर रहने की सलाह दी गई है। लेकिन सवाल यह है कि छोटे बच्चों की सुरक्षा केवल चेतावनी बैनर के भरोसे कैसे छोड़ी जा सकती है? जब तक मगरमच्छ पकड़ा नहीं जाता और विद्यालय की बाउंड्रीवॉल नहीं बनती, तब तक खतरा बना रहेगा।

वन विभाग का दावा–जल्द पकड़ा जाएगा

वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि टीम लगातार मगरमच्छ की निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा गया है। तालाब गहरा होने के कारण मगरमच्छ बाहर नहीं निकल रहा है। उसे जल्द पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अभिभावकों की मांग है कि बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मगरमच्छ को तत्काल पकड़ा जाए और विद्यालय में बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया जाए, ताकि किसी हादसे के बाद जिम्मेदारों के जागने की नौबत न आए।

नल पर पानी भरने गई 13 वर्षीय किशोरी को सांप ने डसा, मौत

मसौली, बाराबंकी। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के बुधेड़ा गांव में रविवार सुबह घर में लगे नल पर पानी भरने गई 13 वर्षीय किशोरी को जहरीले सांप ने डस लिया। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागांव लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बुधेड़ा निवासी आशाराम की 13 वर्षीय बेटी खुशबू रविवार सुबह घर में लगे नल से पानी भरने गई थी। इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने डस लिया। जानकारी होने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी बड़ागांव पहुंचे। चिकित्सा अधिकारी डॉ. केतन आनंद ने जांच के बाद किशोरी को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर मसौली पुलिस मौके पर पहुंची।

सरयू की कटान से बबुरी में दहशत, कई मकान कटान के मुहाने पर खेतों की फसल नदी में समाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। सरयू नदी का जलस्तर कम होने के साथ ही अलीनगर-रानीमऊ तटबंध के अंदर बसे बबुरी गांव के पास कटान तेज हो गई है। नदी की तेज धारा खेतों को काटकर गन्ने और धान की फसलों को अपने साथ बहा रही है। कटान बढ़ने से गांव के कई मकान भी खतरे की जद में पहुंच गए हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

रविवार को स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बाढ़ खंड विभाग ने बचाव कार्य तेज कर दिया। तिगोड़िया क्षेत्र में परक्यूपाइन पॉइंट लगाए जा रहे हैं और इनमें पत्तियों व झाड़-झंखाड़ को बांधकर नदी किनारे डाला जा रहा है। विभाग का दावा है कि यह प्रयोग कारगर साबित हो रहा है और फिलहाल किसी मकान को नुकसान नहीं पहुंचा है। उपजिलाधिकारी अनिल कुमार सरोज के निर्देश पर राजस्व निरीक्षक और लेखपाल अवधेश शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और कटान की स्थिति का जायजा लिया। बाढ़ खंड के अवर अभियंता राहुल कुमार ने बताया कि कटान रोकने के लिए परक्यूपाइन पॉइंट लगाए जा रहे हैं और टीम लगातार निगरानी कर रही है। सहायक अभियंता तनु श्रीवास्तव ने बताया कि गांव की ओर कटान काफी हद तक नियंत्रित हो गई है, जबकि खेतों की ओर अभी हल्की कटान जारी है। उसे रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गरीब मरीजों के लिए विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 400 से अधिक मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

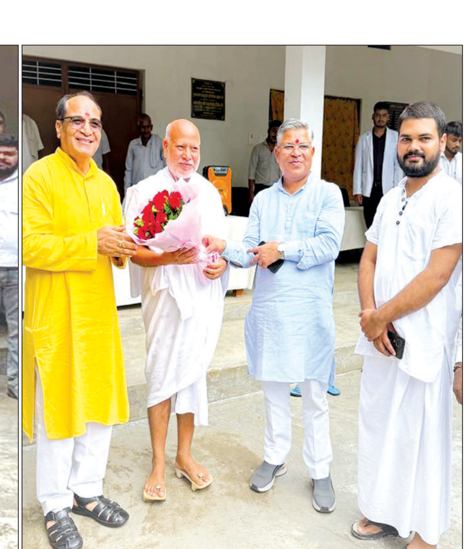

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली, बाराबंकी। नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन अवध प्रांत शाखा बाराबंकी, श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास तथा आरोग्य भारती बाराबंकी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को श्री संतकबीर मठ, मुंजा में गरीब एवं निर्धन मरीजों के लिए विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 400 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

शिविर की अध्यक्षता संत निष्ठा साहब जी महाराज ने की। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल किशोर तथा विशिष्ट अतिथि कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ के निदेशक एवं नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय बौद्धिक प्रमुख डॉ. एमएलबी भट्ट रहे। दीप प्रज्वलन के बाद मां भारती, स्वामी विवेकानंद, भगवान धन्वंतरि एवं संत कबीर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

शिविर में कार्डियोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक सर्जन, जनरल सर्जन, नेत्र सर्जन एवं बाल रोग विशेषज्ञों सहित बड़ी संख्या में चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मियों ने मरीजों की जांच की। मरीजों की निःशुल्क रक्त जांच और ईसीजी भी किया गया।

कार्यक्रम के संयोजन में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के जिला महासचिव डॉ. रोहित प्रसाद की प्रमुख भूमिका रही। जिला अध्यक्ष डॉ. रोहित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. अमित वर्मा, आरोग्य भारती के सहसंयोजक अभिषेक बाजपेई तथा कबीरमठ के कार्यकर्ता प्रांजल सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

शिविर में आए ऐसे मरीज, जिनके ऑपरेशन की आवश्यकता है, उनके निःशुल्क ऑपरेशन जिला चिकित्सालय बाराबंकी तथा संगठन से जुड़े चिकित्सकों के निजी अस्पतालों में कराए जाएंगे। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी, भाजपा पदाधिकारी, चिकित्सक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाईवे पार कर रही महिला को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह लोधे सिंह पुरवा गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से करीब 64 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। लोधे सिंह पुरवा निवासी तुलसीराम की पत्नी सरस्वती देवी रविवार सुबह धान की फसल देखने खेत जा रही थीं। हाईवे पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। ग्रामीणों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामसनेहीघाट पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दयाशंकर द्विवेदी ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मां को बचाने पहुंची नौ वर्षीय बच्ची पर धारदार हथियार से हमला,पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव सबलपुर खास में घर में घुसकर महिला से मारपीट और उसे बचाने पहुंची नौ वर्षीय बच्ची पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है पीड़िता सरस्वती पत्नी राजकमल की तहरीर पर पुलिस ने ओमप्रकाश, सर्वेश, सकटे लाल, पारुल और सोना श्री के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है पीड़िता के अनुसार, 27 अगस्त को वह घर पर अकेली थी आरोप है कि गांव का ओमप्रकाश घर में घुस आया और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट करने लगा शोर सुनकर उसकी नौ वर्षीय बेटी परी मां को बचाने पहुंची आरोप है कि इसी दौरान ओमप्रकाश ने बच्ची के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ी आरोप है कि इसके बाद ओमप्रकाश ने अन्य आरोपियों को बुला लिया और सभी ने घर में घुसकर सरस्वती व उसके पति के साथ मारपीट की पीड़िता ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांचों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

तीसरे दिन नहर में मिला ग्रामीण का शव, परिजनों में मचा कोहराम हाईवे के पुल से बड़ी नहर में छलांग लगाने के बाद हुआ था लापता, बंडा थाना क्षेत्र में बरामद हुआ शव

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूरनपुर हाईवे स्थित बड़ी नहर में छलांग लगाने के बाद लापता हुए गजरौला थाना क्षेत्र के ग्रामीण महेंद्र का शव तीसरे दिन शाहजहांपुर के बंडा थाना क्षेत्र में नहर से बरामद हुआ शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बताया गया कि गजरौला थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र शुक्रवार को हाईवे स्थित बड़ी नहर के पुल के पास पहुंचे थे इसी दौरान उन्होंने नहर में छलांग लगा दी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नहर किनारे से उनकी बाइक व अन्य सामान बरामद किया इसके बाद पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से नहर में उनकी तलाश शुरू कराई काफी प्रयास के बावजूद शनिवार तक महेंद्र का कोई सुराग नहीं लग सका रविवार को तीसरे दिन शाहजहांपुर के बंडा थाना क्षेत्र में नहर से एक शव बरामद होने की सूचना मिली सूचना पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान महेंद्र के रूप में की, जिसके बाद परिवार में मातम छा गया कोतवाली प्रभारी पवन कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है शव का पोस्टमार्टम बंडा पुलिस द्वारा कराया जाएगा घटना के कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप, देश को भाजपा-संघ मुक्त करने का आह्वान

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों पर भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सरकारी व्यवस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि देश में बदलाव जरूरी है और जनता को भाजपा-संघ मुक्त भारत के लिए आगे आना चाहिए। रणधीर सिंह सुमन ने राम मंदिर निर्माण में भूमि खरीद से लेकर निर्माण और चंदे तक में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उद्घाटन के कुछ दिनों बाद ही सड़क पर गड्ढे दिखाई देने लगे। पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और सरकारी भर्तियों में कमी को लेकर भी उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक के जरिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है और बेरोजगार युवाओं को कम वेतन पर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है और भ्रष्टाचार के कारण आम जनता परेशान है। पार्टी ने जनता से आह्वान किया कि देश को भाजपा और संघ मुक्त करने के लिए 1 सितंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचें।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य परिषद सदस्य प्रवीण कुमार, सचिव बृजमोहन वर्मा, कोषाध्यक्ष शिव दर्शन वर्मा, किसान सभा अध्यक्ष विनय कुमार सिंह सहित मुनेश्वर, प्रेमचंद वर्मा, रामनरेश वर्मा, सच्चिदानंद श्रीवास्तव, दीपक शर्मा, संदीप तिवारी, अजय वर्मा, एआईएसएफ जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, जमीलुर्रहमान, जितेंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बड़ागांव में स्वास्थ्य शिविर, 175 मरीजों की हुई जांच

मसौली, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। आजाद हॉस्पिटल बिजनौर लखनऊ के तत्वावधान में रविवार को पंचायत भवन बड़ागांव स्थित सीएचसी सभागार में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 175 मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य परामर्श दिया और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं।

शिविर का शुभारंभ ग्राम प्रधान नूरफातिमा ने स्वयं स्वास्थ्य जांच कराकर किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे शिविरों से लोगों को उनके घर के पास नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलती हैं। समय पर बीमारी की पहचान और उपचार से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. विमल कुमार पाण्डेय और डॉ. मो. मुबारक ने मरीजों की जांच की। शिविर में स्टाफ नर्स निधि चौहान, ममता, आस्था सिंह, फार्मासिस्ट मो. सलीम, मार्केटिंग हेड सैय्यद मुहीउद्दीन, कैंप इंचार्ज मो. कासिफ और सहायक आरएन यादव का सहयोग रहा। मार्केटिंग हेड सैय्यद मुहीउद्दीन ने बताया कि आजाद हॉस्पिटल 'स्वस्थ भारत, सशक्त भारत' की दिशा में कार्य कर रहा है तथा आयुष्मान कार्ड धारकों को कैशलेस सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद, क्षेत्र पंचायत सदस्य शाहिद अली समेत कृष्ण कुमार गुप्ता, कल्लू यादव, फुरकान खान, मतीन अंसारी, आजमी किदवई आदि मौजूद रहे।

टी20 कप्तानी से हटाए जाने पर सूर्यकुमार यादव को हुआ था आश्चर्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने विश्व कप जिताने के बाद कप्तानी से हटाए जाने पर हुई निराशा के बारे में कहा कि करीब दो महीने तक वह इस फैसले को समझने की कोशिश करते रहे। सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाने के साथ ही ब्रिटेन दौरे के लिए भी टी20 टीम में जगह नहीं मिली, जबकि श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बनाया गया। सूर्यकुमार ने बताया कि वह करीब 40-50 दिन तक घर पर रहे और उनके मन में क्रिकेट को लेकर कई सवाल चल रहे थे। उन्होंने कहा, ''मैं सोच रहा था कि अब क्या करूं? क्या मुझे खेलना भी है या नहीं?'' उन्होंने कहा, '' इस दौरान मेरी पत्नी ने मुझे याद दिलाया कि मैंने 20 साल पहले क्रिकेट खेलना क्यों शुरू किया था और

उसी जुनून को फिर से जगाने की सलाह दी। भारत के प्रमुख टी20 बल्लेबाजों में शामिल 35 वर्षीय सूर्यकुमार ने 113 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 3,272 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 162.94 और औसत 36.35 है। टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। इसके बाद 42 पारियों में उन्होंने 932 रन बनाए हैं और इस दौरान सिर्फ छह अर्धशतक लगाए हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि टीम में जगह नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी भावनाओं पर काबू रखा और इसे मुस्कुराकर स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ''मैंने पिछले दो वर्षों में जब भी दबाव का सामना किया और चीजें मेरे मुताबिक नहीं रहीं, तब भी मुस्कुराने की कोशिश की।'' कप्तानी से हटाए जाने पर उन्होंने कहा, ''मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैं अगले दो साल तक टीम को आगे ले जाने और फिर ओलंपिक तथा अगले टी20 विश्व कप की तैयारी करने की योजना बना रहा था। उन्होंने हालांकि श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने के फैसले का सम्मान किया। सूर्यकुमार ने कहा, ''मैंने श्रेयस के साथ काफी क्रिकेट खेली है। वह अच्छे खिलाड़ी, अच्छे इंसान और अच्छे कप्तान हैं। उन्होंने कहा, ''हां, मैं थोड़ा निराश था, क्योंकि दो साल में हमने एक भी श्रृंखला नहीं गंवाई थी और विश्व कप तथा एशिया कप भी जीता था। ऐसे में मेरे मन में यही चल रहा था कि अगर सब अच्छा चल रहा है तो बदलाव क्यों हुआ?

मेस्सी ने दागे चार गोल, इंटर मियामी ने सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से रौंदा

एजेंसी

मियामी। दिग्गज लियोनेल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में पहली बार एक मैच में चार गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने शनिवार को सीएफ मॉन्ट्रियल को 7-1 से करारी शिकस्त दी। मेस्सी ने इस दौरान दूसरे हाफ में तीन गोल किये और एक गोल में मदद की। इंटर मियामी ने 20वें मिनट में तेलास्को सेगोविया के कॉर्नर पर कार्लोस कासेमिरो के हेडर की मदद से बढ़त बनाई लेकिन मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में फैबियन हर्बर्स के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने अपना कमाल दिखाना शुरू किया। उन्होंने 40वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके इंटर मियामी को 2-1 से आगे कर दिया। यह मौजूदा सत्र में उनका 15वां गोल था। दूसरे हाफ में मेस्सी ने 52वें मिनट में एक और गोल कर टीम की बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद 80वें मिनट में मेस्सी की मदद से लुइस सुआरेज ने गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। मेस्सी ने

83वें मिनट में अपना तीसरा गोल करके स्कोर 5-1 कर दिया। 89वें मिनट में 18 वर्षीय रूकी अलेक्जेंडर शॉ ने अपना पहला गोल करते हुए इंटर मियामी की बढ़त 6-1 कर दी। इंजरी टाइम के छठे मिनट में मेस्सी ने फ्री-किक पर अपना चौथा गोल दागकर टीम को 7-1 की शानदार जीत दिलाई।

पुखराज गिल जकार्ता में संयुक्त 19वें स्थान के साथ एशियाई टूर कार्ड के करीब पहुंचे

एजेंसी

जकार्ता। भारतीय गोल्फर पुखराज सिंह गिल ने 'एशियन डेवलपमेंट टूर (एडीटी)' के 'सिपुत्रा गोल्फप्रेन्योर टूर्नामेंट' में संयुक्त 19वें स्थान पर रहते हुए 2027 के एशियाई टूर कार्ड हासिल करने की अपनी उम्मीद मजबूत कर ली है। आईजीपीएल (इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग) टूर के ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेता गिल अब एडीटी 'ऑर्डर ऑफ मेरिट (सत्र की समग्र तालिका)' में नौवें स्थान पर हैं। सत्र में अब केवल एक टूर्नामेंट बाकी है और शीर्ष 10 खिलाड़ियों को अगले साल के एशियाई टूर के कार्ड मिलेंगे। गिल ने रविवार को चौथे दौर में 69 का कार्ड खेला किया और कुल 15 अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। उन्होंने इससे पहले तीन दौर में 70, 66 और 68 का स्कोर किया था। पिछले साल आईजीपीएल के एक अन्य

खिलाड़ी करनदीप कोचर ने भी इसी रास्ते से एशियन टूर कार्ड हासिल किया था और वह अब एशियाई टूर पर खेल रहे हैं। गिल के अलावा भारत के खलीन जोशी संयुक्त 10वें स्थान पर रहे। उन्होंने 66, 68, 69 और 67 का स्कोर किया। अमन राज 67, 69, 70 और 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 37वें, जबकि कार्तिक सिंह 72, 70, 66 और 69 के स्कोर के साथ संयुक्त 32वें स्थान पर रहे। एन. अर्जुन प्रसाद और सार्थक चिब्बर कट में जगह नहीं बना सके।

फ़ेडरर 'हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल, भाषण के दौरान कई बार छलके आंसू

एजेंसी

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फ़ेडरर शनिवार को इंटरनेशनल टेनिस 'हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल किए जाने के दौरान भावुक हो गए।

बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले फ़ेडरर अपने करीब 30 मिनट के भाषण के दौरान कई बार रो पड़े। पत्नी मिर्का का जिक्र करते हुए तो उनके आंसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे थे। मिर्का के स्वागत-परिचय भाषण के बाद फ़ेडरर को मंच पर बुलाया गया। उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि उन्हें इस समय रूमाल और धूप के चश्मे की जरूरत है, लेकिन आंसुओं को रोकना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। पैंतालिस वर्षीय फ़ेडरर ने मंच पर आते ही कहा, ''यह बहुत ऊंचे स्तर का है और इसके बाद बोलना आसान नहीं होगा।'' इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में पत्नी मिर्का से कहा, ''पता नहीं, आपने चुपके से इसकी तैयारी तो नहीं की

थी? फ़ेडरर ने इस दौरान अपने बचपन के आदर्श स्टीफन एडबर्ग और लंबे समय तक उनके कोच रहे सेवेरिन लुथी को याद किया। 'स्विस मैस्ट्रो' के नाम से मशहूर फ़ेडरर ने अपने शानदार करियर में आठ विंबलडन, छह ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक फ्रेंच ओपन खिताब जीता। वह लगातार 237 सप्ताह तक एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी रहे। वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले केवल आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2004 से 2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन खिताब जीते और 10 लगातार ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे, जिनमें से आठ में उन्होंने जीत हासिल की। फ़ेडरर 'हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल होने वाले 272वें सदस्य बने। उन्होंने कहा, ''टेनिस के इतिहास में खुद को इस स्थान पर देखना मेरे लिए बेहद खास है। इस खेल की समृद्ध विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। फ़ेडरर के साथ पूर्व खिलाड़ी और प्रसारक मैरी कैरिलो को भी 'हॉल ऑफ फ़ेम' में शामिल किया गया। 'हॉल ऑफ फ़ेम' में पहले से शामिल बिली जीन किंग ने उनका परिचय दिया। कैरिलो ने कहा, '''हॉल ऑफ फ़ेम' के इन दिग्गजों के बीच खड़े होकर सम्मानित होना मेरे सपने से भी बढ़कर है। बिली जीन किंग ने 69 वर्षीय कैरिलो की तारीफ करते हुए कहा, ''उन्होंने खेल पत्रकारिता में अपनी जगह बनाई है और न्यूपोर्ट में भी अपना स्थान अर्जित किया है।

वित्त मंत्रालय 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारी 12 अक्टूबर से शुरू करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय पश्चिम एशिया संकट और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं तथा खाद्य एवं ईंधन की ऊंची कीमतों के बीच 12 अक्टूबर से वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट की तैयारी शुरू करेगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी बजट परिपत्र में कहा गया है कि व्यय सचिव की अध्यक्षता में बजट-पूर्व बैठकें 12 अक्टूबर से शुरू होंगी। वित्तीय सलाहकार सुनिश्चित करेंगे कि छह अक्टूबर तक या उससे पहले केंद्रीय बजट सूचना प्रणाली (यूबीआईएस) में जरूरी जानकारियां सही तरीके से दर्ज कर दी जाएं। बजट परिपत्र के मुताबिक अगले वित्त वर्ष 2027-28 के केंद्रीय बजट में आर्थिक वृद्धि तेज करने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने और रोजगार सृजन तथा घरेलू मांग बढ़ाने के उपायों पर ध्यान दिए जाने की उम्मीद है।

बजट पूर्व बैठकें नवंबर के मध्य तक जारी रहेंगी। परिपत्र में कहा गया है कि निर्धारित प्रारूप में आंकड़ों की प्रतियां भी सत्यापन के लिए जमा करनी होंगी। परिपत्र में कहा गया कि बजट-पूर्व बैठकों के पूरा होने के बाद 2027-28 के बजट अनुमान और 2026-27 के संशोधित अनुमान को अस्थायी रूप से अंतिम रूप दिया जाएगा। परिपत्र में कहा गया कि बजट-पूर्व बैठकों में विस्तृत चर्चा के बाद मंत्रालयों और विभागों को प्रारंभिक व्यय सीमा की जानकारी दी जाएगी। सरकार की व्यय प्राथमिकताओं और राजस्व अनुमान को ध्यान में रखते हुए अंतिम व्यय सीमा मंत्रालय द्वारा तय की जाएगी।

परमाणु क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाए डीएई: टीसीई

एजेंसी

मुंबई। देश के परमाणु कार्यक्रम से पांच दशक से अधिक समय से जुड़ी टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित शर्मा ने कहा कि कंपनी का मानना है कि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) को अब अपने रणनीतिक उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और ऊर्जा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के साथ अधिक काम करना चाहिए। टीसीई के प्रबंध निदेशक अमित शर्मा ने कहा कि मुंबई मुख्यालय वाले डीएई को अपने सरकारी क्षेत्र के अंतरिक्ष समकक्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से सीख लेनी चाहिए, जिसने निजी क्षेत्र के विकास की गति तेज करने में मदद की है। शर्मा ने कहा, ''डीएई का गठन राष्ट्रीय रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किया गया था, बिजली पैदा करने के लिए नहीं। उसे अपनी मूल पहचान बरकरार रखनी चाहिए और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में निजी क्षेत्र को पूरी तरह काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि

मुंबई स्थित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) की प्रयोगशालाओं जैसी सुविधाएं निजी क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि वे अपनी अवधारणाओं का परीक्षण कर सकें। चीन, अमेरिका और दक्षिण कोरिया समेत कई अन्य देश पहले ही संरचित पहल के जरिये ऐसा कर रहे हैं। कंपनी का मानना है कि 'शांति' अधिनियम पारित होने के बाद परमाणु क्षेत्र में कारोबार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा हुए हैं। इस कानून में परमाणु दुर्घटनाओं से जुड़ी दायित्व संबंधी चिंताओं को दूर किया गया है। शर्मा ने कहा कि टीसीई जटिल परमाणु बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन और अन्य कार्यों में जेएसडब्ल्यू, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज समूह समेत कई कंपनियों और समूहों के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि टीसीई के मौजूदा 3,000 करोड़ रुपये के राजस्व में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब दो प्रतिशत है। निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ने के साथ वित्त वर्ष 2029-30 के अंत तक इसके बढ़कर पांच से छह प्रतिशत होने की उम्मीद है।

गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों की समीक्षा हो: जीटीआरआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। आर्थिक शोध संगठन ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) की समीक्षा का सुझाव दिया, ताकि ये मानक उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ आयात प्रतिबंध या लाइसेंस संबंधी बाधा न बनें। जीटीआरआई ने कहा कि इन आदेशों के तहत अनिवार्य गुणवत्ता प्रमाणन से लागत बढ़ती है, जिससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) पर दबाव पड़ता है और वस्तुएं महंगी हो जाती हैं। संगठन ने कहा कि यदि दूसरे देश भी इसी तरह के आदेश लागू करते हैं, तो भारतीय निर्यातकों को अलग-अलग देशों के लिए अलग प्रमाणन हासिल करना पड़ सकता है, भले ही उनके उत्पाद पहले से ही मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों। जीटीआरआई ने कहा कि इसके अलावा अधिकारियों की यात्रा और दैनिक भत्ते, लाइसेंस, नवीनीकरण और परीक्षण शुल्क का बोझ भी उठाना पड़ सकता है। इससे निर्यात लागत बढ़ेगी, माल की खेप भेजने में देरी होगी और व्यापार में नई बाधाएं पैदा होंगी। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तर पर समीक्षा की जरूरत है कि क्यूसीओ उपभोक्ताओं की सुरक्षा करें, लेकिन आयात प्रतिबंध या लाइसेंस संबंधी बाधा न बनें। व्यापक सुधार के बिना यह व्यवस्था एमएसएमई को कमजोर करने, कीमतें बढ़ाने और 'मेक इन इंडिया' के तहत आकर्षित किए जाने वाले विनिर्माण निवेश को हतोत्साहित करने का जोखिम पैदा करती है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में तोक्यो में कहा था कि भारत उच्च प्रौद्योगिकी वाले उद्योगों के लिए अनिवार्य गुणवत्ता प्रमाणन को आसान बनाने या उससे छूट देने के लिए एक व्यवस्था तैयार करेगा। यह घोषणा जापानी कंपनियों की ओर से भारत की गुणवत्ता नियंत्रण आदेश व्यवस्था को लेकर जताई गई चिंताओं के बाद की गई थी।

जीडीपी आंकड़ों, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की चाल : विश्लेषक

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह घरेलू सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों, कच्चे तेल की कीमतों की दिशा और अमेरिका के गैर-कृषि रोजगार के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वाहन बिक्री के आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित कर सकती हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''आने वाला सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों के कारण बाजार के लिए काफी अहम रहने वाला है। घरेलू जीडीपी आंकड़ों के साथ वैश्विक आर्थिक आंकड़े भी बाजार की दिशा तय करेंगे।'' भारत की वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े 31 अगस्त को जारी किए जाएंगे। इसके अलावा निवेशकों की नजर अगस्त के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों, जीएसटी संग्रह, विदेशी मुद्रा भंडार और रुपये की चाल पर भी रहेगी। मिश्रा के अनुसार, अमेरिका के रोजगार आंकड़े इस सप्ताह सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक संकेतक होंगे। अगस्त के गैर-कृषि पेरोल के आंकड़े चार सितंबर को जारी होने हैं।

शेयर समीक्षा

इन आंकड़ों से सितंबर में अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार की उम्मीदों पर असर पड़ सकता है। इसका प्रभाव अमेरिकी डॉलर, बॉन्ड प्रतिफल और उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी के प्रवाह पर भी देखने को मिल सकता है। इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयरों में करीब 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में शुद्ध लिवाल रहे हैं। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को समझने के लिहाज से महत्वपूर्ण होंगे। ऊंची ऊर्जा कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बना हुआ है, जिससे जिंस कीमतों में भी तेजी आई है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मौद्रिक नीति फिलहाल वैश्विक बाजारों के लिए सबसे बड़ा कारक बनी हुई है।

एफपीआई अगस्त में लगातार दूसरे माह रहे लिवाल शेयर बाजार में 30,919 करोड रुपये डाले

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा धीरे-धीरे लौटता दिखाई दे रहा है। एफपीआई ने अगस्त में भारतीय शेयरों में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों की खरीदारी का सिलसिला लगातार दूसरे महीने जारी रहा। जुलाई में भी उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 20,200 करोड़ रुपये डाले थे। विदेशी निवेशकों की लगातार दो महीने की खरीदारी को बाजार में संभावित रुख बदलने का शुरुआती संकेत माना जा रहा है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले एफपीआई ने मार्च से जून तक भारतीय शेयर बाजार से भारी निकासी की थी। मार्च में उन्होंने 1,17,000 करोड़ रुपये, अप्रैल में 60,847 करोड़ रुपये, मई में 32,963 करोड़ रुपये और जून में 49,340 करोड़ रुपये निकाले थे। हालांकि, फरवरी में एफपीआई लिवाल रहे थे और उन्होंने 22,615 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। हालांकि, वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में कुल मिलाकर 2,23,000 करोड़ रुपये के शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। यह आंकड़ा पूरे वर्ष 2025 में दर्ज 1,66,000 करोड़ रुपये की निकासी से भी अधिक है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी. के. विजयकुमार के अनुसार, भारत में एफपीआई निवेश बढ़ने के प्रमुख कारणों में चिप कारोबार में आया बदलाव, रुपये की स्थिरता और भारतीय कंपनियों के मुनाफ़े में सुधार शामिल हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख, प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि जून तिमाही में कंपनियों के वित्तीय नतीजों में सुधार के संकेत मिले हैं। इससे मुनाफ़े में सुस्ती को लेकर पहले बनी चिंताएं कुछ कम हुई हैं। इसके अलावा आर्थिक गतिविधियों में मजबूती और ऋण वृद्धि में सुधार ने भी भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं को लेकर विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। वल्लम कैपिटल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और पोर्टफोलियो प्रबंधक मनीष भंडारी ने कहा कि नकदी बाजार में विदेशी निवेशकों की वापसी उनके बढ़ते भरोसे का संकेत देती है, लेकिन वायदा बाजार में अब भी सतर्कता बनी हुई है। आगे विदेशी निवेशकों की नजर ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान संबंधों से जुड़े घटनाक्रम पर रहेगी। ऋण या बॉन्ड बाजार में भी निवेशकों का भरोसा कायम है। अगस्त में उन्होंने पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के जरिये बॉन्ड बाजार में 627 करोड़ रुपये का निवेश किया है। वहीं स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) के जरिये 289 करोड़ रुपये डाले हैं। हालांकि, सामान्य मार्ग से उन्होंने 2,318 करोड़ रुपये की निकासी की है।

छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव की राह दिखाता भारत : मोदी

'मन की बात' में खेती, स्वच्छता, इतिहास, स्वदेशी, नशामुक्ति और बेटियों की अंतरिक्ष उड़ान का उल्लेख

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' की 137वीं कड़ी में देश के अलग-अलग हिस्सों में छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव ला रहे लोगों की प्रेरणादायक कहानियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शौक जब मेहनत और सही मार्गदर्शन से जुड़ता है तो सफलता की नई राह खुल सकती है, वहीं प्रकृति संरक्षण आजीविका का माध्यम बन सकता है। प्रधानमंत्री ने किसानों को नई फसलों के माध्यम से आय बढ़ाने, जनभागीदारी से स्वच्छता को आंदोलन बनाने, प्रौद्योगिकी के जरिये इतिहास को रोचक ढंग से समझने, त्योहारों में स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने और युवाओं को नशे से दूर रखने का आह्वान किया। उन्होंने बेटियों की अंतरिक्ष विज्ञान में बढ़ती भागीदारी तथा अगस्त महीने में देशभक्ति की भावना को भी रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री ने नागालैंड के फ़ेक जिले की वेसालु पुरो का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटे से शौक को भी मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ सफलता के बड़े अवसर में बदला जा सकता है। किसान परिवार में पली-बढ़ीं वेसालु को बचपन से फूलों से लगाव था। वर्ष 2021 में उन्होंने छोटे स्तर पर फूलों की खेती शुरू की। स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक खेती का प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने एक चौथाई एकड़ भूमि में ग्लैडियोलस के हजारों पौधे लगाए और पहले ही प्रयास में पांच हजार से अधिक फूलों का उत्पादन किया। बाद में उन्होंने इसका विस्तार किया और स्थानीय बाजार तक सीमित रहने वाले फूल अब नागालैंड से दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक पहुंच रहे हैं।

मोदी ने ओडिशा के देबरीगढ़ क्षेत्र के धोड़रोकुसुम गांव की मैथिली भुए और वहां की महिलाओं के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक मैथिली भुए सहित अनेक परिवार अपनी जरूरतों के लिए जंगल पर निर्भर थे, लेकिन देबरीगढ़ ईको-टूरिज्म से जुड़ने के बाद जंगल के साथ उनका रिश्ता नई दिशा में बदल गया। अब वन संरक्षण इन महिलाओं की आजीविका का माध्यम भी बन गया है। मैथिली भुए से प्रेरित होकर 60 से अधिक महिलाएं वन संरक्षण से जुड़ चुकी हैं। इनमें कुछ वन्यजीवों की सुरक्षा, कुछ घास के मैदानों के विकास और अन्य ईको-टूरिज्म गतिविधियों में योगदान दे रही हैं। प्रधानमंत्री ने देश में एवोकाडो की बढ़ती लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ समय पहले तक इस फल को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन अब यह लोगों की डाइनिंग टेबल तक पहुंच चुका है। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण इसकी मांग बढ़ी है और किसानों के लिए यह आय बढ़ाने का नया अवसर बन रहा है।

उन्होंने आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज का उदाहरण दिया, जिन्होंने दोस्तों के खेत में एवोकाडो की फसल देखने के बाद यूट्यूब से इसकी खेती की जानकारी हासिल की। वह अब तक करीब चार टन एवोकाडो का उत्पादन कर चुके हैं और स्थानीय दुकानों को सीधे आपूर्ति कर रहे हैं। तमिलनाडु के कोडाइकनाल के किसान चंद्रशेखरन ने आधा हेक्टेयर भूमि पर एवोकाडो की खेती शुरू की और अच्छे दाम मिलने से उनकी आय बढ़ी। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु में भी किसानों ने कॉफी के बागानों के बीच एवोकाडो लगाकर अतिरिक्त आय का रास्ता तैयार किया है। मोदी ने कहा कि स्वच्छता की सबसे बड़ी खूबी यह है कि जब किसी स्थान को साफ रखने का संकल्प लोगों का अपना संकल्प बन जाता है तो बदलाव केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उस जगह की पूरी पहचान बदल जाती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों युवाओं ने अपने आसपास की गंदगी देखकर स्वयं सफाई अभियान शुरू किया। धीरे-धीरे अन्य युवा भी जुड़े और 'क्लीन-अप पटवाई' टीम बनी। इस टीम ने चार गंगा घाटों की सफाई कर एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया है तथा कई तालाबों और सार्वजनिक स्थानों की भी सफाई की है। प्रधानमंत्री ने अमरनाथ यात्रा के दौरान स्वच्छता की मिसाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष यात्रा के दौरान 400 टन से अधिक कचरा एकत्र कर उसका प्रसंस्करण किया गया। 16 हजार से अधिक यात्रियों ने स्वच्छता का संकल्प लिया और 10 हजार से अधिक यात्रियों को 'रिस्पॉन्सिबल यात्री' प्रमाणपत्र दिया गया। घोड़ों और खच्चरों के गोबर से बायोगैस तैयार कर उससे 'स्वच्छ ज्योत' प्रज्ज्वलित करने के प्रयोग का भी उन्होंने उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने महान अभिनेता उत्तम कुमार को उनकी जन्म-शताब्दी के अवसर पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि तीन सितंबर को उनकी जन्म-शताब्दी मनाई जाएगी। बहुमुखी प्रतिभा के धनी उत्तम कुमार ने अपने अभिनय से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। मोदी ने कहा कि उनकी शुरुआती फिल्में सफल नहीं रहीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपने काम पर ध्यान बनाए रखा। आगे चलकर उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में बड़ी ऊंचाई हासिल की। आने वाले त्योहारों के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' को व्यापक जन अभियान बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी, विश्वकर्मा पूजा और दीपावली जैसे पर्व केवल परंपराओं से जुड़े अवसर नहीं हैं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम भी हैं। उन्होंने लोगों से खरीदारी करते समय भारत में बने उत्पादों को प्राथमिकता देने तथा स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों का सम्मान करने की अपील की। मोदी ने मुंबई निवासी कृष्णा शेषाद्रि की वेबसाइट का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारतीय इतिहास को रोचक और सहज बनाया जा सकता है। इस वेबसाइट पर किसी भी वर्ष का चयन कर यह जाना जा सकता है कि उस समय भारत के किस हिस्से पर किसका शासन था। इंजीनियर और विपणन क्षेत्र से जुड़े शेषाद्रि की बचपन से इतिहास में रुचि रही है। उन्होंने चोल, पल्लव, कार्कोट वंश और अहोम जैसे राजवंशों सहित भारत के विभिन्न हिस्सों के इतिहास को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

नशामुक्त भारत के लिए युवाओं की भागीदारी जरूरी

प्रधानमंत्री ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान में सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि नशे की लत का असर केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों, संगीतकारों, थिएटर समूहों और कंटेंट क्रिएटर्स से रचनात्मक माध्यमों के जरिये नशे के खिलाफ प्रभावी संदेश देने की अपील की।

बेटियों के सपनों की उड़ान अंतरिक्ष तक

मोदी ने कहा कि भारत की बेटियों के सपनों की उड़ान धरती से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। उन्होंने 'मिशन शक्तिसैट' का उल्लेख करते हुए बताया कि इसके माध्यम से 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को सैटेलाइट तकनीक सीखने और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में मिशन के दूसरे चरण की शुरुआत हुई। इस पहल के तहत छात्राओं की भागीदारी से तैयार एक सैटेलाइट को चंद्रमा की कक्षा में भेजने की तैयारी की जा रही है।

अगस्त में देशभक्ति के अनेक रंग

प्रधानमंत्री ने अगस्त महीने को राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत बताते हुए राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का उल्लेख किया। उन्होंने 'हर घर तिरंगा' अभियान और 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने को भी विशेष बताया। उन्होंने कहा कि इस बार आठ करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं। 'सूर्यपथ तिरंगा' के माध्यम से फिजी की राजधानी सुवा से लेकर एशिया, अफ्रीका और यूरोप होते हुए अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को तक तिरंगा फहराया गया। मोदी ने कहा कि ऐसे प्रयास देशवासियों को एक सूत्र में पिरोने और राष्ट्रीय एकता तथा गौरव को मजबूत करने का काम करते हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने मुस्लिम देशों से 'असली दुश्मन' का सामना करने का किया आह्वान

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मुजतबा हुसैनी खामेनेई ने मुस्लिम देशों से अपने असली दुश्मन की पहचान करने और उससे निपटने का आह्वान करते हुए अमेरिका और इजराइल पर मुस्लिम दुनिया को बांटने का आरोप लगाया है।

श्री खामेनेई ने पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिन और 'इस्लामिक एकता सप्ताह' के मौके पर रविवार को अपने संदेश में कहा कि इस्लामी दुनिया को मजबूत करने और बाहरी दबाव का सामना करने के लिए मुस्लिम एकता जरूरी है। श्री खामेनेई ने कहा, ''इस्लामी देशों के शासकों, खासकर पश्चिम एशिया क्षेत्र और फारस की खाड़ी के देशों के शासकों से मेरी बार-बार और जोरदार सलाह है कि आप जानें कि आपका असली दुश्मन कौन है। उनकी साजिशों को समझें और उनका सामना करें।''

उन्होंने अमेरिका और इजरायल को मुस्लिम एकता और दोस्ती का 'कट्टर दुश्मन' बताते हुए कहा कि उनकी दुश्मनी सिर्फ ईरान तक ही सीमित नहीं है बल्कि पूरी इस्लामी दुनिया के खिलाफ है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के संदेश के अनुसार श्री खामेनेई ने कहा, ''अमेरिका के अपराधी शासक और अवैध जायोनी शासन इस एकता और दोस्ती के कट्टर दुश्मन हैं। संदेश में कहा गया, ''इस्लामी समुदाय (उम्माह) की समस्याओं का समाधान अच्छाई और नेकी की राह पर एकता, दोस्ती और सहयोग बनाए रखने में है। अमेरिका के अपराधी शासक और अवैध जायोनी शासन इस एकता और दोस्ती के कट्टर दुश्मन हैं। वे सिर्फ इस्लामिक रिपब्लिक, ईरानी राष्ट्र और इस्लामी प्रतिरोध के विशाल मोर्चे के दुश्मन नहीं हैं बल्कि वे पूरे इस्लामी समुदाय के प्रति दुश्मनी रखते हैं, जिसमें पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के देश भी शामिल हैं। इस मामले में इन देशों के शासक भी नहीं बचते, जिनमें से कई उनके सहयोगी माने जाते हैं और 'ग्लोबल एरोगेंस' के नेताओं द्वारा इस्लामी देशों के कुछ नेताओं के प्रति की गई बेइज्जती और अपमानजनक टिप्पणियां अभी भी आपकी और हमारी यादों में ताजा हैं।''

श्री खामेनेई ने कहा कि मुस्लिम देशों को सुरक्षा, विज्ञान, आर्थिक विकास और अन्य क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अधिक एकजुटता से एक ऐसी चीज बनाने में मदद मिलेगी जिसे उन्होंने 'नयी इस्लामी सभ्यता' कहा। उन्होंने कहा, ''इस्लामिक उम्माह (मुस्लिम समुदाय) की समस्याओं का समाधान अच्छाई और नेकी की राह पर चलते हुए एकता, दोस्ती और सहयोग बनाए रखने में है।'' उन्होंने मुस्लिम देशों के बीच धार्मिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक मतभेदों का लाभ उठाकर फूट डालने के लिए बाहरी ताकतों को भी जिम्मेदार ठहराया। श्री खामेनेई ने कहा, ''वे हर तरह के नस्लीय, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और भौगोलिक अंतर को मुसलमानों के बीच फूट डालने का बहाना बनाने की कोशिश करते हैं।

कविता बैठक में अपना राजनीतिक रोडमैप पेश करेंगी

निजामाबाद। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष के. कविता सोमवार को निजामाबाद के पुराने कलेक्ट्रेट मैदान की 'पांचजन्य संकल्प सभा' में अपनी पार्टी का राजनीतिक रोडमैप पेश करेंगी। पार्टी सूत्रों ने रविवार को बताया कि इस बैठक में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से 25,000 से अधिक नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस बैठक का उद्देश्य तेलंगाना के कार्यकर्ताओं और नेताओं को एकजुट करना और अगले विधानसभा व संसदीय चुनावों से पहले पार्टी को मजबूत करना है। तेलंगाना रक्षा सेना की 25 अप्रैल को स्थापना करने वाली सुश्री कविता पार्टी शुरू करने के बाद पहली बार निजामाबाद का दौरा करेंगी। उम्मीद है कि वह पुराने निजामाबाद जिले के नेताओं और तेलंगाना कार्यकर्ताओं के राजनीतिक एकीकरण का आह्वान करेंगी। वह बैठक में सामाजिक न्याय पर आधारित तेलंगाना के लिए अपना विजन पेश करेंगी।

किसानों के समर्थन में उतरीं दिल्ली और हरियाणा की खाप पंजायतें

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली देहात की कृषि भूमि के सर्किल रेट में बढ़ोतरी की मांग को लेकर चल रहे किसानों के आंदोलन को दिल्ली और हरियाणा की विभिन्न खापों ने अपना समर्थन देने का ऐलान किया है।

राजधानी के कंझावला गांव में रविवार को इस संबंध में आयोजित पंचायत में खापों के प्रतिनिधियों ने किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए हर संभव सहयोग और साथ देने का भरोसा दिलाया। पंचायत की अध्यक्षता चौ. मूल चंद सहरावत खाप ने की। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कांग्रेस की ओर से किसानों के आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली देहात के किसानों की मांगें पूरी तरह जायज हैं और कांग्रेस किसानों के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि किसानों की प्रमुख मांग है कि कृषि भूमि का सर्किल रेट बढ़ाकर 25 करोड़ रुपये प्रति एकड़ किया जाये। इसके अलावा जिस किसानों की जमीन सरकार द्वारा अधिग्रहित की जाए, उसके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। ये मांगें किसानों के अधिकारों और उनके भविष्य से सीधे जुड़ी हुई हैं। डॉ. कुमार ने दिल्ली देहात के किसानों और सभी खापों से अपील की कि चार सितंबर 2026 को जंतर-मंतर पर होने वाले धरने में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों। उन्होंने कहा कि यह किसानों के हक और उनके भविष्य की लड़ाई है, जिसे पूरी मजबूती के साथ उठाया जाएगा। इस कार्यक्रम में ओल्ड रोहतक जिला खाप के संयोजक चौधरी संजय देसवाल, पालम 360 खाप के चौ. राम कुमार सोलंकी , डासा खाप के चौ. खजान सिंह, बवाना 52 खाप के चौ. परवीन सहरावत, पांच टिकरी खाप के मास्टर अनार सिंह, खत्री खाप के चौ. अशोक, ओमप्रकाश नरवाल खाप, चौ. सतीश सरोहा खाप, बलंद खाप के श्रीपाल, जनक खाप के चौ. उम्मेद कवाड़ सहित घरोंडा खाप और नेहरा खाप के अध्यक्षों ने हिस्सा लिया।

जब दूसरे राज्यों में सीएनजी के दाम नहीं बढ़े तो दिल्ली की जनता पर ही बोझ क्यों: देवेंद्र यादव

नयी दिल्ली। दिल्ली में सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर इसे 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम किये जाने पर दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने (भारतीय जनता पार्टी) सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जब दूसरे राज्यों में सीएनजी के दामों में ऐसी बढ़ोतरी नहीं की गयी, तो दिल्ली की जनता पर ही महंगी सीएनजी का बोझ क्यों डाला जा रहा है? श्री यादव ने कहा कि कीमत बढ़ने का सीधा असर ऑटो-टैक्सी चालकों, मध्यम वर्ग और सार्वजनिक परिवहन का रोजाना इस्तेमाल करने वाले लाखों यात्रियों पर पड़ेगा। महंगाई के दौर में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि आम लोगों की जेब पर सीधा हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएनजी के लगातार बढ़ते दामों ने जनता की कमर तोड़ दी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस सरकार के दौरान सीएनजी आधारित सार्वजनिक परिवहन को प्रदूषण कम करने और लोगों को सस्ता, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बढ़ावा दिया गया था। उन्होंने सरकार से बढ़ोतरी तत्काल वापस लेने, सार्वजनिक परिवहन का किराया नियंत्रित रखने और आम जनता को महंगाई से राहत देने की मांग की।

मोदी ने ताशकंद में लाल बहादुर शास्त्री स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उज़्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। श्री मोदी दो दिन की उज़्बेकिस्तान यात्रा पर हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्री शास्त्री के 1965 में ताशकंद में निधन की इस वर्ष 60वीं वर्षगांठ है। यह स्मारक श्री शास्त्री के नाम पर रखी गई एक सड़क पर स्थित है। पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन और विरासत को ताशकंद में स्नेहपूर्वक याद किया जाता है। स्मारक और सड़क के अतिरिक्त, ताशकंद में उनके नाम पर एक स्थानीय विद्यालय और भारतीय सांस्कृतिक केंद्र भी है। शास्त्री स्मारक पर सम्मान अर्पित करने के बाद, प्रधानमंत्री ने ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज़ का दौरा किया। विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत उज्बेकिस्तान के प्रधानमंत्री और रेक्टर ने किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के महात्मा गांधी केंद्र में अकादमिक रुचियों के साथ अध्ययन कर रहे भारतविदों और विद्वानों के साथ बातचीत की। विश्वविद्यालय का हिन्दी भाषा और अन्य भारतीय विषयों के शिक्षण का एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है। अपनी राजकीय यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री ने उज़्बेक छात्रों के लिए हिन्दी भाषा के लिए लाल बहादुर शास्त्री छात्रवृत्ति की घोषणा की।

तेलंगाना सरकार के खिलाफ भाजपा करेगी विरोध-प्रदर्शन: रामचंदर राव

हैदराबाद। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने रविवार को कांग्रेस सरकार की जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ सितंबर में कई विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की। वे मेडचल-मलकाजगिरी शहरी जिला भाजपा इकाई के नये अध्यक्ष के रूप में श्री गिरिवर्धन रेड्डी के शपथ ग्रहण समारोह और पार्टी के नये जिला कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में मलकाजगिरी के सांसद एटेला राजेंद्र और कई राज्य व जिला नेता, जन प्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। श्री रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार प्रस्तावित केंद्रीय शहरी क्षेत्र (सीयूआरई) नीति और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अधिनियम में संशोधनों के माध्यम से हैदराबाद पर अधिक नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से पार्षदों और महापौर की शक्तियां कमजोर होंगी और लोगों पर वित्तीय बोझ बढ़ेगा। उन्होंने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति निगरानी एवं संरक्षण एजेंसी (हायड्रा) द्वारा की जा रही तोड़फोड़ की कार्रवाई की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार सार्वजनिक और औद्योगिक भूमि को रियल एस्टेट परियोजनाओं में बदल रही है।

पेज एक का शेष

सपा के भ्रष्टाचार का...

इसी तरह वीरांगना अवंतीबाई लोधी की भव्य अश्वारोही प्रतिमा भारतीय नारी की गरिमा, शौर्य और तेजस्विता का प्रतीक बनकर देशवासियों को प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार ही अच्छा कार्य करती है। सपा सरकार के समय दंगाइयों की काल बनी पीएसी को समाप्त करने की चेष्टा की गई। भाजपा सरकार ने पीएसी की सभी 54 कंपनियों को पुनर्गठित किया। साथ ही तय किया कि पीएसी में बेटियां भी नेतृत्व की भूमिका निभाएंगी। इसी क्रम में प्रदेश में वीरांगनाओं ऊदा देवी, झलकारी बाई व अवंतीबाई लोधी के नाम पर तीन महिला बटालियन गठित की गई हैं। इनमें एक लखनऊ, दूसरी गोरखपुर और तीसरी बदायूं में निर्माण के अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्नातक अंतिम वर्ष की 50 हजार बेटियों को रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर स्कूटी प्रदान की जाएंगी। 27, 28 और 29 अगस्त को हर बेटी, बहन व माता को परिवहन निगम व सिटी बस सेवा में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई। अब 60 वर्ष से अधिक उम्र की प्रत्येक महिला को निगम की बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी का जीवन देश की स्वतंत्रता और नारी शक्ति के अदम्य साहस का प्रतीक है। मात्र 26 वर्ष की उम्र में अवंतीबाई लोधी ने प्रथम स्वातंत्र्य समर में नेतृत्व करते हुए अंग्रेजों की चूलें हिला दी थीं। बैरकपुर में मंगल पांडे ने जो चिंगारी प्रज्वलित की, उसे झांसी में रानी लक्ष्मीबाई ने आगे बढ़ाया। मेरठ में धनसिंह गुर्जर कोतवाल के नेतृत्व में यह संघर्ष और विस्तृत हुआ। झांसी व ग्वालियर के बीच वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने इसी संघर्ष का नेतृत्व किया। उनका जीवन हमें एकजुट रहने की प्रेरणा देता है। अगर हम बटेंगे नहीं, तो कटेंगे भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी के सम्मान में तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह 'बाबूजी' ने विधान भवन के सामने उनकी अश्वारोही प्रतिमा स्थापित कराई थी। अलीगढ़ में उनके नाम पर स्टेडियम का निर्माण भी कराया जा रहा है। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान लखनऊ में तिरंगा फहराने वाले अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी के सम्मान में उन्नाव के पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। बुलंदशहर में कल्याण सिंह की स्मृति में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया गया है। लखनऊ के कैंसर संस्थान का नाम भी बाबूजी के नाम पर रखा गया और वहां उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित कराई गई है। मुख्यमंत्री ने क्षत्रिय लोधी महासभा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के आयोजकों का आभार जताते हुए समाज की एकता और महापुरुषों के आदर्शों को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी, अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी और श्रद्धेय बाबूजी कल्याण सिंह ने समाज की एकता को मजबूती देने के साथ राष्ट्र को भी सशक्त बनाने का कार्य किया। इन महापुरुषों के प्रति श्रद्धा व सम्मान की भावना आने वाली पीढ़ियों में भी जीवंत रहे, इसके लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

प्रख्यात कानूनविद...

पहुंचा है। उन्होंने इसे अफसोसजनक बताया। गौरतलब है कि संविधान का यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को ऐसी नियुक्ति करने की शक्ति देता है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि या तो केंद्र सरकार और कॉलेजियम को लगता है कि भारतीय अकादमिक जगत में इतनी गहराई नहीं है कि किसी कानून विशेषज्ञ को जज पद के लिए गंभीरता से विचार योग्य माना जाए या फिर दोनों ने अब तक इस संवैधानिक प्रावधान को गंभीरता से तलाशा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और केन्या समेत कई देशों में प्रतिष्ठित कानून शिक्षाविदों को संवैधानिक अदालतों में जज नियुक्त किया जाता है। जस्टिस उज्ज्वल भुइया ने कहा कि छात्रों के अलग विचार रखने या सवाल पूछने पर उन्हें दंडात्मक कार्रवाई की धमकी नहीं दी जा सकती। ऐसा करना असंवैधानिक है और सत्ता या पद का दुरुपयोग है। उन्होंने कहा कि विश्ववि?द्यालय ऐसी जगह होनी चाहिए जहां स्थापित विचारों और मान्यताओं की जांच और उन पर सवाल किए जा सकें। असहमति का जवाब दुश्मनी के रूप में नहीं दिया जाए। लोकतंत्र की असली पहचान तब होती है जब अलग-अलग विचार रखने वाली आवाजें एक साथ रह सकें, उन्हें सुना जाए और उनके साथ सम्मान का व्यवहार किया जाए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि लोकतंत्र तब सार्थक नहीं होता जब हर व्यक्ति एक ही तरह से सोचता और बोलता है। लोकतंत्र की असली पहचान तब होती है जब अलग-अलग विचार रखने वाली आवाजें एक साथ रह सकें, उन्हें सुना जाए और उनके साथ सम्मान का व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान अलग तरीके से बोलने, सोचने और विश्वास रखने की स्वतंत्रता की रक्षा करता है।

जयपुर के दो ...

लिए परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी हुई। परीक्षा केंद्रों को लाइव सीसीटीवी निगरानी में भी रखा गया था। इसकी निगरानी दिल्ली के द्वारका में स्थित एनबीईएमएस के मुख्यालय के कमांड सेंटर से की जा रही थी।

डीएनए जांच...

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बरामद शवों की पहचान करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में नेपाल फोरेंसिक प्रयोगशालाओं के लिए अतिरिक्त सहायता मांग रहा है। उन्होंने कहा कि हमने 600 से अधिक शव बरामद किए हैं, जिनमें से कई की पहचान करना बेहद मुश्किल है। हमें तेजी से डीएनए जांच करने की जरूरत है। हम इस तरह की सहायता मांग रहे हैं। खनाल ने बताया कि उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से फोन पर बात की और भारत की ओर से मिल रही सहायता के लिए आभार जताया।

भारत ने बाढ़ प्रभावित नेपाल को 68.5 टन राहत सामग्री उपलब्ध कराई है। इसके साथ ही खोज तथा बचाव अभियानों में सहायता के लिए तकनीकी टीम, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और उपकरण भेजे हैं। भारतीय दूतावास ने बताया कि इसके अलावा 230 फुट लंबे बेली ब्रिज के उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं। सात और बेली ब्रिज तैयार करने के लिए जल्द ही उपकरणों को पहुंचाया जाएगा। उन्हें तैयार करने के लिए तकनीकी टीम भी जल्द पहुंच सकती है। नेपाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में परिवहन संपर्कों को बहाल करने के लिए 42 बेली ब्रिज के निर्माण के लिए भारत और चीन से सहायता मांगी है। इन बेली ब्रिज को भारी मशीनरी या विशेष उपकरणों के बिना जल्दी से जोड़ कर तैयार किया जा सकता है। भारत ने राहत सामग्री और विशेष तकनीकी सहायता लेकर अपना चौथा विमान काठमांडू भेजा। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि चौथा भारतीय विमान काठमांडू पहुंच गया है। इसमें नेपाल के जारी बचाव एवं राहत अभियान के लिए जरूरी सामग्री और तकनीकी क्षमताएं भेजी गई हैं। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार चौथे विमान में 11 टन राहत सामग्री थी, जिसे नेपाल को सौंप दिया गया। इसमें सुरंग में तलाश एवं बचाव अभियान के लिए तकनीकी दल, डीएनए जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की टीम, कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और स्वच्छता किट शामिल हैं।

भारत की नियति...

आत्मतत्व सभी के बीच एकता का आधार है। भागवत ने कहा कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक सुख हासिल करना नहीं है। भारतीय परंपरा में जीवन का उद्देश्य सत्य की खोज और मुक्ति की दिशा में आगे बढ़ना बताया गया है। इसमें दुनिया के कल्याण के लिए काम करना भी जोड़ा गया है। उन्होंने धर्म को संतुलन कायम रखने वाला सिद्धांत बताया और उसकी व्याख्या की। उनके अनुसार धर्म केवल रिलिजन या उपासना का विषय नहीं है। यह व्यक्ति, समाज और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत को इसी समझ को अपने आचरण के माध्यम से दुनिया तक पहुंचाना है। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में अमेरिका के 39 राज्यों और 853 शहरों से आए 6,000 प्रतिनिधियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के 250 से अधिक छात्रों और 250 से अधिक संगठनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेताओं ने भविष्य के प्रति जिम्मेदारी तय करने के लिए पांच सूत्रीय कार्ययोजना की घोषणा की। धार्मिक नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि धर्म का इस्तेमाल नफरत, अपमान, अमानवीय व्यवहार या हिंसा को उचित ठहराने के लिए नहीं किया जा सकता। 'एक विश्व, एक मानवता' के आह्वान के साथ पारित प्रस्ताव में किसी भी समुदाय की गरिमा और सुरक्षा के लिए खड़े होने की प्रतिबद्धता जताई गई।

आईएएस दिव्या...

पूरे हो चुके थे, लेकिन इसके बाद अपने लोगों के लिए देखे सपनों को जीना था। दिव्या मित्तल ने प्रशासनिक सेवा के दौरान आम लोगों के जीवन में आए बदलावों को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा कि उस परिवार की आंखों में खुशी देखना, जिसे पहली बार जमीन का हक मिला, दिव्यांग व्यक्ति को सम्मान से जीने का अवसर मिलना और किसान के खेत तक पानी पहुंचना ही उनके जीवन का असली सुकून रहा। लोगों के संघर्षों में साथ चलते हुए उन्होंने सीखा कि हर सरकारी फाइल के पीछे एक व्यक्ति होता है और उसकी गरिमा बनाए रखना ही न्याय है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें लगता था कि वह समाज को कुछ देने आई हैं, लेकिन बाद में समझ आया कि सबसे ज्यादा उन्होंने खुद पाया। लोगों ने उनकी खुशी में उनसे ज्यादा खुशी मनाई और जब वह खुद थकी या टूटी थीं, तब भी लोगों ने उन्हें उसी विश्वास से देखा। इसी विश्वास ने उन्हें आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी। उन्होंने अपनी सफलता में साथ देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगियों का भी आभार जताया। कहा कि इन लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और हर परिस्थिति में साथ डटे रहे। दिव्या मित्तल ने अपनी पोस्ट के अंत में लहुरिया दह की पहाड़ी की एक वृद्ध महिला से जुड़ी घटना को याद किया। उन्होंने बताया कि जब उस महिला ने अपने गांव में पहली बार पानी पहुंचते देखा तो वह कुछ नहीं बोली। उसने सिर्फ कांपते हाथों से उनका सिर छूकर आशीर्वाद दिया। उन्होंने अपनी सेवा यात्रा, देवरिया और मीरजापुर में मिले अनुभवों और आम लोगों से मिले स्नेह को याद करते हुए कहा कि पद भले छूट गया, लेकिन देश की मिट्टी से मिला सपना जीवन भर साथ रहेगा।

पांच अरब डॉलर...

भुगतान से जुड़े विषयों पर व्यवस्थागत रूप से आगे बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश बुनियादी ढांचे के विकास , डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर , एआई, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा , अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में सहयोग हमारे संबंधों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बना रहे है। उन्होंने कहा कि दोनों देश कृषि और स्वास्थ्य में एक दूसरे की खाद्य सुरक्षा में योगदान देंगे। चिकित्सकीय जड़ी बूटियों और आयुर्वेद के क्षेत्र में हुए समझौते से हमारे साझा प्रयासों को बल मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि यह साझेदारी केवल दो राजधानियों तक सीमित न रहे। इसलिए हम अपने शहरों और राज्यों के बीच साझेदारी करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच करीबी रक्षा और सुरक्षा सहयोग गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है। आने वाले समय में हम दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सीधे संपर्क , सह उत्पादन और सह विकास को बढ़ावा देंगे। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि हमारा मानना है कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चुनौती हैं। इनके विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' हमारा साझा संकल्प रहा है, और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंधों की सबसे गहरी जड़ें हमारी साझा विरासत में हैं और आज इन्हें और मज़बूत बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा ,'' उज़्बेकिस्तान के बौद्ध विरासत स्थलों के संरक्षण के लिए हम मिलकर काम करेंगे। दोनों देशों के युवाओं, विशेषकर छात्र और पेशेवरों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना हमारी उच्च प्राथमिकता है। दोनों देशों के बीच पर्यटन बढ़ाने के लिए आज सहयोग पर सहमति बनी है। मुझे खुशी है कि उज़्बेकिस्तान में हिन्दी भाषा को बढावा देने के लिए आज हम छात्रवृति की घोषणा करने जा रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच खेलों के क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का भी विस्तार से उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा : धामी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कुंवावाला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137 वां संस्करण सुना। कार्यक्रम के बाद उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों और अभिनव प्रयासों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का प्रभावी माध्यम बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में युवाओं को नशे से दूर रहने तथा 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' के संकल्प को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त युवा ही सशक्त और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री के इस आह्वान से युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ने के साथ स्वस्थ, सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित युवा शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के गौरवशाली इतिहास और विरासत को नई पीढ़ी तक सरल एवं रोचक तरीके से पहुंचाने के लिए किए जा रहे अभिनव प्रयासों का भी उल्लेख किया। ऐसे प्रयास युवाओं को देश के समृद्ध इतिहास से जोड़ने के साथ उनमें संस्कृति, विरासत और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री देश के विभिन्न क्षेत्रों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे असाधारण कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान दे रहे हैं। इससे अन्य लोगों को भी अपने-अपने क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं से प्रधानमंत्री के संदेशों को जीवन में आत्मसात करते हुए नशामुक्त, स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, गणेश जोशी, डॉ. धन सिंह रावत, मदन कौशिक, भरत चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

अमृतसर एयरपोर्ट पर स्पाइसजेट की फ्लाइट 18 घंटे लेट, यात्रियों का हंगामा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमृतसर। अमृतसर एयरपोर्ट पर रविवार सुबह स्पाइसजेट की अमृतसर से दुबई जाने वाली फ्लाइट करीब 18 घंटे लेट होने के कारण यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। यात्री टिकट काउंटर पर एयरलाइन कर्मचारियों से बहस करते नजर आए और स्पाइसजेट के खिलाफ नारेबाजी भी की। यात्रियों के मुताबिक फ्लाइट का निर्धारित समय सुबह 8:40 बजे था, लेकिन फ्लाइट नहीं आने के बाद पहले इसका समय बढ़ाकर सुबह 11 बजे कर दिया गया। इसके बाद यात्रियों को बताया गया कि फ्लाइट रात करीब 2:30 बजे रवाना हो सकती है। हालांकि, यात्रियों का कहना है कि यह समय भी पक्का नहीं बताया गया। फ्लाइट में देरी के चलते कई यात्री अपने बच्चों के साथ एयरपोर्ट पर घंटों इंतजार करते रहे। फ्लाइट में देरी से करीब 300 यात्री प्रभावित हुए हैं। इनमें लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं और 60 प्रतिशत पुरुष शामिल हैं। यात्रियों के अनुसार उन्होंने स्पाइसजेट से होटल या कमरे की व्यवस्था करने की मांग की, लेकिन उनके मुताबिक एयरलाइन की ओर से कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई। कई यात्रियों के रिश्तेदार भी उन्हें लेने के लिए एयरपोर्ट पहुंच गए, लेकिन फ्लाइट के समय को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने के कारण वे भी परेशान रहे। यात्रियों ने आरोप लगाया कि एयरलाइन की ओर से फ्लाइट लेट होने का स्पष्ट कारण नहीं बताया जा रहा। इसके अलावा रिफंड, वैकल्पिक टिकट या ठहरने की व्यवस्था को लेकर भी उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। यात्रियों ने मांग की कि फ्लाइट में देरी का स्पष्ट कारण बताया जाए और नियमों के मुताबिक रिफंड या वैकल्पिक यात्रा की सुविधा के साथ उन्हें जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

भागलपुर के इंग्लिश गांव में भीषण कटाव, कई आशियाने नदी में विलीन, दर्जनों मुहाने पर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। जिले के सबौर प्रखंड अंतर्गत फरका पंचायत का इंग्लिश गांव इन दिनों भारी तबाही के मुहाने पर खड़ा है। गंगा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव और तेज बहाव के कारण क्षेत्र में भीषण कटाव शुरू हो गया है। देखते ही देखते स्थानीय ग्रामीणों के जीवनभर की कमाई से बने कई पक्के मकान और उपजाऊ कृषि भूमि गंगा की मुख्य धारा में समा चुके हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि दर्जनों अन्य घर अब सीधे कटाव की जद (मुहाने) में आ गए हैं। गांव के अस्तित्व पर गहरा संकट मंडरा रहा है और प्रभावित परिवारों के बीच चीख-पुकार मची हुई है। गंगा के बढ़ते रौद्र रूप को देखकर कटाव की ज़द में आए ग्रामीण बेहद दहशत में हैं। कई लोग बेघर होने के डर से अपने ही पक्के मकानों को खुद अपने हाथों से तोड़ने को मजबूर हैं। ग्रामीण घर की खिड़कियां, दरवाजे, चौखट और ईंट-पत्थर बचाने की जद्दोजहद में जुटे हैं ताकि भविष्य में कहीं और ठिकाना बनाते समय कुछ राहत मिल सके। गांव से भारी संख्या में लोगों का पलायन शुरू हो चुका है। विस्थापित लोग ऊंचे बांधों, सड़कों के किनारे या अन्य सुरक्षित स्थानों पर तिरपाल तानकर शरण ले रहे हैं। इंग्लिश गांव के साथ-साथ पड़ोसी क्षेत्र घोषपुर में भी गंगा की धारा जमीन को तेजी से निगल रही है। स्थानीय घोषपुर मध्य विद्यालय के खेल मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही धंस चुका है, जिससे स्कूल भवन के भी नदी में समाने का खतरा पैदा हो गया है। अगर समय रहते प्रशासनिक कदम नहीं उठाए गए, तो गांव का संपर्क पूरी तरह कट जाएगा और पूरी आबादी बेघर हो जाएगी। प्रभावित ग्रामीणों का आरोप है कि जल संसाधन विभाग और स्थानीय प्रशासन की ओर से समय रहते पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों ने मांग की है कि इंग्लिश गांव और आसपास के रिहायशी इलाकों को स्थायी रूप से बचाने के लिए तत्काल ठोस रिंग बांध या कटाव-रोधी कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जाए। क्षेत्र में केवल खानापूर्ति के लिए जियो बैग या बालू की बोरियां डालने से इस तेज बहाव को रोकना असंभव साबित हो रहा है। प्रशासनिक सतर्कता और राहत की दरकारकटाव की गंभीरता को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग और बाढ़ नियंत्रण इकाई को तुरंत सक्रिय होने की जरूरत है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि बेघर हुए परिवारों को तत्काल पर्याप्त पॉलीथिन शीट, सूखा राशन, और शुद्ध पेयजल मुहैया कराया जाए, साथ ही खतरे वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए पर्याप्त नावों की व्यवस्था की जाए।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रेरक संदेशों से राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को मिलती है नई ऊर्ज़ा : रविशंकर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने रविवार को बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें एपिसोड को सुना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे और प्रधानमंत्री के विचारों एवं देशवासियों से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को उत्साहपूर्वक सुना। कार्यक्रम के बाद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों को एक सूत्र में जोड़ने वाला सशक्त जनआंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों की प्रेरक उपलब्धियों, जनभागीदारी और राष्ट्रनिर्माण के विभिन्न प्रयासों को देश के सामने रखते हैं। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें देश के सामान्य नागरिकों की असाधारण उपलब्धियों और उनके प्रयासों को स्थान मिलता है। प्रधानमंत्री समाज के अलग-अलग वर्गों, क्षेत्रों और समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों का उल्लेख कर उन्हें पूरे देश के सामने प्रेरणा का स्रोत बनाते हैं। इससे देश के नागरिकों में कुछ बेहतर करने और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाने का भाव मजबूत होता है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण, युवा प्रतिभाओं और सामाजिक सरोकारों जैसे विषयों को निरंतर जनचर्चा का हिस्सा बनाया है। यह कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए जनभागीदारी के संकल्प को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट है कि देश का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से संभव है। 'मन की बात' इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और सेवा एवं जनभागीदारी के कार्यों को और गति देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मंत्री सिद्धार्थ शंभु, विधान परिषद सदस्य संजय मयूख, प्रदेश महामंत्री प्रीति शेखर एवं नितिन अभिषेक, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिभूषण ठाकुर बचौल एवं प्रणव यादव, विधायक महेश पासवान, प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रूंगटा, महिला आयोग की सदस्य पिंकी कुशवाहा, मृत्युंजय तिवारी, मुख्यालय प्रभारी अक्षय कुमार, प्रदेश प्रवक्ता सुहेली मेहता सहित प्रदेश के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दिल्ली के ज्वालापुरी में लगी भीषण आग, हताहत होने की सूचना नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के ज्वालापुरी स्थित असम टिंबर मार्केट में रविवार तड़के एक लकड़ी के गोदाम में भीषण आग लगी। दमकल कर्मियों ने करीब 3:30 घंटे की भारी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के अनुसार यह घटना राजधानी मेट्रो स्टेशन के पास गली नंबर-4 में घटी। कंट्रोल रूम को आज तड़के करीब तीन बजे आग लगने की सूचना मिली। शुरुआती तौर पर 3 दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं लेकिन स्थिति बिगड़ने पर कुल 25 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। दमकलकर्मियों ने बमुश्किल सुबह करीब 6:30 बजे आग पर काबू पाया। इस पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि आग इमारत के बेसमेंट में बने टिंबर गोदाम में लगी थी। इसमें भारी मात्रा में सूखी लकड़ी और प्लाईवुड होने के कारण आग तेजी से फैल गई थी। फिलहाल, आग लगने के पीछे के अन्य कारणों की जांच शुरू कर दी गई। गोदाम में हुए कुल आर्थिक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

पंजाब यूनिवर्सिटी के बॉयज हॉस्टल में फंदे से लटका मिला छात्र का शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी (पीयू) के बॉयज हॉस्टल नंबर-4 में शनिवार देर रात एक कमरे से 22 वर्षीय छात्र का शव बरामद हुआ है। प्रारंभिक तौर पर पुलिस को मामला आत्महत्या का लग रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। छात्र के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा, जिसके बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। मूल रूप से हरियाणा के पानीपत जिले का रहने वाला चैतन्य सिंह बीए एलएलबी के पांचवें वर्ष में पढ़ रहा था। वह था। शनिवार को चैतन्य के परिवार के लोग उसे लगातार फोन कर रहे थे, लेकिन उसकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। रात करीब 8 बजे उसके कुछ साथी छात्र उसे देखने के लिए हॉस्टल के कमरे में पहुंचे, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला, तो छात्रों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर चैतन्य पंखे से चादर के सहारे लटका हुआ मिला। छात्रों और हॉस्टल सुरक्षा कर्मियों ने उसे नीचे उतारा और तुरंत एंबुलेंस की मदद से पीजीआई की इमरजेंसी में पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम हॉस्टल पहुंची। इसके बाद रात करीब पौने 11 बजे सीएफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने कमरे से फिंगरप्रिंट सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने छात्र का मोबाइल फोन और कमरे में मौजूद अन्य सामान अपने कब्जे में ले लिया है। शुरुआती जांच के दौरान कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। चैतन्य यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति और चुनावी गतिविधियों में सक्रिय रहा है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एडवोकेट आशीष बिनोई और हॉस्टल वार्डन डॉ. नवीन कुमार के मुताबिक चैतन्य मिलनसार स्वभाव का था और पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहता था। उसके साथियों और शिक्षकों के अनुसार हाल के दिनों में उसके व्यवहार से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला था, जिससे यह अंदाजा लगाया जा सके कि वह किसी गंभीर परेशानी से गुजर रहा है।

ऋषिकेश के सुनियोजित विकास को धामी सरकार ने तेज की महायोजना की कवायद

■ आवास, पर्यटन, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा, पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। धार्मिक एवं पर्यटन नगरी ऋषिकेश के सुनियोजित और सर्वांगीण विकास को लेकर धामी सरकार ने महायोजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर आवास विभाग ने महायोजना से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया है।

इसी क्रम में सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में देहरादून, पौड़ी गढ़वाल और टिहरी गढ़वाल के संबंधित विकास प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक में भवनों की ऊंचाई, सड़क की चौड़ाई, यातायात व्यवस्था, आवासीय एवं व्यावसायिक गतिविधियों समेत महायोजना से जुड़े विभिन्न तकनीकी और नियोजन संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। ऋषिकेश महायोजना का क्षेत्र देहरादून, टिहरी और पौड़ी जिलों से जुड़ा होने के कारण तीनों विकास प्राधिकरणों से प्रस्ताव मांगे गए थे। शासन के निर्देश पर टिहरी और पौड़ी प्राधिकरणों ने अपने बोर्ड से अनुमोदित प्रस्ताव उपलब्ध करा दिए हैं। बैठक में प्राप्त प्रस्तावों और अधिकारियों की टिप्पणियों का परीक्षण किया गया। सड़क की चौड़ाई और क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप भवनों की ऊंचाई निर्धारित करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। टिहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग की मौजूदगी और विकासात्मक आवश्यकताओं को देखते हुए भवन ऊंचाई को मैदानी क्षेत्रों के मानकों के अनुरूप रखने का अनुरोध किया गया है। वहीं, पौड़ी क्षेत्र के राजाजी राष्ट्रीय उद्यान से सटे होने के कारण पर्यावरणीय संवेदनशीलता को देखते हुए भवनों की ऊंचाई सीमित रखने के सुझाव को उपयुक्त माना गया। सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को महायोजना से संबंधित सभी लंबित कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश जैसे धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए महायोजना केवल भूमि उपयोग का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के शहरी और आर्थिक विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक ऋषिकेश पहुंचते हैं। पर्यटन के साथ शहरी आबादी, यातायात दबाव और व्यावसायिक गतिविधियां भी लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में भविष्य की जरूरतों के अनुरूप ऐसी विकास योजना आवश्यक है, जिससे शहर का विस्तार व्यवस्थित हो और पर्यावरणीय संतुलन भी कायम रहे। महायोजना में आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों के साथ पर्यटन गतिविधियों, यातायात व्यवस्था, पार्किंग, सड़क नेटवर्क और आधारभूत ढांचे के विकास को समग्र रूप से शामिल किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य बढ़ते पर्यटन और शहरीकरण के बीच स्थानीय नागरिकों तथा पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाना है।

बिहार में 3 आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण

पटना। बिहार में भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार सुनील कुमार, प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य खाद्य एवं असैनिक आपूर्ति निगम, पटना को स्थानांतरित करते हुए निदेशक अंकेक्षण, वित्त विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। वहीं अंजनि कुमार, उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, पूर्णिया को स्थानांतरित करते हुए आयुक्त, वी बी-जी राम जी, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना के पद पर पदस्थापित किया गया है। इसके साथ ही अनन्या सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार, पटना (अतिरिक्त प्रभार आयुक्त, वी बी-जी राम जी) अतिरिक्त रूप से धारित आयुक्त, वी बी-जी राम जी के पद से मुक्त हो जाएंगी।

पंजाब पुलिस के कांस्टेबल की बदली किस्मत राखी बंपर में जीते 7 करोड़ रुपये

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फिरोजपुर। शहर में सामान्य रूप से लॉटरी का टिकट खरीदना पंजाब पुलिस के 28 वर्षीय कांस्टेबल गुरप्रीत सिंह के लिए जिंदगी बदल देने वाला साबित हुआ। उनके खरीदे टिकट पर राखी बंपर ड्रॉ में 7 करोड़ रुपये का पहला पुरस्कार निकला है। फिरोजपुर जिले के गांव मालवाल कदियाम निवासी गुरप्रीत सिंह वर्ष 2022 में पंजाब पुलिस में कांस्टेबल भर्ती हुए थे। फिलहाल वह 112 आपातकालीन सेवा में तैनात हैं। उन्होंने सामान्य रूप से लॉटरी का टिकट खरीदा था। गुरप्रीत को रविवार सुबह गुरुद्वारा वाजिदपुर साहिब में सेवा करने के दौरान उनके खरीदे टिकट पर प्रथम पुरस्कार जीतने की जानकारी मिलते ही उनके परिवार में खुशी का माहौल बन गया। रिश्तेदार, दोस्त और गांव के लोग उन्हें बधाई देने के लिए घर पहुंचने लगे। गुरप्रीत सिंह साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता दर्शन सिंह रेलवे में ट्रेन गार्ड के पद पर कार्यरत रहे और वर्ष 2019 में सेवानिवृत्त हुए। गुरप्रीत चार भाई-बहनों में से एक हैं। उनकी दो बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि उनका एक भाई भी है। गुरप्रीत ने इस जीत को सपने के सच होने जैसा बताया। उन्होंने कहा कि शहर जाने के दौरान उन्होंने सामान्य रूप से लॉटरी टिकट खरीदा था और कभी नहीं सोचा था कि इसी टिकट से उन्हें 7 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। उधर, जिस लॉटरी केंद्र से यह टिकट खरीदा गया था, वहां भी जश्न का माहौल है। उधम सिंह चौक स्थित एनके एजेंसी के मालिक त्रिलोक सिंह और उनकी टीम टिकट के प्रथम पुरस्कार जीतने से उत्साहित हैं। त्रिलोक सिंह ने कहा कि इस सीमावर्ती शहर में पहली बार किसी व्यक्ति ने इतनी बड़ी लॉटरी राशि जीती है।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063